THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 123 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.5 2082 मंगलवार, 29 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## 'मध्य प्रदेश के नेता विजय शाह की नीयत पर संदेह'

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह को कड़ी फटकार लगाई है। कारण है कि उन्होंने भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और अब तक उसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी। मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मंत्री विजय शाह का व्यवहार संदेह पैदा करता है कि क्या उन्होंने जानबूझकर यह टिप्पणी की थी और अब माफी न मांगकर अपनी गलती नहीं मान रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इससे मंत्री की नीयत और ईमानदारी पर सवाल उठते हैं। साथ ही मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है।

# ऑपरेशन सिंदूर में भारत को क्षति नहीं

### > सेना ने हासिल किया लक्ष्य > विपक्ष को रक्षा मंत्री का करारा जवाब

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से कहा, अगर आपको प्रश्न पूछना है तो यह पूछिए, इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज सैनिकों की कोई क्षति हुई है? तो उसका उत्तर है, नहीं, हमारे सैनिकों की कोई क्षति नहीं हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने वालों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए दृढ़ है। आइए, हम सभी दलगत मतभेदों से ऊपर उठकर, 'संगच्छध्वं संवदध्वं' के मंत्र से प्रेरणा लेते हुए, एकजुट होकर खड़े हों।

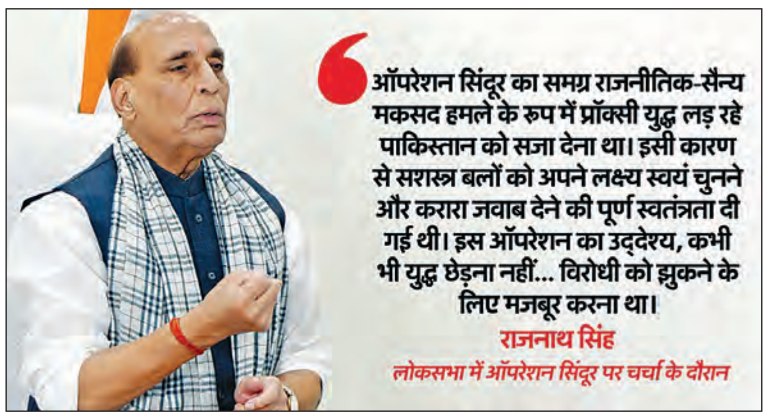


उन्होंने कहा कि मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि यह समय एकजुट होकर अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और आत्मसम्मान की रक्षा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का है। हमें यह याद रखना होगा कि हमारी सामाजिक और राजनीतिक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। मैं इस सदन को और देश की जनता को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमारी सरकार, हमारी सेनाएं और हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं, सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को प्रतिबद्ध हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज मोदीजी के नेतृत्व में भारत वह देश नहीं रहा जो पहले था। आज भारत सहता नहीं, जवाब देता है। आज भारत आतंक की जड़ तक जाता है और उसे उखाड़ फेंकने का सामर्थ्य रखता है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि आज का भारत अलग सोचता है और अलग तरीके से काम करता है। हमारा मानना है कि जब आपका प्रतिद्वंद्वी आतंक को रणनीति बना चुका हो और बातचीत की भाषा नहीं समझता हो, तो दृढ़ रहना और निर्णायक होना ही एकमात्र विकल्प होता है।

**ब्रिक्स में पहली बार लश्कर और जैश को आतंकी संगठन घोषित किया गया :**

जब केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी तब जाकर कहीं हालात बदलने शुरू हुए। साल 2017 में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में पहली बार आतंकवाद से लश्कर और जैश जैसे आतंकवादी संगठनों को जोड़ा गया। यह परिस्थिति इसलिए बनी क्योंकि उसके ठीक एक साल पहले उरी की घटना के बाद भारत की सेनाओं ने सीमा पार जाकर सर्जिकल स्ट्राइक कीं। हमने दुनिया को बताया कि आतंकवाद के खिलाफ हम सरहद के इस पार भी मारेंगे और जरूरत पड़ी तो आतंकियों के घर में घुस कर मारेंगे। यह बदलाव प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में आया है।

**जिस देश में लोकतंत्र नहीं, उससे बातचीत नहीं :**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सभ्य और लोकतांत्रिक देशों के साथ बातचीत हो सकती है। लेकिन जिस देश में जरा भी लोकतंत्र न हो और जहां सिर्फ़ धार्मिक कट्टरता और भारत के खिलाफ नफरत हो, उसके साथ बातचीत नहीं हो सकती। आतंकवाद की भाषा डर, खून और नफरत है, बातचीत नहीं। बातचीत की आवाज गोलियों की बौछार में दबा दी जाती है। जहां खून बहता है, वहां बातचीत नहीं हो सकती। पाकिस्तान अपने ही जाल में फंस गया है। पाकिस्तान की नीयत और नीति पर कोई शक नहीं होना चाहिए। पाकिस्तानी सरकार आतंकवादियों के लिए राजकीय अंतिम संस्कार का आयोजन करती है और सेना के अधिकारी उसमें शामिल होते हैं।

# श्रीनगर में सेना का ऑपरेशन महादेव, 3 पाकिस्तानी आतंकी ढेर

### इनमें पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी हाशिम मूसा भी शामिल

श्रीनगर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के लिडवास में सेना ने सोमवार को 3 पाकिस्तानी आतंकियों को ढेर कर दिया है। इसकी जानकारी इंडियन आर्मी की चिनार कॉर्प्स ने दी है। सेना ने बताया कि ऑपरेशन महादेव के तहत यह कार्रवाई की गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मारे गए आतंकियों में पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी हाशिम मूसा भी शामिल है। हालांकि सेना ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। आतंकियों के पास से अमेरिकी निर्मित एम4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल ग्रेनेड मिले हैं। इनके अलावा और भी कई संदिग्ध सामान बरामद हुए हैं। आर्मी प्रवक्ता ने बताया कि आतंकियों की पहचान करने की कोशिश जारी है। इंडियन आर्मी के अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी के बाद सुबह सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान दूर से दो बार गोलियां चलने की आवाज सुनी गई। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। 22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी और 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुनकर निशाना बनाया था। घटना पहलगाम शहर से 6 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में हुई थी। हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है। इन पर 20-20 लाख रुपये का इनाम भी रखा गया है। फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि एनआईए ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्होंने इन्हीं तीन आतंकियों के नाम उजागर किए हैं या किन्हीं और आतंकियों के।

## 'आपको पर्चे फेंकने और तख्तियां लहराने के लिए नहीं भेजा गया'

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र में हंगामे और शोरशराबे का दौर जारी है। आज छठे दिन की कार्यवाही शुरू होने के बाद भी सत्ताधारी दल और विपक्ष के बीच का गतिरोध समाप्त नहीं हुआ। लोकसभा की कार्यवाही बाधित होने पर स्पीकर ओम बिरला नाराज हो गए और उन्होंने कांग्रेस सांसदों का नाम लेकर सदन में योजना बनाकर व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया।

बिरला ने राहुल गांधी और असम से निर्वाचित सांसद गौरव गोगोई का नाम लेकर उन्हें टोका। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष के हंगामे पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा, मिस्टर गोगोई और आप सब राजनीतिक दलों के लोग आए थे, आपने कहा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी चाहिए, फिर आप सदन बाधित कर रहे हैं। आखिर सदन आप क्यों नहीं चलने दे रहे? प्रश्नकाल माननीय सदस्यों का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। आखिर देश जानना चाहता है कि आप प्रश्नकाल क्यों स्थगित करना चाहते हैं? क्यों आप प्रश्नकाल के अंदर नियोजित बाधा करना चाहते हैं? ओम बिरला ने कहा, माननीय प्रतिपक्ष के नेता.. आपके दल के नेताओं को समझाओ, इनको सदन में पर्चे फेंकने के लिए, तख्तियां लाने के लिए नहीं भेजा है.. आप प्रश्नकाल नहीं चलाना चाहते.. जवाब दो। देश जानना चाहता है कि आप प्रश्नकाल क्यों नहीं चलाना चाहते।

## ललन सिंह बोले-एसआईआर कोई मुद्दा नहीं : विपक्ष नाटक कर रहा है

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' ने सोमवार को विपक्ष पर नाटक करने और लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस नहीं होने देने का आरोप लगाया।

उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में मतदाता सूची का चल रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कोई मुद्दा नहीं है। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है। उनका यह बयान उस दिन आया जब दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष की एसआईआर मुद्दे पर बहस की मांग के कारण बाधित और स्थगित रही। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए निर्धारित कार्यक्रम के तहत हुए व्यवधान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, सरकार सदन में सभी चर्चाओं के लिए तैयार है।

## 'आधार और वोटर आईडी को माना जाए वैलिड डॉक्यूमेंट'

### एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से किया इनकार, ईसी को दी सलाह

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन में आधार और वोटर आईडी कार्ड को वैलिड डॉक्यूमेंट के तौर पर स्वीकार करने में इलेक्शन कमीशन की अनिच्छा पर सवाल उठाया और कहा कि कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है। हालांकि, कोर्ट ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा, धरती पर किसी भी डॉक्यूमेंट को जाली बनाया जा सकता है। कोर्ट ने कहा, इन दो डॉक्यूमेंट्स को शामिल करें। कल आप न केवल आधार देखेंगे, बल्कि 11 में से 11 जाली भी हो सकते हैं। यह एक अलग मुद्दा है। इसे बड़े पैमाने पर शामिल किया जाना चाहिए। कृपया आधार को शामिल करें। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने अपनी याचिका में कहा, याचिका में कहा गया है कि 24 जून 2025 के एसआईआर आदेश को यदि रद्द नहीं किया गया तो मनमाने ढंग से और उचित प्रक्रिया के बिना लाखों नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है, जिससे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र बाधित हो सकता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं।

*जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई*

## कोर्ट ने पूछा-आप जांच कमेटी के सामने क्यों पेश हुए, फैसला हक में करने की कोशिश की

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कैश कांड के आरोपी जस्टिस यशवंत वर्मा से सोमवार को पूछा, आप जांच कमेटी के सामने क्यों पेश हुए। क्या आपने पहले वहां से फैसला अपने हक में लाने की कोशिश की।

दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा ने उनके घर जले नकदी नोट मामले में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। जस्टिस वर्मा की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलील रखी। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। 23 जुलाई को पिछली सुनवाई में जस्टिस वर्मा की ओर से कहा गया था कि इसमें कुछ संवैधानिक मुद्दे हैं। कृपया जल्द से जल्द बेंच गठित करें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मामले पर सुनवाई के लिए नई बेंच गठित करेंगे। दूसरी तरफ, संसद में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भी शुरू हो गई है। जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए 152 सांसदों ने 21 जुलाई को लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा। राज्यसभा में 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव पर साइन किए।

वहीं, सुनवाई से चीफ जस्टिस बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। उनका कहना है कि मेरे लिए इस केस की सुनवाई में शामिल होना उचित नहीं होगा, क्योंकि मैं पहले भी इसका हिस्सा रहा हूं। 18 जुलाई को जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

इसमें उन्होंने तर्क दिया था कि उनके आवास के बाहरी हिस्से में कैश बरामद होने मात्र से यह साबित नहीं होता कि वे इसमें शामिल हैं, क्योंकि आंतरिक जांच समिति ने यह तय नहीं किया कि नकदी किसकी है या परिसर में कैसे मिली। समिति के निष्कर्षों पर सवाल उठाते हुए उनका तर्क दिया है- ये अनुमान पर आधारित है। याचिका में जस्टिस वर्मा का नाम नहीं है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट डायरी में इसे 'XXX बनाम भारत सरकार व अन्य' के टाइटल से दर्ज किया गया है।

## मतदाता सूची पुनरीक्षण में लोगों का उत्पीड़न न किया जाए : ममता बनर्जी

कोलकाता, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के चलते लोगों का उत्पीड़न न किया जाए। ममता बनर्जी ने भाजपा पर धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ ही गरीबों, पिछड़ा वर्ग को भी निशाना बना रही है। बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में एक प्रशासनिक बैठक के दौरान ममता बनर्जी ये बात कही।

ममता बनर्जी ने कथित प्रताड़ित बंगाली प्रवासियों की मदद के लिए एक योजना शुरू करने का भी एलान किया। इस योजना के तहत दूसरे राज्यों से उत्पीड़न झेलने के बाद वापस बंगाल लौटे बंगालियों की मदद की जाएगी। योजना में ऐसे लोगों को सुरक्षित वापस लौटने, राशन देने और नौकरी देने में भी मदद की जाएगी। साथ ही उन्हें अस्थायी शेल्टर भी मुहैया कराया जाएगा। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि कई राज्यों में जानबूझकर और राजनीतिक कारणों से बंगाली भाषी लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि, उनके (भाजपा) द्वारा न सिर्फ धार्मिक अल्पसंख्यकों को ही निशाना नहीं बनाया जा रहा बल्कि गरीबों, पिछड़ा वर्ग के लोगों को भी निशाने पर लिया जा रहा है।

## रिजिजू की विपक्ष को दो टूक : संसद में 'लक्ष्मण रेखा' पार न करने की दी चेतावनी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। आज लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से लोकसभा में चर्चा के दौरान लक्ष्मण रेखा पार न करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सोच-विचारकर बोले ताकि पाकिस्तान विपक्षी नेताओं के बयानों को अपने हित में इस्तेमाल न कर पाए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में आज ऑपरेशन सिंदूर को लेकर होने वाली चर्चा पर विपक्ष को आगाह करते हुए कहा कि मैं विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस से अनुरोध करता हूं कि वे भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने वाला कुछ भी न करें और पाकिस्तान की भाषा न बोलें। हमें सावधान रहना होगा... हमें भारतीय सशस्त्र बलों की गरिमा बनाए रखनी होगी। कांग्रेस और विपक्ष को ऐसा कुछ भी नहीं बोलना चाहिए जिससे राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचे। वे भारत के खिलाफ जो कुछ भी बोलते हैं, उसका इस्तेमाल पाकिस्तानियों और भारत के बाहरी दुश्मनों द्वारा किया जाता है। वहीं केंद्रीय मंत्री के बयान पर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने पलटवार किया।

## बिहार में वोटिंग का अधिकार छीनने की साजिश : खड़गे

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। सोमवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने इस मुद्दे पर संसद परिसर में जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित इंडी अलायंस के कई बड़े नेता और सांसद शामिल हुए।

## पीएम मोदी और ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई : जयशंकर

नई दिल्ली, 28, जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम के बाद भारत का रुख आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस), आत्मरक्षा का अधिकार का है। विदेश मंत्री ने लोकसभा में बोलते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत की कूटनीतिक रणनीति का जिक्र किया। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर तथ्य रखे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी ने मध्यस्थता नहीं की।

सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद एक स्पष्ट, मजबूत और दृढ़ संदेश भेजना जरूरी था। हमारी धैर्य की सीमाएं पार की गई थीं, सीमा लांघ दी गई थी और हमें यह स्पष्ट करना था कि इसके गंभीर परिणाम होंगे। पहला कदम-जो उठाया गया, वह यह था कि 23 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक हुई। 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। एकीकृत चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। एसएआरसी वीजा छूट योजना के तहत यात्रा कर रहे पाकिस्तानी नागरिकों को अब ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाएगा। उच्चायोग की कुल संख्या 55 से घटाकर 30 कर दी जाएगी। विदेश मंत्री ने यह भी कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट था कि सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की ओर से अनुमोदित पहले कदमों के बाद पहलगाम हमले पर भारत की प्रतिक्रिया यहीं नहीं रुकेगी। कूटनीतिक दृष्टिकोण से, विदेश नीति के दृष्टिकोण से, हमारा काम पहलगाम हमले की वैश्विक समझ को आकार देना था।

# नहर में गिरी पिकअप, 6 श्रद्धालुओं की मौत

## इनमें 2 बच्चे भी, 4 लापता-हिमाचल में नैना देवी के दर्शन कर लौट रहे थे

लुधियाना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में रविवार देर रात मलेरकोटला रोड पर जगेड़ा नहर के पुल से महिंद्रा पिकअप गाड़ी नहर में गिर गई। गाड़ी में कुल 29 लोग सवार थे, जिनमें से 2 बच्चों और 3 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई।

वहीं, 4 लोग नहर में लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। सभी लोग हिमाचल से माता नैना देवी के दर्शन कर अपने गांव मानकवाल लौट रहे थे। गाड़ी में सवार लोगों के अनुसार, पिकअप गाड़ी ओवरलोड थी। एक वाहन को ओवरटेक करते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और यह हादसा हो गया। मृतकों की पहचान जरनैल सिंह (52), कृष्णा कौर (60), मनजीत कौर (58), कमलजीत कौर (25), सुखमन कौर (डेढ़ साल) और आकाशदीप सिंह (8) के रूप में हुई है। ये सभी गांव मानकवाल के रहने वाले थे। इनके शव रात 2 बजे लुधियाना के सिविल अस्पताल पहुंचाए गए। वहीं, केशर सिंह, अर्शदीप कौर, गुरप्रीत सिंह और महिंदर कौर लापता हैं, जिनकी खोज में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। नहर से 4 शव रात में ही बरामद हो गए थे, जबकि 2 महिलाओं के शव आज सुबह मिले हैं।

**डीसी बोले-ओवरलोडिंग के कारण हुआ हादसा**

इस मामले में डीसी हिमांशु जैन ने कहा था- जगेड़ा पुल पर यह हादसा हुआ है। अभी तक की जानकारी के मुताबिक गाड़ी में कुल 24 लोग सवार थे। गाड़ी का संतुलन बिगड़ने के कारण गाड़ी नहर में पलट गई।करीब 22 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। अभी पता चल रहा है कि 2 लोग लापता भी हैं, जिन्हें ढूंढा जा रहा है। डीसी ने कहा कि सभी लोग मानकवाल और आस-पास के गांवों के रहने वाले हैं। घटना की सूचना मिलते ही अस्पतालों और प्रशासन को अलर्ट कर दिया था।

# चिदंबरम बोले–कैसे पता चला कि पहलगाम आतंकी पाकिस्तान से आए

> एनआईए के पास इसका क्या सबूत > हमलावर देश के भी तो हो सकते हैं

सरकार ऑपरेशन सिंदूर के नुकसान को छिपा रही है। मैंने अपने कॉलम में लिखा था कि युद्ध में दोनों पक्षों को नुकसान होता है। मुझे लगता है कि भारत को भी नुकसान हुआ होगा। इसे खुलकर बताना चाहिए।

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम का पहलगाम हमले पर 2 दिन पहले दिए बयान पर विवाद हो रहा है। उन्होंने कहा था कि कैसे पता कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे। कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री का यह बयान संसद में पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में चर्चा के कुछ घंटे पहले आया।

चिदंबरम ने शनिवार को एक इंटरव्यू में कहा, 'वे (एनआईए) यह बताने को तैयार नहीं हैं कि इन हफ्तों में उन्होंने क्या किया? क्या एनआईए ने आतंकवादियों की पहचान की है या यह पता लगाया है कि वे कहां से आए थे? क्या पता, वे देश के ही आतंकवादी हों। आप यह क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे। इसका कोई सबूत नहीं है।'

इधर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा- कांग्रेस ने पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की जल्दी की है। जब भी हमारी सेना पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना करती है। कांग्रेस के नेता इस्लामाबाद के वकील ज्यादा लगते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कांग्रेस हमेशा दुश्मन को बचाने में जुट जाती है। प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोल रहेः सरकार सवालों से क्यों बच रही है। प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। आपको क्या लगता है कि लोकतंत्र के मंदिर में बहस करने में इतनी हिचकिचाहट क्यों है? सरकार को बताना चाहिए युद्धविराम कैसे हुआः कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या सरकार इस बात से असहज है कि उनसे पूछा जाएगा कि युद्धविराम कैसे हुआ। क्योंकि सच कहूं तो इसकी घोषणा भारत सरकार ने नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रम्प ने की थी।

**पी चिदंबरम के बयान पर भाजपा नेताओं के रिएक्शन**

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- कांग्रेस अब गद्दार संगठन बन चुकी है। आज जो कांग्रेस अपनी आजादी की लड़ाई में भागीदारी पर गर्व करती है, उसकी क्या हैसियत रह गई है। राहुल गांधी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करते हैं। इनके ऊपर भारी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। इन्होंने देश को बेचने की ठान ली थी, लेकिन बीच में प्रधानमंत्री मोदी आ गए। अब ये मजबूत नेतृत्व पचा नहीं पा रहे हैं। भाजपा सांसद संजय जायसवाल- उन्हें यह सवाल राज्यसभा में पूछना चाहिए। जब चर्चा सदन में होनी है, तो वह इसे बाहर क्यों उठा रहे हैं। भारत सरकार आज लोकसभा में उनके हर सवाल का जवाब देगी। संसद के मानसून सत्र के छठे दिन सोमवार को लोकसभा में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे लगातार चर्चा होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर 12 बजे बहस की शुरुआत करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री जयशंकर भी विपक्ष के सवालों का जवाब देंगे।

# खबरे जरा हटके

## जब ऊंची बिल्डिंग के ऊपर बनाया 'पहाड़ी महल'

**पड़ोसी हुए बेहाल, सनकी प्रोफेसर की करतूत देख हैरान थे लोग!**

दुनियाभर में चीन अपनी असाधारण वास्तुकला और डिजाइन के लिए जाना जाता है, जहां आसमान छूती इमारतें और अनूठी संरचनाएं अक्सर देखने को मिलती हैं. यहां पर कभी 24 घंटों के अंदर आलीशान हॉस्पिटल बना दिया जाता है, तो कभी किसी ब्रिज का निर्माण चंद घंटों में कर दिया जाता है. इसके अलावा कई बार यहां की जिद्दी इमारतों ने भी ध्यान खींचा है, जिन्हें हाईवे से हटाया नहीं जा सका. लेकिन आज हम आपको चीन की एक ऐसी इमारत के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने दुनियाभर के लोगों का ध्यान खींचा. दरअसल, यहां के रहने वाले एक सनकी प्रोफेसर ने 6 साल में ऊंची बिल्डिंग के छत के ऊपर अपना 'पहाड़ी महल' बना दिया. लेकिन इस वजह से पड़ोसी बेहाल हो गए. वहीं, बाकी लोग भी हैरान थे कि आखिर ये हुआ तो कैसे हुआ? यह मामला चीन के बीजिंग का है।

यहां के रहने वाले एक सनकी प्रोफेसर झांग लिन ने वो कर दिखाया था, जिसकी शायद ही किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी. उन्होंने अपने अपार्टमेंट ब्लॉक की छत पर ही एक विशालकाय 'पहाड़ी महल' बना डाला! जी हां, ये सुनकर अविश्वसनीय लगता है, लेकिन ये सच था. मामला 12 साल पहले यानी 2013 का है. इस पहाड़ी इमारत को प्रोफेसर ने पिछले छह सालों में बनाया था, यानी वो 2006 से अपने इस अजीब प्रोजेक्ट पर लगे थे. इसके लिए प्रोफेसर झांग लिन ने भारी मात्रा में मलबा और चट्टानें छत पर जमा किए और एक ऐसा घर तैयार किया था, जो दूर से किसी पहाड़ की चोटी पर बने विला जैसा दिखता था. इस अनोखे निर्माण में एक चट्टानी पहाड़ी बगीचा भी शामिल था, जिसमें मलबा और झाड़ियां भी मौजूद थीं. हालांकि, प्रोफेसर झांग लिन का यह 'सपनों का महल' उनके पड़ोसियों के लिए दुःस्वप्न बन गया था. वे इस बात से बुरी तरह डरे हुए थे कि इमारत कभी भी ढह सकती है.

## दुनिया का इकलौता एयरपोर्ट, जिसके रनवे के बीच से गुजरती है ट्रेन, उड़ने के लिए इंतजार करते हैं प्लेन!

दुनियाभर में कई ऐसी रहस्यमय और हैरान कर देने वाली जगहें हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता होगा. इनमें से किसी सड़क पर अपने आप गाड़ियां ऊपर की जाने लगती हैं, तो कहीं पर एलियंस के देखे जाने का दावा किया जाता है. कोई दुनिया का सबसे खतरनाक एयरपोर्ट है, जहां लैंडिंग करने में पायलटों के पसीने छूट जाते हैं, तो समुद्र के किसी हिस्से के ऊपर से जहाज ही नहीं जाते. लेकिन आज हम आपको इंसानों द्वारा बनाए गए एक ऐसे एयरपोर्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके रनवे के बीच से ट्रेन गुजरती है. इतना ही नहीं, इस दौरान हवाई जहाज को भी उड़ान भरने के लिए ट्रेन के गुजरने का इंतजार करना पड़ता है. क्या आप इस एयरपोर्ट के बारे में जानते हैं? अगर नहीं जानते तो बता दें कि इस एयरपोर्ट का नाम गिस्बॉर्न हवाई अड्डा है, जो न्यूजीलैंड में है. आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन ये सच है. न्यूजीलैंड का गिस्बॉर्न हवाई अड्डा अपनी इसी अनोखी खासियत के लिए मशहूर है, जहां रनवे को एक रेलवे लाइन काटती है. ये दुनिया के उन चंद हवाई अड्डों में से है, जहां ट्रेन और हवाई जहाज को एक-दूसरे को रास्ता देना पड़ता है. लिए कहता है।

## दुनिया की सबसे दुर्लभ बच्ची इंदौर में जन्मी : दो सिर, दो दिल

मध्य प्रदेश के इंदौर में एक अत्यंत दुर्लभ चिकित्सा घटना सामने आई है, जहां महाराजा तुकोजीराव होलकर अस्पताल (एमटीएच) में एक बच्ची का जन्म हुआ है, जिसके दो सिर और दो दिल हैं. जन्म के 5 दिन बाद डॉक्टर्स ने बताया कि बच्ची जिंदगी की जंग लड़ रही है, वह वेंटिलेटर पर है और दोनों दिलों में से एक अविकसित और दूसरा भी दोषपूर्ण है, जिससे शरीर में रक्त संचार बनाए रखना बेहद मुश्किल हो रहा है. उसके जीवित रहने की संभावना बहुत कम है. इस प्रकार की जटिल जन्म स्थिति को मेडिकल भाषा में 'डाइसेफालिक पैरापैगस' कहा जाता है. यह एक प्रकार का जुड़वां जन्म है जहां दो सिर और धड़ का ऊपरी हिस्सा एक ही शरीर से जुड़े होते हैं.

सूत्रों ने बताया कि बच्ची का वजन लगभग 2.8 किलोग्राम था और उसका जन्म 22 जुलाई की रात को सी-सेक्शन ऑपरेशन के जरिए हुआ, क्योंकि सामान्य प्रसव संभव नहीं था. जन्म के तुरंत बाद, बच्ची को नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में भर्ती कर वेंटिलेटर पर रखा गया, क्योंकि उसकी श्वसन प्रक्रिया में गंभीर दिक्कतें थीं. चिकित्सकों की टीम ने बताया कि बच्ची के दो दिल हैं, लेकिन उनमें से एक पूरी तरह से अविकसित (रूडिमेंट्री) है और दूसरा भी सामान्य रूप से कार्य नहीं कर रहा है. दूसरे दिल की संरचना में भी दोष हैं, जिससे पूरे शरीर में रक्त संचार बनाए रखना बेहद मुश्किल हो रहा है. इसके दिल के वाल्व खुले हुए हैं और बड़े छेद मौजूद हैं, जो उसकी गंभीर स्थिति का मुख्य कारण हैं।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डॉ. निलेश जैन और अन्य शिशु रोग विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि बच्ची की मौजूदा जटिल संरचना को देखते हुए किसी भी प्रकार की शल्य चिकित्सा (सर्जरी) फिलहाल संभव नहीं है. आमतौर पर जब सिर अलग नहीं होते और अंग साझा होते हैं, तब कुछ चुनिंदा मामलों में ही सफल सर्जरी हो पाती है. लेकिन इस मामले में दोनों सिर गर्दन से जुड़े हैं, जिससे ऑपरेशन बहुत जोखिम भरा और लगभग असंभव माना जा रहा है.

# 'पहलगाम हमले के चार आतंकी अब भी फरार'

## ऑपरेशन सिंदूर पर बहस से पहले बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में सोमवार जम्मू-कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले और भारत के जवाबी सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा होनी है। इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के खिलाफ की गई तमाम कार्रवाइयों के बावजूद पहलगाम हमले में शामिल चारों आतंकी अब भी फरार हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी जानना चाहते हैं कि खुफिया तंत्र में चूक कहां हुई। पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर का भाषण हमला होने से पहले ही हो चुका था, फिर हम सतर्क क्यों नहीं हुए? उन्होंने कहा कि हमले में लोगों को उनके धर्म पूछकर मारा गया ताकि देश में माहौल बिगाड़ा जा सके, लेकिन भारतीयों ने एकजुटता दिखाकर उस साजिश को नाकाम कर दिया।

बता दें कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने ओवरसीज पाकिस्तानिज सम्मेलन में कहा था कि पाकिस्तान और भारत हर मामले में अलग हैं। धर्म, परंपरा, सोच और महत्वाकांक्षाएं। उन्होंने 1947 की टू-नेशन थ्योरी का जिक्र करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों से कहा था कि वे अपने बच्चों को हिंदू-मुस्लिम के बीच अंतर सिखाएं।

**'चारों आतंकी अभी तक पकड़े नहीं गए'**

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि भारत सरकार ने हमले के बाद कई कड़े कदम उठाए। इसके तहत सिंधु जल संधि को निलंबित किया गया, पाकिस्तानी मीडिया चैनलों, सोशल मीडिया अकाउंट्स और क्रिकेटरों पर प्रतिबंध लगाया गया। व्यापार और द्विपक्षीय वार्ताएं रोकी गईं और विभिन्न देशों में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिमंडल भेजे गए। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इतने कदमों के बावजूद चारों आतंकी अभी तक नहीं पकड़े गए हैं, और इससे ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सवाल उठते हैं। गौरतलब है कि बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओजेके) में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया।

### चिदंबरम के बयान पर भी दी तीखी प्रतिक्रिया

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चिदंबरम जी कई मंत्रालयों में काम कर चुके हैं, गृहमंत्री भी रह चुके हैं। भारत-पाकिस्तान के पिछले 70 वर्षों के इतिहास को देखें, तो हमें न युद्ध का सबूत चाहिए, न आतंकवाद का सब पाकिस्तान के ही कारण हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने कहा था कि कोई सबूत नहीं है कि हमलावर पाकिस्तान से आए थे। इस पर शिवसेना (उद्धव गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच आगामी एशिया कप क्रिकेट मैच पर भी आपत्ति जताई और कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान दुनिया में कहीं भी क्रिकेट मैच खेलते हैं, तो यह देश के हित में नहीं होगा। प्रियंका चतुर्वेदी ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान के साथ किसी भी प्रकार का सामान्य रिश्ता देश की सुरक्षा नीति के खिलाफ हो सकता है।

## ट्रैवल एजेंसी की वेबसाइट हैक

# पाकिस्तान-बांग्लादेश-श्रीलंका की 10 लाख की टिकटें बुक

### घंटों तक चलती रही संदिग्ध एक्टिविटी

जालंधर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जालंधर में साइबर क्राइम का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शहर की प्रसिद्ध मैक्स वर्ल्ड इमिग्रेशन ट्रैवल एजेंसी की वेबसाइट को हैक कर हैकरों ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के लिए करीब 10 लाख रुपए की हवाई टिकटें बुक कर दीं।

एजेंसी मालिक दीपक बट्ट ने बताया कि उन्होंने 22 मई 2025 को थाना डिवीजन नंबर 6 में शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने दो महीनों तक मामले को गंभीरता से नहीं लिया और अब जाकर केस दर्ज किया है। घटना के पीछे आतंकी संगठनों या गैंगस्टर गिरोह की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है। अब पुलिस मामले की साइबर एंगल से गहराई से जांच कर रही है। दीपक बट्ट के अनुसार, जब वे रोजाना की तरह सुबह ऑफिस पहुंचे और सिस्टम लॉगिन किया, तो उन्हें वेबसाइट पर असामान्य गतिविधियां नजर आईं। जांच करने पर पता चला कि रात 9 बजे से सुबह तक, उनकी कंपनी के पोर्टल से लगभग 10 लाख रुपए की टिकटें बुक कर दी गई थीं, जिनमें अधिकतर टिकटें पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के लिए थीं। ये टिकटें 'मैक्स वर्ल्ड ट्रैवल बर्थ' पोर्टल के जरिए बुक की गईं, जो इमिग्रेशन और ट्रैवल संबंधी सेवाएं प्रदान करता है। दीपक बट्ट ने अपनी शिकायत में यह भी आशंका जताई है कि इस हैकिंग के पीछे आतंकी संगठन या अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी में शामिल गैंग हो सकते हैं। इस तरह की टिकट बुकिंग संभव है कि किसी गैर-कानूनी तरीके से विदेश भेजे जाने वाले लोगों के लिए की गई हो। दीपक का कहना है कि समय रहते कार्रवाई की जाती तो शायद यात्रियों को फ्लाइट में चढ़ने से पहले ही रोका जा सकता था।

## नहर में बहने से दो युवकों की मौत पुलिस ने बरामद किए शव

महेंद्रगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महेंद्रगढ़ जिले में रेवाड़ी के दो युवकों की जान चली गई। जवाहरलाल नेहरू नहर के पंप हाउस नंबर दो के पास नहाते समय दोनों युवक तेज बहाव में बह गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शवों को नहर से बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद आज दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए। मृतकों की पहचान रेवाड़ी के गांव ढाणी शोभा निवासी तेईस वर्षीय प्रवीन कुमार और रेवाड़ी के गांव मनेठी निवासी उन्नीस वर्षीय आर्यन के रूप में हुई है। जानकारी अनुसार रविवार को आर्यन, प्रवीन, आशीष और हिमांशु गांव सुरजनवास निवासी अपने एक दोस्त के साथ नहर पर नहाने पहुंचे थे। जब आशीष और हिमांशु खाने पीने का सामान लेने के लिए पास की दुकान पर गए तभी प्रवीन और आर्यन नहर में नहाने उतर गए। पानी का बहाव तेज होने के कारण पहले एक युवक बहने लगा। उसे बचाने के प्रयास में दूसरा युवक भी डूब गया।

## कबूतर के लिए नाबालिग की हत्या

मानसा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मानसा में सरदूलगढ़ के पास रोडकी गांव में तीन लोगों पर कबूतरों के चक्कर में एक 13 साल के लड़के की हत्या का मामला दर्ज हुआ है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सातवीं कक्षा के छात्र राजा सिंह को कबूतरबाजी का शौक था। उसके पड़ोस में रहने वाले लोगों ने कबूतर पाले हुए थे। जब भी वो कबूतर उड़ाते तो राजा सिंह उनके पीछे भागता था। मृतक के पिता लखविंदर सिंह ने बताया कि उनके पड़ोसी कबूतर मालिकों ने कई बार उनके बेटे को धमकी भी दी थी। उन्होंने पड़ोसी त्रिलोचन सिंह, तेजा सिंह व काला सिंह पर आरोप लगाया कि उन्होंने उसके बेटे को अगवा कर पहले उसकी टांगें तोड़ीं और फिर गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। शनिवार रात करीब 12 बजे उन्हें बेटे राजा सिंह का शव मिला।

## बटाला थाने पर ग्रेनेड हमले का आरोपी गुरदासपुर से अरेस्ट

अमृतसर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने बटाला के किला लाल सिंह थाने पर हुए ग्रेनेड हमले के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी इंदौर से पकड़े गए आतंकी आकाशदीप सिंह की पूछताछ के बाद हुई। जांच में पता चला कि 7 अप्रैल को हुए हमले के आरोपियों को ठहराने की व्यवस्था इसी ने की थी। यह मामला अब एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) के पास है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अमृतसर के गांव चन्नके निवासी करणवीर सिंह के रूप में हुई है। करणवीर की उम्र 22 साल है और वह सिर्फ 12वीं पास है। उसने बताया कि वह सोशल मीडिया के जरिए विदेश में बैठे बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के हैंडलर से जुड़ा हुआ था। वहीं से उसे आतंकी हमले की योजना और पैसे मिलते थे। साल 2024 में वह बीकेआई के नेटवर्क के जरिए वेस्ट एशिया के एक देश भी गया था।

# ओबीसी सूची पर बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

> कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम मामले में सुनवाई के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार की नई ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) सूची के लागू होने पर अंतरिम रोक लगाई गई थी। यह फैसला राज्य सरकार के लिए एक बड़ी राहत माना जा रहा है। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

बता दें कि मामले में पश्चिम बंगाल सरकार ने हाल ही में ओबीसी-ए और ओबीसी-बी श्रेणियों में 140 उपवर्गों को आरक्षण देने के लिए एक नई सूची अधिसूचित (जारी) की थी। लेकिन 17 जून 2024 को कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस सूची के क्रियान्वयन पर अस्थायी रोक लगा दी थी। मामले में हाईकोर्ट का कहना था कि इन वर्गों को जोड़ने की प्रक्रिया ठीक से नहीं अपनाई गई और इस पर जांच जरूरी है। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की दलीलों पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा पहली नजर में हाईकोर्ट का आदेश गलत लगता है। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ऐसा आदेश कैसे दे सकता है? आरक्षण तय करना सरकार का काम है, अदालत का नहीं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई और राज्य सरकार की नई ओबीसी सूची को लागू करने की अनुमति दे दी।

**अगले सोमवार को होगी अगली सुनवाई**

हालांकि अब मामले में अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में अगले सोमवार को होगी। तब अदालत यह देखेगी कि नई सूची कितनी वैध और प्रक्रिया के अनुसार तैयार की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले भी मई 2024 में, कलकत्ता हाईकोर्ट ने 77 समुदायों को ओबीसी सूची में शामिल करने के फैसले को रद्द कर दिया था।

# अस्पताल के आईसीयू में ऑक्सीजन सप्लाई रुकी, 3 की मौत

## 2 मिनट तक प्लांट से सप्लाई बाधित रही, परिजन ने जमकर हंगामा किया

जालंधर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जालंधर के सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रविवार रात उस वक्त अफरा तफरी मच गई, जब ऑक्सीजन प्लांट से 2 मिनट के लिए सप्लाई बाधित होने से आईसीयू में भर्ती 3 मरीजों की मौत हो गई। कुल पांच मरीजों को ऑक्सीजन सप्लाई बंद होने से नुकसान हुआ था, जिनमें से 2 को बचा लिया गया। इस घटना के बाद अस्पताल में हंगामा मच गया और परिजनों ने भारी विरोध किया। यह मामला रात करीब 9 बजे का है। सूचना मिलने पर देर रात करीब सवा एक बजे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह सिविल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने इस फॉल्ट को लेकर बंद कमरे में डॉक्टरों के साथ मीटिंग की। साथ ही देर रात डीसी हिमांशु अग्रवाल भी मौके पर पहुंच गए थे।

मृतकों की पहचान अर्चना (15), अवतार लाल (32) और राजू (30) के रूप में हुई है। अर्चना को 17 जुलाई को सर्प दंश के बाद भर्ती कराया गया था, अवतार लाल को 27 जुलाई को नशे की ओवरडोज के कारण भर्ती कराया गया था और राजू को 24 जुलाई को टीबी के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। सेहत मंत्री के अनुसार, रविवार रात करीब साढ़े 8 बजे आईसीयू में ऑक्सीजन प्लांट से सप्लाई बंद हुई थी। इसके बाद ही डॉक्टरों और टेक्नीशियनों को पता चल गया था। ऑक्सीजन प्लांट की गड़बड़ी के बारे में पता करने और उसे ठीक करने में उन्हें करीब 2 मिनट लग गए। इतने ही समय में 3 लोगों ने दम तोड़ दिया। इसके बारे में करीब साढ़े 9 बजे परिजनों को पता चला तो उन्होंने अस्पताल में हंगामा किया। डॉक्टर बोले-मामले में 9 मेंबर की जांच कमेटी बनाई देर रात सिविल अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एमएस डॉ. राज कुमार ने कहा- मरने वाले 3 मरीज थे। मौत का कारण पता करने के लिए हमने 9 मेंबरी कमेटी गठित कर दी है। 2 दिन के अंदर कमेटी अपनी रिपोर्ट पेश करेगी और उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। मामले में जांच की जाएगी कि ये टेक्निकल फॉल्ट है या फिर हमारे किसी मुलाजिम की गलती है।

सुविचार
पैसा बेशक किसी भी इंसान को अमीर या गरीब बना सकता है पर छोटा या बड़ा नहीं!

# जयपाल रेड्डी को उनकी छठी पुण्यतिथि पर याद किया गया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को हैदराबाद के नेकलेस रोड स्थित स्फूर्ति स्थल पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार से सम्मानित एस. जयपाल रेड्डी की छठी पुण्यतिथि मनाई।

विधान परिषद के अध्यक्ष जी सुखेंदर रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, अदलुरु लक्ष्मण कुमार, गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी और वाकीटि श्रीहरि, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, बीसी आयोग के अध्यक्ष निरंजन, पूर्व केंद्रीय मंत्री पल्लम राजू, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी, सरकारी सलाहकार केशव राव, किसान आयोग के अध्यक्ष कोदंडा रेड्डी, तेलंगाना योजना आयोग के उपाध्यक्ष चेन्ना रेड्डी, पूर्व मंत्री सांबनी चंद्रशेखर, पूर्व सांसद हनुमंत राव, रवींद्र नायक और मधु याशकी गौड़, एमआरपी के संस्थापक अध्यक्ष मंदा कृष्णा मडिगा, जयपाल रेड्डी के परिवार के सदस्य, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के परिवार के सदस्यों और विभिन्न निगमों के अध्यक्षों ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, विधान परिषद के अध्यक्ष जी सुखेंदर रेड्डी ने कहा, जयपाल रेड्डी आज की पीढ़ी के लिए एक आदर्श हैं। उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य करके लोगों की बहुत सेवा की है। जयपाल रेड्डी राजनीति में मूल्यों, प्रतिबद्धता और सेवाभाव से ओतप्रोत एक नेता थे।

उन्होंने तेलंगाना आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और राज्य की उपलब्धियों के लिए संघर्ष किया, और वे उस समय के नेताओं के मार्गदर्शक थे। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने जयपाल रेड्डी को तेलंगाना का लाड़ला पुत्र बताया और इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी विरासत अमर है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री, सांसद और राज्यसभा सदस्य के रूप में जयपाल रेड्डी द्वारा राष्ट्र के लिए की गई विशिष्ट सेवा की सराहना की। उन्होंने हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना, भूमिगत जल निकासी प्रणालियों में सुधार और तेलंगाना में विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी पहलों के लिए पर्याप्त केंद्रीय निधि प्राप्त करने में जयपाल रेड्डी के महत्वपूर्ण योगदान को भी रेखांकित किया। श्रम मंत्री गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि जयपाल रेड्डी जनसेवा के जीवंत उदाहरण थे और तेलंगाना राज्य के गठन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। उन्होंने कहा कि एक छात्र के रूप में नेता और केंद्रीय मंत्री, जयपाल रेड्डी ने देश और तेलंगाना के लिए कई बहुमूल्य सेवाएँ दीं और कहा कि वे मूल्यों को बहुत महत्व देते हैं और सर्वश्रेष्ठ सांसद का पुरस्कार प्राप्त करना उनकी महानता का प्रमाण है। वेंकटस्वामी ने कहा कि वे राजनीति में एक बेदाग व्यक्ति बन गए हैं और आज की पीढ़ी को उन्हें प्रेरणा के रूप में लेना चाहिए।

## मीनाक्षी ने 31 जुलाई से 6 अगस्त तक पदयात्रा और श्रमदान की घोषणा की

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के साथ, 31 जुलाई से 6 अगस्त तक तेलंगाना में पदयात्रा और श्रमदान में भाग लेंगी। सोमवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि पदयात्रा 31 जुलाई को शाम 5 बजे पूर्ववर्ती रंगारेड्डी जिले के पारगी से शुरू होगी। श्रमदान और कार्यकर्ता बैठक 1 अगस्त को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक मेदक के अंधोल (सु) में आयोजित की जाएगी। इसके बाद, गतिविधियां 3 अगस्त को निज़ामाबाद के आर्मूर विधानसभा क्षेत्र, 4 अगस्त को आदिलाबाद के खानपुर (सु), 5 अगस्त को करीमनगर के चोप्पादंडी (सु) और 6 अगस्त को वारंगल के वर्धन्नापेट (सु) में समाप्त होंगी। कांग्रेस के प्रतिनिधि, जिनमें विधायक राज ठाकुर, विधान पार्षद शंकर नाइक और अन्य नेता जैसे डॉ. केतुरी वेंकटेश, जुलुरु धनलक्ष्मी और डॉ. पुली अनिल कुमार शामिल हैं, पदयात्रा और श्रमदान कार्यक्रमों के समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे।

## नदी में मिला शिशु का शव

सिद्दीपेट, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अक्कन्नापेट मंडल के केशनायक थांडा में एक नवजात शिशु का शव एक नाले में मिला, जिससे क्षेत्र में सदमे और आक्रोश फैल गया। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने नाले में तैरता हुआ शव देखकर अधिकारियों को सूचित किया। सब-इंस्पेक्टर प्रशांत मौके पर पहुंचे और शव को हुस्नाबाद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शिशु को फेंकने वालों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। शनिवार को जहीराबाद स्थित क्षेत्रीय अस्पताल की कैंटीन के अंदर कूड़ेदान में एक शिशु का शव मिला।

# खरीफ के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति की जा रही है : नवीन मित्तल

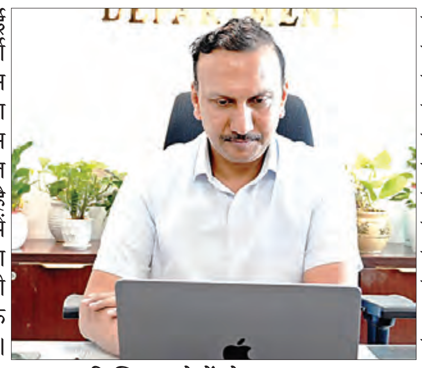

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव नवीन मित्तल ने सोमवार को कहा कि इस मानसून के दौरान बिजली की मांग पिछले साल की तुलना में काफ़ी बढ़ गई है और आने वाले दिनों में इसमें और वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने बिजली अधिकारियों को और अधिक सतर्क रहने के निर्देश दिए। दक्षिण तेलंगाना विद्युत वितरण कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुशर्रफ फारूकी के साथ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, नवीन मित्तल ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क बिजली क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं और बिजली आपूर्ति की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद शहर में औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों के साथ-साथ घरेलू क्षेत्र में भी भारी खपत होती है। इसके अलावा, कृषि के लिए बिजली की निरंतर उपलब्धता के कारण लाखों मोटरें लगातार चल रही हैं। परिणामस्वरूप, बरसात के मौसम में भी भारी मांग दर्ज की जा रही है। पिछले वर्ष (2024) 31 जुलाई को अधिकतम मांग 13541 मेगावाट दर्ज की गई थी, जो इस वर्ष 16 जुलाई को 14.05 प्रतिशत बढ़कर 15443 मेगावाट हो गई। प्रचुर वर्षा के कारण जल उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धान की बुवाई में तेज़ी आने के साथ, आने वाले दिनों में बिजली की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। इस संदर्भ में, उन्होंने सीएमडी स्तर से लेकर निचले स्तर तक के कर्मचारियों को सतर्क रहने और किसी भी व्यवधान से बचने के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से इस बरसात के मौसम में, अधिकारी और कर्मचारी अधिक सतर्क रहें और आपूर्ति की निगरानी के लिए बारिश के दौरान अपने कार्यालयों में उपलब्ध रहें। टीजीएसपीडीसीएल के निदेशक डॉ. नरसिम्हुलु, चक्रपाणि, कृष्ण रेड्डी, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, मंडल अभियंता इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए।

## मूसी नदी में इंजीनियरिंग छात्र के डूबने की आशंका

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चौथे वर्ष के एक इंजीनियरिंग छात्र के हैदराबाद के राजेंद्रनगर में मूसी नदी में डूबने की आशंका है। अक्षित रेड्डी, जो एक निजी कॉलेज से बी.टेक कर रहा है, अपने तीन दोस्तों रोहित, पवन और अनिल (सभी बोराबंडा के निवासी) के साथ उप्परपल्ली आया था। पास में ही खड़े अक्षित का पैर मूसी नदी में फिसल गया और वह बह गया। सूचना मिलने पर आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) और स्थानीय पुलिस ने उसे ढूंढने के लिए बचाव अभियान शुरू कर दिया है।

## सरकारी छात्रावासों में बार-बार फूड पॉइजनिंग के मामले

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग दल के अध्यक्ष और अधिवक्ता दुंद्रा कुमारस्वामी ने तेलंगाना सरकार द्वारा संचालित गुरुकुल (आवासीय) विद्यालयों में खाद्य पदार्थों में मिलावट की लगातार हो रही घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इन घटनाओं को मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन बताते हुए, उन्होंने तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

# राज्य मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज

हाल ही की घटना शनिवार को नागरकुरनूल जिले के उय्यालवाड़ा महात्मा ज्योतिबा फुले गर्ल्स गुरुकुल स्कूल में हुई, जहां छात्रावास के मेस में रात का खाना खाने के बाद 111 छात्राएं गंभीर रूप से बीमार पड़ गईं। छात्राओं को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत हुई और उन्हें तुरंत इलाज के लिए जिला सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि अधिकांश छात्राओं को छुट्टी दे दी गई है, लेकिन तीन छात्राओं की हालत गंभीर बताई गई है। कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य द्वारा संचालित छात्रावासों में फूड पॉइजनिंग की ऐसी बार-बार होने वाली घटनाओं से सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में जनता का विश्वास कम हो रहा है। माता-पिता अब अपने बच्चों को आवासीय विद्यालयों में भेजने से हिचकिचा रहे हैं। हमें यह पूछना होगा कि क्या यह केवल घोर लापरवाही के कारण है या सार्वजनिक शिक्षा को कमज़ोर करने की कोई गहरी साजिश है? इसकी तत्काल और निष्पक्ष जाँच ज़रूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन घटनाओं की अनदेखी छात्रों, खासकर वंचित और पिछड़े समुदायों के छात्रों, जो शिक्षा और आश्रय के लिए राज्य के समर्थन पर निर्भर हैं, के भविष्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। दुंद्रा कुमारस्वामी द्वारा मानवाधिकार आयोग से घटना की व्यापक और स्वतंत्र जांच, जिसमें किसी भी संभावित साज़िश की जांच शामिल हो।

# सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक : जीएम

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने रेल परिचालन में सुरक्षा बनाए रखने के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता दोहराई है।

सोमवार संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में, रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूरे क्षेत्र के महत्वपूर्ण सुरक्षा पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया और इसमें सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यवाही में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को मानसून के मौसम में सड़क के निचले पुलों (आरयूबी) पर जल जमाव को रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त पंपिंग सिस्टम और जल गेज लगाने पर ज़ोर दिया। लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेटों पर सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की गई, जिसमें संवेदनशील स्थानों पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, कर्मचारियों को परामर्श देने और सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।मानसून के दौरान सुरक्षित और निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए, संवेदनशील पटरियों, पुलों और भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में गहन गश्त अनिवार्य कर दी गई। महाप्रबंधक ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी अधिकारी और कर्मचारी असुरक्षित परिस्थितियों से बचने के लिए पूरी तरह सतर्क रहें। धुआं संसूचक और अग्निशामक यंत्र जैसी अग्नि सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में उपकरण रखने की सलाह दी गई। रेलवे बोर्ड और ज़ोन द्वारा शुरू किए गए सुरक्षा अभियानों का भी मूल्यांकन किया गया, जिसमें ट्रैक सुरक्षा, सिग्नलिंग प्रणाली, यांत्रिक संपत्तियां और मानसून की तैयारी जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

## बाइक दुर्घटना में किशोर की मौत

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला के निकट एक डीसीएम ट्रक से बाइक की टक्कर हो जाने से 19 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई। पीड़ित शिवम कुमार (19), मकदूमनगर निवासी और बिहार का मूल निवासी, दो दोस्तों सूरज और गोलू कुमार के साथ पल्सर बाइक पर आईडीपीएल की ओर जा रहा था।

जीडीमेटला पुलिस ने बताया, सूरज गाड़ी चला रहा था और गोलू कुमार और शिव कुमार पीछे बैठे थे। रास्ते में सूरज की गाड़ी एक डीसीएम से टकरा गई। शिवम कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

## पशु बलि के चौंकाने वाले वीडियो पर एफआईआर

पेटा, मेनका गांधी ने हस्तक्षेप किया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल और वारंगल में पशु बलि के दौरान अत्यधिक क्रूरता दिखाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। पीपल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट एनिमल्स (पेटा) ने सोमवार को कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कुछ लोगों को बकरियों को काटकर और उनकी गर्दन मरोड़कर मारते हुए दिखाया गया है।

जगतियाल जिले के चिन्ना मेटपल्ली गांव और खिला वारंगल के बोदराई के पास पशु बलि के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे थे। इन वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, पेटा इंडिया ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के हस्तक्षेप और स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एसएएफआई) हैदराबाद में क्रूरता निवारण सहायक कोटला श्री विद्या के साथ समन्वय करके जगतियाल के कोरुतला पुलिस स्टेशन और वारंगल के एजे मिल्स कॉलोनी पुलिस स्टेशन में दो एफआईआर दर्ज करने में मदद की। कोरुतला पुलिस ने नीलम राकेश के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और तेलंगाना पशु एवं पक्षी बलि निषेध (टीएबीपीएसपी) अधिनियम की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की, जबकि दूसरी एफआईआर एजे मिल्स कॉलोनी पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दर्ज की। पेटा इंडिया क्रूरता प्रतिक्रिया समन्वयक वीरेंद्र सिंह ने कहा, पेटा इंडिया मेनका गांधी के त्वरित हस्तक्षेप और अटूट समर्थन के लिए उनका बहुत आभारी है, और हम एफआईआर दर्ज करने और यह संदेश देने के लिए तेलंगाना पुलिस की सराहना करते हैं कि पशुओं के प्रति क्रूरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# जन शिकायतों का त्वरित निदान करें : प्रतिमा सिंह

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले की जिला अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रजावाणी में जनता द्वारा प्रस्तुत शिकायतों को उच्च प्राथमिकता दें तथा उनका त्वरित समाधान करें। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने डीआरओ संगीता के साथ अपनी समस्याएं बताने आए लोगों से शिकायतें प्राप्त किए। इस अवसर पर बोलते हुए, अपर कलेक्टर ने कहा कि जन समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले प्रजावाणी कार्यक्रम में विभागों द्वारा प्राप्त शिकायतों के त्वरित समाधान को संबंधित जिला अधिकारी प्राथमिकता दें। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करने तथा समस्याओं को लंबित न रखते हुए उनका समाधान करने के निर्देश दिए। आज आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल (76) शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग-32, अन्य विभाग- 44, कुल 76 आवेदन प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी संगीता, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, नगरपालिका अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्ट्रेट अधीक्षक, संबंधित अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

## कृषिमंत्री ने कपास किसानों के लंबित बिलों का शीघ्र निपटान करने का आदेश दिया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने बीज कंपनियों को जोगुलम्बा गदवाल जिले के कपास किसानों के लंबित भुगतान एक महीने के भीतर निपटाने का निर्देश दिया है। सोमवार को सचिवालय में एक समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री ने बताया कि गडवाल जिले में कपास की खेती लगभग 50,000 एकड़ में होती है। उन्होंने बताया कि कई महीने बीत जाने के बावजूद, जिम्मेदार कंपनियों ने अभी तक इन किसानों के प्रति अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं की हैं। मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि सरकार की प्राथमिक चिंता किसानों की भलाई है और उन्हें होने वाली किसी भी कठिनाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तुम्मला ने स्वीकार किया कि गदवाल जिले के किसान राष्ट्रीय स्तर पर कपास बीज उत्पादन में अग्रणी हैं और यह देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कंपनियों द्वारा इन किसानों को उनके द्वारा उत्पादित और आपूर्ति किए गए बीजों का भुगतान न करने पर निराशा व्यक्त की। मंत्री ने कहा कि उन्हें इस तथ्य की जानकारी दी गई है कि सभी कंपनियों पर किसानों का कुल मिलाकर लगभग 700 करोड़ रुपये बकाया है।

## ट्रांसजेंडरों के लिए मुफ्त डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है बीआरएओयू

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बीआर अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी (बीआरएओयू) ने तेलंगाना भर में सभी ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए मुफ्त स्नातक कार्यक्रमों की घोषणा की है। 10+2 (इंटरमीडिएट या समकक्ष) उत्तीर्ण कोई भी ट्रांसजेंडर व्यक्ति केवल 500 रुपये का एकमुश्त पंजीकरण शुल्क देकर बीआरएओयू के स्नातक पाठ्यक्रमों में शामिल हो सकता है। बीआरएओयू ने कहा कि सभी ट्यूशन फीस पूरी तरह से माफ कर दी जाएगी। विश्वविद्यालय तेलंगाना भर में अध्ययन केंद्रों के माध्यम से निःशुल्क पाठ्यक्रम सामग्री, ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंच और सहायता भी प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय ने कहा कि बीआरएओयू हमेशा से सभी के लिए शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है, तथा जेल के कैदियों और सैन्य परिवारों सहित हाशिए पर पड़े समूहों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है। इस पहल के साथ, बीआरएओयू राज्य का पहला विश्वविद्यालय बन गया है जो ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुफ्त उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है।

छठी पुण्यतिथि

स्वर्गवास 29-7-2019
स्व. श्री पुनारामजी आगलेचा
सुपुत्र : स्व. श्री कसारामजी आगलेचा
(मरुधर में : मुकनपुरा, मारवाड़ जंक्शन)
यादें में केवल आप हो, नयनों में पावन स्वरूप! श्रद्धा-सुमन अर्पित है मन से, सदा रहीं अनुरूप! हम सबकी हार्दिक श्रद्धांजलि
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
स्व.नन्दारामजी-गंगीबाई (बड़े पापा-बड़ी मम्मी), खेतारामजी (बड़े पापा), स्व.कसारामजी-गंगाबाई (माता-पिता), मोतीरामजी-दाकुबाई (काका-काकी), दीपाराम-भँवरीबाई, दिनेश-लीलाबाई (भाई-भाभी), अभिषेक, हितेश (पुत्र), जमकुबाई-नेनारामजी काग, चम्पाबाई-चंद्रगुप्ताजी सोयल (बहन-बहनोई), हेमन्त-ललिता (भतीजा-बहू), पीयूष, अंश (भतीजे), पायल (भतीजी), हंसिका (पौत्री), एवं समस्त आगलेचा परिवार
फर्म : चौधरी पॉल ट्रेडर्स, कवाडीगुडा
श्री भगवती मार्केटिंग, तिरुमलगिरी
लक्ष्मी पैंट्स, इलेक्ट्रिकल्स अंड सैनीटरी, गुंडलापोचमपल्ली, कोमपल्ली
Phone : 9966047492, 9949117817, 9849747343

## जुआ खेलने के आरोप में 7 गिरफ्तार

मंचेरियल, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंदामरी कस्बे के शांतिनगर में प्रतिबंधित जुआ खेलने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सातों के पास से 38,150 रुपये नकद और छह मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस ने कहा कि एक गुप्त सूचना के बाद कट्टा दुर्गा राव, पुदामा शिव, मेकला राज कुमार, कट्टा रमना, थन्नरु रवि, गरिका कुमार और दसारी नरसैया को शिव के आवास पर अपराध करते समय पकड़ा गया। मंदामरी इंस्पेक्टर ने सातों को गिरफ्तार करने के लिए सब-इंस्पेक्टर राजशेखर, एएसआई मिलिंद कुमार, कांस्टेबल राकेश, श्रीनिवास, विष्णुवंत, कृष्णा और चैतन्य की सराहना की।

## डॉक्टरों से पारदर्शिता के लिए क्यूआर कोड प्रदर्शित करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मेडिकल काउंसिल (टीजीएमसी) ने सोमवार को राज्य के डॉक्टरों से आग्रह किया है कि वे स्वेच्छा से अपने कार्यस्थल पर और यहां तक कि अपने पर्चे पर भी विशेष क्यूआर कोड प्रदर्शित करना शुरू करें, जो पंजीकरण के समय काउंसिल द्वारा उन्हें जारी किए जाते हैं। पंजीकृत डॉक्टर की आवश्यक पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करने वाले क्यूआर कोड, टीजीएमसी द्वारा जारी पंजीकरण प्रमाणपत्र पर उपलब्ध होते हैं। परिषद ने पिछले कई महीनों से क्यूआर कोड प्रदान करने की यह प्रथा अपनाई थी।

टीजीएमसी के उपाध्यक्ष डॉ.जी श्रीनिवास कहते हैं, टीजीएमसी द्वारा जारी किए गए प्रत्येक पंजीकरण प्रमाणपत्र में क्यूआर कोड पहले से ही मौजूद हैं। सभी डॉक्टर स्वेच्छा से अपने क्लिनिक बोर्ड या यहां तक कि अपने पर्चे पर भी अपने क्यूआर कोड प्रदर्शित कर सकते हैं। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित करने में काफ़ी मदद मिलती है। यदि आम जनता को किसी डॉक्टर के पंजीकरण का विवरण जानने में रुचि है, तो वे भी टीजीएमसी की वेबसाइट पर जाकर विवरण खोज सकते हैं। डॉ. श्रीनिवास ने बताया, हमारी टीएसएमसी ऑनलाइन वेबसाइट पर डॉक्टर खोजने का विकल्प उपलब्ध है। एक ऐसी सुविधा उपलब्ध है जहां पंजीकरण संख्या के जरिए डॉक्टर का विवरण खोजा जा सकता है। पंजीकरण के दौरान क्यूआर कोड प्रदान करने और टीजीएमसी वेबसाइट पर डॉक्टरों का विवरण डालने का निर्णय परिषद द्वारा तेलंगाना में नीम हकीमों से लड़ने के लिए लिया गया था।

पूर्व तट रेलवे
ATVMs के जरिए अनारक्षित टिकट जारी हेतु फासिलिटेटर की नियुक्ति
सं.WCE/WAT/ATVM Facilitator/NIA/2/2025-2027, दिनांक : 22.07.2025
"ATVM फासिलिटेटर" के रूप में कार्य करने हेतु इच्छुक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी एवं आम जनता से संलग्न प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक को अपनी पसंद के अनुसार स्टेशन का नाम स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए। पात्रता संबंधी आवेदकों को ATVM के माध्यम से टिकटिंग के लिए अनुमति दिया जाएगा।
आवेदन आवश्यक दस्तावेज सहित निर्धारित प्रारूप में विधिवत भरे आवेदन फॉर्म को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, वाल्टेयर मंडल के कार्यालय में जमा करना होगा। ...
आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक 25.08.2025 को 1500 बजे तक है।
स्टेशन का सूची एवं आवश्यक फासिलिटेटर की संख्या: (1) विशाखापट्टनम-20 संख्यक, (2) सिंहाचलम-10 संख्यक, (3)दुव्वाडा-07 संख्यक, (4)विजयनगरम-06 संख्यक, (5)कोत्तवलसा-04 संख्यक, (6) चिपुरुपल्ली-04 संख्यक, (7)श्रीकाकुलम रोड-14 संख्यक, (8)रायगड़ा-10 संख्यक, (9) टिटलागढ़-03 संख्यक, (10)कोटाबोमाली-02 संख्यक, (11)नौपाड़ा-06 संख्यक, (12) गुणुपुर-04 संख्यक, (13)बोब्बिलि-05 संख्यक, (14) पार्वतीपुरम-06 संख्यक, (15)पार्वतीपुरम टाउन-03 संख्यक, (16)जेयपुर-02 संख्यक, (17) अरकु-02 संख्यक, (18)पालासा/मंदसा-04 संख्यक, (19)पोण्डूरू-01 संख्यक = कुल 113 संख्यक।
स्टेशन का वर्ग : NSG-1 (क्रम सं.1 हेतु), NSG-4 (क्रम सं.2, 13 एवं 17 हेतु), NSG-5 (क्रम सं.3,5,6,9,10,11,12,14,15,16,18 एवं 19 हेतु), NSG-3 (क्रम सं.4,7 एवं 8 हेतु)।
आवेदन फॉर्म एवं योजना की अन्य नियम एवं शर्ते वेबसाइट www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in में उपलब्ध है।
PR-404/Q/25-26
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टेयर

*अवसानेश्वर मंदिर में भगदड़*

# सीएम योगी ने तलब की रिपोर्ट, कमिश्नर-आईजी व राज्यमंत्री ने मौका मुआयना कर लिया जायजा

बाराबंकी, 28 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के बाराबंकी में अवसानेश्वर महादेव मंदिर में रविवार की आधी रात टिनशेड के पोल में करंट आने से भगदड़ मचने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि, 38 घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेकर जांच रिपोर्ट तलब की है। इसके बाद अयोध्या मंडल के कमिश्नर गौरव दयाल और आईजी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने डीएम-एसपी के साथ घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी ली। उन्होंने घटना के समय मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से बात की। मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने भी घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में घायलों से मुलाकात करके उनका हाल जाना। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है। मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता दने का आश्वासन दिया। घायलों का समुचित इलाज करने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से मौके की निगरानी बढ़ा दी गई है। व्यवस्थाओं की पुनः समीक्षा की जा रही है। सावन के तीसरे सोमवार को भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर में आधी रात से ही भीड़ लगी थी। गोमती नदी में स्नान करके श्रद्धालु 12 बजे से ही मंदिर की तरफ बढ़ते गए और लाइन लगती गई। मंदिर परिसर और बाहर का क्षेत्र श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भर गया। आधी रात 1.30 बजे मंदिर के कपाट खुले तो श्रद्धालु बम बम भोले के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ने लगे।

**भीड़ अधिक होने से भगदड़ की स्थिति बन गई**

करीब आधे घंटे बाद लगभग 2.00 बजे मंदिर के बाहर गैलरी में लगे टिन शेड के पोल में करंट उतर गया। झटका लगा तो श्रद्धालु बचाव के लिए पोल से दूर भागने लगे। भीड़ अधिक होने के कारण कुछ ही देर में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

सूचना पर पुलिस-प्रशासन राहत बचाव में जुटा। लोगों को समझाकर शांत किया जाता, तब तक अफरातफरी बढ़ गई थी। पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाना शुरू किया। सभी को सीएचसी हैदरगढ़ और त्रिवेदीगंज भेजा गया।

वहां डॉक्टरों और स्टाफ ने तत्काल इलाज शुरू किया। त्रिवेदीगंज सीएचसी में लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुर निवासी प्रशांत (22) और एक अन्य युवक की मौत हो गई। बाकी 38 घायलों में से सात की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है।

## ईडी कोर्ट में पेश किया गया धर्मांतरण का आरोपी छांगुर, पांच दिन की हिरासत में लिया गया

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अवैध धर्मांतरण का आरोपी छांगुर उर्फ जमालुद्दीन को सोमवार को ईडी कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे ईडी ने पांच दिन की हिरासत में लिया है। छांगुर के खिलाफ जांच जारी है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार छांगुर का गिरोह राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भी जुटा था। देश भर में अपने अवैध कारनामों का जाल बुना था। इसमें तीन हजार से अधिक लोगों को शामिल किया था।

छांगुर के कई राज तो सामने आ चुके हैं, लेकिन उसके देश के संदिग्ध या प्रतिबंधित संस्थाओं से ताल्लुक की छानबीन हो रही है। छांगुर ने दुबई, सऊदी, तुर्की जैसे देशों में अपनी पहुंच बनाई थी। इससे माना जा रहा है कि उसके सबंध उन संस्थाओं से भी रहे हैं कि जो देश में अशांति फैला रही हैं। देश में छांगुर का नाम सर्वाधिक धर्मांतरण कराने में दर्ज हो चुका है।

*वैशाली में बना बुद्ध सम्यक दर्शन स्मृति स्तूप*

# आज होगा उद्घाटन समारोह, सीएम नीतीश कुमार बोले 'सुखद अनुभूति'

वैशाली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का उद्घाटन 29 जुलाई को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस बात की जानकारी सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी। इस समारोह में दुनिया भर के करीब 15 देशों के बौद्ध धर्मावलंबी और भिक्षु बिहार पहुंच रहे हैं। 72 एकड़ भूमि पर इस भव्य स्तूप का निर्माण राजस्थान के गुलाबी पत्थरों से किया गया है।

सीएम नीतीश कुमार ने इस उद्घाटन समारोह को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का 29 जुलाई को लोकार्पण होने जा रहा है। इस लोकार्पण समारोह में दुनिया भर के करीब 15 देशों के बौद्ध धर्मावलंबी और बौद्ध भिक्षु बिहार आ रहे हैं। यह हम सभी बिहारवासियों के लिए गौरव का क्षण होगा। मैंने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य का लगातार निरीक्षण किया ताकि निर्माण कार्य विशिष्ट ढंग से जल्द से जल्द पूर्ण हो सके। 72 एकड़ भूमि पर इस भव्य स्तूप का निर्माण राजस्थान के गुलाबी पत्थरों से किया गया है। इस परिसर का स्वरूप पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी काफी अच्छा बनाया गया है ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को सुखद अनुभूति हो।" बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के प्रथम तल पर भगवान बुद्ध का पावन अस्थि कलश स्थापित किया गया है, जो स्मारक का प्रमुख केंद्र बिंदु होगा। भगवान बुद्ध का अस्थि अवशेष 6 जगहों से प्राप्त हुआ, जिसमें वैशाली के मड स्तूप से जो अस्थि अवशेष मिले वह सबसे प्रामाणिक है जिसका जिक्र चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी अपनी पुस्तक में किया है। वैशाली ऐतिहासिक और पौराणिक भूमि है, जिसने दुनिया को पहला गणतंत्र दिया। यह नारी सशक्तीकरण की भी भूमि रही है। बौद्ध धर्मावलंबियों के संघ में पहली बार यहां महिलाओं को शामिल किया गया। यह स्तूप बिहार की सांस्कृतिक धरोहर और वैश्विक बौद्ध विरासत का भव्य प्रतीक है। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप न केवल वैशाली को वैश्विक बौद्ध मानचित्र पर प्रतिष्ठित करेगा बल्कि पर्यटन, संस्कृति और रोजगार को भी नई दिशा देगा।

## कुख्यात अपराधी डब्लू यादव ढेर, बिहार पुलिस ने घोषित किया था 50 हजार का इनाम

हापुड़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सिंभावली पुलिस, नोएडा एसटीएफ और बिहार एसटीएफ के देर रात साझा ऑपरेशन में 50 हजार के इनामी बदमाश डब्लू यादव उर्फ सूरज यादव को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। बदमाश के पास से पुलिस ने एक बाइक, कार्बाइन तथा तमंचा बरामद किया है। बदमाश के खिलाफ करीब दो दर्जन से अधिक संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

वह पिछले काफी समय से फरार चल रहा था। विभिन्न जनपदों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि रविवार की दिन रात को सिंभावली पुलिस क्षेत्र में गस्त कर रही थी। इसी दौरान यूपी नोएडा की एसटीएफ और बिहार की एसटीएफ टीम द्वारा थाने पर आकर सूचना दी गई की बिहार के जनपद बेगूसराय के थाना साहेबपुर कमाल के गांव ज्ञानडोल निवासी डब्लू यादव पुत्र सूर्य नारायण यादव उर्फ सूरज यादव क्षेत्र में किसी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के लिए घूम रहा है। उस पर 50 हजार का इनाम भी घोषित है। टीम द्वारा दी गई सूचना पर पुलिस ने बक्सर मध्य गंगा नहर पटरी पर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी।

इसी दौरान सामने से बाइक पर आए संदिग्ध को पुलिस ने रोकने का इशारा किया तो आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में पुलिस ने अपना बचाव किया तो आरोपी बाइक को छोड़कर जंगल की ओर भागने लगा। पुलिस ने पीछा करते हुए उसको रोकने का इशारा किया तो उसने दोबारा फायरिंग कर दी, जिसमें थाना प्रभारी सुमित कुमार बाल-बाल बच गए।

*सपा प्रमुख अखिलेश यादव का सवाल*

# आतंकी हमलों को रोकने के लिए क्या कर रही सरकार?

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले, भारत की विदेश नीति और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए आतंकवाद, विदेश नीति की असफलता और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

चिंदबरम के बयान पर अखिलेश ने पत्रकारों से बातचीत में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सरकार से जवाब मांगा और कहा कि इस हमले में शामिल आतंकियों की सटीक जानकारी जनता को नहीं दी गई। दरअसल, चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सवाल उठाए कि क्या हमले में शामिल आतंकी वाकई पाकिस्तान से आए थे? क्या इस बात के सबूत हैं? उन्होंने यह भी कहा कि हमले में घरेलू आतंकी भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार आतंकी घटनाएं होना सरकार की नाकामी को दर्शाता है। अखिलेश ने पूछा, "पिछले हमलों में शहीद हुए जवानों के बारे में भी पूरी जानकारी क्यों नहीं दी गई? आतंकवाद को रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है?"

अखिलेश ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना की बहादुरी की सराहना की और कहा, "हम सेना के साहस और पराक्रम को सलाम करते हैं। अगर उन्हें और मौका मिलता, तो शायद पीओके भी हमारे पास होता। पहलगाम हमले के बाद भारत ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ सभी रिश्ते खत्म हो जाएंगे, लेकिन एशिया कप में दोनों देशों के बीच फिर से क्रिकेट मैच होने पर अखिलेश ने विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा, "हमारी विदेश नीति असफल रही है। भारत का सम्मान कई देश करते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कोई हमारे साथ खड़ा नहीं होता।" उन्होंने चीन के साथ व्यापार पर भी सवाल उठाए और कहा, "भारत चीन को इतना व्यापार दे रहा है, फिर भी हमारी सीमाओं पर खतरा बरकरार है।

सरकार को 10 साल का कार्यक्रम बनाना चाहिए, जिसमें चीन का सामान भारत में न आए। जैसे नोटबंदी और कोविड में थाली बजाने जैसे अभियान चले, वैसे ही स्वदेशी को बढ़ावा देने का अभियान शुरू हो।" उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा, "सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड कोई उपलब्धि नहीं है। अगर काम न करने का रिकॉर्ड बनता, तो योगी जी पहले नंबर पर होते।"

उन्होंने डबल इंजन की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, "लखनऊ से दिल्ली तक कोई सुरंग खोद रहा है। लेकिन, जनता को इसका पता नहीं। विकास के नाम पर सिर्फ दिखावा हो रहा है।" अखिलेश ने जनता से जागरूक रहने और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने की अपील की। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान से खतरा है, लेकिन असली खतरा चीन से है। सरकार को इस पर ठोस कदम उठाने चाहिए।" पहलगाम हमले और आतंकवाद के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा कि सरकार को पारदर्शिता दिखानी होगी। जनता को सच जानने का हक है। आतंकी हमलों को रोकने और जवानों की शहादत पर स्पष्ट जवाब देना सरकार की जिम्मेदारी है।

## 'जानवरों की तरह पीटता है पति'

**इसलिए दे रही हूं जान-इंस्टा पर वीडियो डाल सिपाही की पत्नी ने की खुदकुशी**

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ में इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बीकेटी थाने में तैनात सिपाही अनुराग सिंह की पत्नी सौम्या कश्यप (25) ने रविवार दोपहर खुदकुशी कर ली। वीडियो में सौम्या ने पति, नंनदोई, जेठ व अन्य ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, जानवरों की तरह पीटने और आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।

मैनपुरी के किशुनी जगदीशपुर गांव निवासी अनुराग सिंह यूपी पुलिस में सिपाही है और बीकेटी थाने में तैनात है। उसने मैनपुरी अलीपुर खेड़ा के भूगांव की रहने वाली सौम्या से नौ जनवरी को मंदिर में शादी की थी। अनुराग सिंह दिसंबर 2024 से बीकेटी थाने के पास मामपुर बाना स्थित लालता सिंह के मकान में किराये पर रहता है। सौम्या कुछ समय पहले ही मायके से अनुराग के साथ रहने आई थीं। रविवार दोपहर करीब 12 बजे सौम्या ने कमरे में लगे पंखे से दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर जान दे दी।

इंस्टाग्राम वीडियो देख आत्महत्या का पता चला

सौम्या ने आत्महत्या करने से पहले इंस्टाग्राम पर दो वीडियो पोस्ट किए थे। पहला वीडियो रविवार सुबह करीब नौ बजे के आसपास का है। वीडियो में बॉलीवुड फिल्म का एक गाना बज रहा था और सौम्या शरीर पर लगे चोट के निशान दिखा रही थीं। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे सौम्या ने दूसरा वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने पति अनुराग पर दहेज के लिए मारपीट करने, अनुराग के बहनोई व जेठ पर उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। वीडियो में सौम्या ने यह भी कहा कि ससुराल वाले अनुराग की दूसरी शादी कराना चाहते हैं। सौम्या का यह वीडियो देख बीकेटी पुलिस उनके कमरे पर पहुंची तो उनका शव फंदे से लटका मिला। छानबीन के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया।

# 'हर हाल में महुआ से ही लड़ेंगे चुनाव'

**तेज प्रताप यादव बोले; भाई तेजस्वी को बताया 'अर्जुन'**

मुज्जफरपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव रविवार देर शाम मुजफ्फरपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कांवरिया सेवा शिविर में हिस्सा लिया और बाद में एक निजी कार्यक्रम में भी शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने हाथों में राधा-कृष्ण की तस्वीर दिखाते हुए श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं में उन्हें देखने के लिए काफी उत्साह देखने को मिला।

तेज प्रताप यादव ने स्पष्ट कहा कि वे विधानसभा चुनाव महुआ से ही लड़ेंगे और इसके लिए किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं पहले ही कह चुका हूं कि महुआ से ही चुनाव लड़ूंगा। यह मेरा प्रण है और इसमें कोई किंतु-परंतु नहीं है। महुआ की जनता मुझे चाहती है और मैं जनता के बीच काम करता हूं।

**सावन में शिवभक्ति, संगठन और चुनाव की चर्चा**

तेज प्रताप यादव ने कहा कि अभी सावन का पावन महीना चल रहा है। सभी लोग शिवभक्ति में लीन हैं। मुझे भी कांवरिया सेवा शिविर में आमंत्रित किया गया था, इसलिए यहां आया हूं। साथ ही संगठन की मजबूती को लेकर भी बातचीत हुई है। चुनाव का समय है और संगठन मजबूत रहेगा, तभी हम चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। अपने छोटे भाई और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को लेकर तेज प्रताप ने कहा कि तेजस्वी मेरे छोटे भाई हैं और मैंने ही उन्हें अर्जुन कहा था। वह अर्जुन की तरह काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। हमारे बीच किसी भी तरह का कोई विवाद नहीं है। तेज प्रताप यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा हमारे बीच फूट डालने की साजिश कर रही है। वे आपसी संबंधों में दरार दिखाना चाहते हैं, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। सब कुछ ठीक है। अगर बीजेपी मैदान में आएगी, तो हम भी तैयार हैं और उन्हें हराएंगे।

## प्रेमिका के पिता ने किशोर की चाकू मारकर की हत्या

सुलतानपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुलतानपुर में रविवार देर रात दोस्त के साथ प्रेमिका से मिलने गए 16 वर्षीय किशोर की लड़की के पिता ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पहले प्रेमी पर हमला किया उसे बचाने आए उसके दोस्त को चाकू लग गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपी पिता को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रेमी कुणाल अपने दो दोस्तों संजय निषाद और बाबूखान के साथ प्रेमिका से मिलने गांव के बाहर नहर किनारे पहुंचा था। इसी दौरान लड़की के परिवार को इसकी भनक लग गई। गुस्से में तमतमाए प्रेमिका के पिता घनश्याम हरिजन ने कच्ची सड़क पर तीनों लड़कों पर चाकू से हमला बोल दिया।

# ऐशन्या बोलीं-चिदंबरम जी आपके शब्द बहुत दुख दे रहे

**पहलगाम हमला मुद्दा नहीं, दर्द है; भारत-पाक मैच पर बीसीसीआई शर्म करे**

कानपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या कांग्रेस नेता पी चिदंबरम पर भड़क गईं। उन्होंने कहा- मैं इन लोगों की मानसिक स्थिति को नहीं समझ पाती हूं। अपने देश में इतनी बड़ी घटना हुई। आप एक हिंदुस्तानी बनकर नहीं सोच पा रहे। आप इसको एक राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं। ये कोई मुद्दा नहीं है, एक दर्द है। ये दर्द हम 26 लोगों का है, जिसे एक राष्ट्रीय दर्द होना चाहिए। जब ये घटना हुई थी, तब कई नेता हमसे मिलने आए थे। राहुल गांधी भी आए थे।

वे महसूस कर रहे थे कि हम आतंकवादी हमले को झेल करके आए हैं। वे हमारे साथ खड़े थे और उन्हीं के नेता इस प्रकार की बात कर रहे हैं। पी. चिदंबरम जी आपके ये शब्द बहुत दुख दे रहे हैं। इस घटना से कितने घर रोए हैं। ऐसे स्टेटमेंट देकर आप उनके इमोशन को वैल्यूलेस कर रहे हो।

# आपराधिक घटनाएं

## मथुरा में 6 साल की बच्ची की लाश मिली

मथुरा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मथुरा में मां के पास सो रही 6 साल की बच्ची शनिवार रात गायब हो गई थी। करीब 31 घंटे बाद बच्ची का शव पानी भरे गड्ढे में मिला है। कोसीकलां थाना के नंदगांव रोड स्थित सर्विस रोड पर झुग्गी में परिवार के साथ बच्ची सोई थी। शनिवार रात 2 बजे मां जागी तो बच्ची गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी बच्ची का सुराग नहीं मिला। सोमवार सुबह 9 बजे बच्ची की लाश झोपड़ी से लगभग 20 मीटर दूर पानी भरे गड्ढे में उतराया मिला। सुबह टॉयलेट के लिए गए एक व्यक्ति ने शव देखा, फिर पुलिस बुलाई। पुलिस ने शव को निकलवा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कुछ साल पहले यहां से पीडब्ल्यूडी ने मिट्टी निकाली थी। इस वजह से गड्ढा हो गया था। बरसात में इस गड्ढे में पानी भर गया। कोसीकलां थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया- अभी ऐसा लग रहा कि रात में बच्ची टॉयलेट के लिए उठी होगी, तभी उसका पैर फिसल गया होगा। डूबने से उसकी मौत हो गई।

## विधायक और समर्थकों ने मंडी सचिव को पीटा

**सरेआम भाजपा नेताओं की गुंडागर्दी.. रोते हुए डीएम के पास पहुंचे मंडी सचिव**

मुरादाबाद, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मुरादाबाद में भाजपा के शहर विधायक रितेश गुप्ता और उनके समर्थकों पर मंडी सचिव संजीव कुमार के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। मंडी सचिव ने बताया- शहर विधायक ने आज फोन करके मुझे गालियां देते हुए बोले- अभी आधे घंटे में आकर तुझे सबक सिखाता हूं। इसके बाद अपने समर्थकों के साथ मेरे कार्यालय में आकर मुझसे हाथापाई शुरू कर दी। मेरे कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। कुर्सियां फेंक दी और कांच तोड़ दिया। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने इस मामले में कहा- मंडी समिति के सचिव और कर्मचारी मेरे सामने पेश हुए थे। उन्होंने कुछ लोगों द्वारा हाथापाई करने की शिकायत की है। मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रकरण में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## पत्नी की हत्या कर पति ने लगाई फांसी

मलिहाबाद, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ के माल इलाके में पत्नी की ईंट से कूचकर हत्या करने वाले युवक ने सुसाइड कर लिया। सोमवार सुबह उसका शव आम के पेड़ से बंधे फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। रविवार को पत्नी की हत्या करने के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। मामला माल थाना क्षेत्र के पकरा गांव का है। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

## ग्रेटर नोएडा में पिता ने की बेटी की हत्या

बुद्ध नगर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में एक पिता ने अपनी इकलौती बेटी की हत्या कर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर के जिस कमरे में बेटी जमीन पर सो रही थी, उसी कमरे में पिता ने पहले बेटी को मारा। फिर कमरे की छत पर लगे पंखे से लटक खुद सुसाइड किया। दूसरे कमरे में सोए मां-बेटे जब उठे, तो उनके होश ही उड़ गए। दोनों चीख पड़े। आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

## कुत्ते का आवासीय प्रमाण पत्र जारी

**पिता का नाम कुत्ता बाबू, मां का नाम कुतिया देवी लिखा; डीएम ने दिए जांच के आदेश**

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पटना के मसौढ़ी में एक कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है। मामला सामने आने के बाद पटना के वरिष्ठ अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। सर्टिफिकेट में नाम डॉग बाबू लिखा है। पिता का नाम कुत्ता बाबू और मां का नाम कुतिया देवी लिखा है। पटना के डीएम त्याग राजन ने सोमवार को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने मसौढ़ी अनुमंडल के अनुमंडलाधिकारी को जांच का जिम्मा सौंपा है। जिलाधिकारी ने 24 घंटे के अंदर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मसौढ़ी अनुमंडलाधिकारी ने बताया कि किसी ने फर्जी तरीके से आवेदन कराया है। उन्होंने कहा कि वे इसकी गहराई से जांच कर रहे हैं। प्रमाण पत्र की स्थिति देखने पर यह रिजेक्ट दिखा रहा है, जबकि इसे आवेदन करते वक्त ही रिजेक्ट कर दिया जाना चाहिए था। जिलाधिकारी ने सोमवार को X पर बताया कि 'मसौढ़ी अंचल में 'डॉग बाबू' के नाम से रेजिडेंशियल सर्टिफिकेट जारी हुआ है।

# पटना एम्स में डॉक्टरों की ड्यूटी का नया रोस्टर जारी

**36 के बजाय 8 घंटे की होगी शिफ्ट, जूनियर डॉ की मौत के बाद प्रशासन का फैसला**

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पटना एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने डॉक्टरों के लिए नया ड्यूटी रोस्टर जारी किया है। अब जूनियर डॉक्टरों को 36 घंटे की लंबी शिफ्ट के बजाय सिर्फ 8 घंटे की ड्यूटी करनी होगी। यह बदलाव एम्स के एमएस प्रथम वर्ष के डॉक्टर यदुवंश साहू की दुखद मौत के बाद छात्रों की मांग पर किया गया है। नए रोस्टर के अनुसार, डॉक्टरों की ड्यूटी सुबह 9 से शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। विभाग की प्रमुख डॉक्टर मुक्त अग्रवाल के तैयार किए गए इस रोस्टर में ओपीडी वार्ड, इलेक्ट्रिक ओटी, माइनर ओटी और लेबर रूम के लिए अलग-अलग डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। ओपीडी में डॉक्टर पूजा, डॉक्टर प्रीति, डॉक्टर दिव्या, डॉक्टर सुशील और डॉक्टर निधि को तैनात किया गया है। वार्ड में डॉक्टर वरसानी, डॉक्टर एलीना, डॉक्टर पूर्णिमा, डॉक्टर गरिमा और डॉक्टर प्रिया की ड्यूटी लगाई गई है। इलेक्ट्रिक ओटी में डॉक्टर सुप्रिया, डॉक्टर किशोरी, डॉक्टर प्रगति, डॉक्टर आकांक्षा और डॉक्टर निकिता नव्या को नियुक्त किया गया है। माइनर ओटी के लिए डॉक्टर मुस्कान और डॉक्टर इरम को जिम्मेदारी दी गई है। लेबर रूम के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। टीम ए में डॉक्टर रणवीर, डॉक्टर एनम और डॉक्टर चीचीव शामिल हैं। टीम बी में डॉक्टर अंजली, डॉक्टर हीरा और डॉक्टर मोनिका हैं। टीम सी में डॉक्टर आकांक्षा, डॉक्टर लादिया और डॉक्टर सेजल को रखा गया है।

**एक टीम छुट्टी पर रहेगी**

इस व्यवस्था के तहत, अगर टीम ए को सुबह की शिफ्ट और टीम बी को रात की शिफ्ट मिलती है, तो टीम सी को उस दिन छुट्टी दी जाएगी। यह नया रोस्टर जूनियर डॉक्टरों के कार्य के बोझ को कम करने और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। कई मेडिकल छात्रों एवं जूनियर डॉक्टरों का यह मानना है कि यह रोस्टर तो बनाया गया है लेकिन रोस्टर का इंप्लीमेंट लगातार होनी चाहिए। दरअसल, 19 जुलाई को उड़ीसा के जूनियर डॉक्टर यदुवेंदु साहू ने 36-36 घंटे ड्यूटी और मानसिक रूप से परेशान होकर एम्स के छात्रावास में आत्महत्या कर ली थी।

# फडणवीस बोले–चुनाव से पहले झूठी कहानियां गढ़ रहा विपक्ष

> विकास के मुद्दों पर नहीं कर सकता मुकाबला

वर्धा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि जैसे ही चुनावी करीब आते हैं, विपक्ष दल झूठ और गलत जानकारी फैलाने का अभियान शुरू कर देते हैं, क्योंकि वे सरकार के विकास कार्यों का मुकाबला नहीं कर सकते। फडणवीस वर्धा के विदर्भ क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

**'2014 के बाद हमने हर शहर का चेहरा बदल दिया'**

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र विशेष लोक सुरक्षा विधेयक की आलोचना करने वाले 99 फीसदी लोगों ने उसे पढ़ा ही नहीं है, फिर भी वे उसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 2014 के बाद से हमने हर शहर का चेहरा बदल दिया है। हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे विरोधी विकास के मुद्दे पर हमारे सामने टिक नहीं सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो विकास हुआ है, उसका वे मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए वे रोज झूठी कहानी गढ़ते हैं और गलत जानकारी फैलाते हैं।

**'विकास से जुड़ी बातों पर बहस नहीं करना चाहता विपक्ष'**

मुख्यमंत्री ने कहा, विपक्ष विकास से जुड़ी बातों पर बहस नहीं करना चाहता, क्योंकि उसे मालूम है कि अगर ऐसा हुआ तो जनता उनसे सवाल पूछेगी कि जब वे सत्ता में थे तब उन्होंने क्या किया। उन्होंने महाराष्ट्र विशेष लोक सुरक्षा विधेयक का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्ष इसे असांविधानिक और लोगों की आवाज दबाने वाला विधेयक बता रहा है, जबकि हकीकत इसके विपरीत है।

**'अर्बन नक्सलियों के लिए लाया गया विधेयक'**

फडणवीस ने बताया, इस विधेयक को लेकर सरकार ने सभी दलों के नेताओं को शामिल करते हुए एक समिति बनाई थी। चर्चा केबाद इसे सर्वसम्मति से विधानसभा में पारित किया गया। लेकिन बाद में कुछ विपक्षी नेताओं को हाईकमान से आदेश मिले और उन्होंने इस विधेयक के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक अर्बन नक्सलियों और उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए लाया गया है, जो अराजकता फैलाने और संविधान के खिलाफ लोगों को भड़काने की कोशिश करते हैं।

**'विरोध करने वाले 99 फीसदी लोगों ने विधेयक नहीं पढ़ा'**

उन्होंने आगे कहा, जब ऐसे विधेयकों की वजह से दूसरे राज्यों में अर्बन नक्सलियों पर प्रतिबंध लगा, तो वे महाराष्ट्र को अपना केंद्र बनाने लगे। मैं दावा कर सकता हूं कि जिन लोगों ने इस विधेयक के खिलाफ बोला है, उनमें से 99 फीसदी लोगों ने इसे पढ़ा ही नहीं है। फिर भी वे झूठी गढ़ रहे हैं और वे स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ऐसा करते रहेंगे।

फडणवीस ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान भी विपक्ष ने अफवाह उड़ाई कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है, लेकिन नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों में वे इसी तरह गलत जानकारी नहीं फैला पाए और भाजपा गठबंधन को बड़ी जीत मिली। मुख्यमंत्री ने कहा, विपक्ष विकास कार्यों पर चर्चा नहीं करना चाहता, इसलिए अब भाषा, जाति जैसे मुद्दों को उठाएगा। आने वाले महीनों में वे ऐसी कहानियां लेकर आएंगे, जिनका जनता की प्रगति से कोई लेना-देना नहीं है।

## एकनाथ खड़से के दामाद की गिरफ्तारी पर संजय राउत का दावा

**प्रांजल पर की गई कार्रवाई संदिग्ध**

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खड़से के दामाद प्रांजल खेवलकर को रेव पार्टी से गिरफ्तार किए जाने पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी संदिग्ध है। एकनाथ खड़से के परिवार को भाजपा नेता गिरीश महाजन का नाम हनी ट्रैप कांड से जोड़ने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के परिवार के सदस्यों को निशाना बना रही है और उन्हें बदनाम कर रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री के घर पर कार्रवाई उनका मुंह बंद करने के लिए की गई है। यह पूरा मामला संदिग्ध है। खड़से पिछले तीन दिन से हनी ट्रैप की बात कर रहे हैं। वह इसमें राज्य के कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन की संलिप्तता की बात कर रहे हैं, लेकिन इससे संबंधित कोई जांच नहीं हो रही है। अब जब खड़से बात कर रहे हैं तो उनके दामाद को गिरफ्तार कर लिया गया है।

# वोटर वेरिफिकेशन-65 लाख लोगों के नाम कटेंगे

> हर विधानसभा से औसतन 26000 नाम कटेंगे
> 2020 में 189 सीटों पर इससे कम वोटों से हुई थी हार-जीत

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। 1 अगस्त को जारी होने वाली वोटर ड्राफ्ट लिस्ट में करीब 65 लाख लोगों का नाम नहीं होगा। इस तरह अगर औसत निकालें तो 243 विधानसभा सीटों पर हर विधानसभा से करीब 26 हजार वोटर का नाम नहीं मिलेगा। चुनाव आयोग ने कहा है, '25 जुलाई को बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) यानी वोटर वेरिफिकेशन के पहले चरण का काम पूरा हो गया है। इसमें 65 लाख लोग अपने पते पर नहीं मिले। इसलिए उनका नाम नहीं होगा।'

हालांकि, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि अगर किसी योग्य मतदाता का नाम सूची से छूट गया हो या किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम गलती से जुड़ गया हो तो 1 अगस्त से 1 सितंबर तक आपत्ति या दावा कर सकता है। उसका नाम जोड़ा या हटाया जा सकेगा। मंडे स्पेशल में पढ़िए, हर विधानसभा में इतने वोट का क्या इम्पैक्ट पड़ सकता है और पिछले चुनाव में इससे कम वोट से कितनी सीटों पर हार जीत हुई थी?

**189 सीट पर 26 हजार से कम वोटों से हुई थी जीत-हार**

चुनाव आयोग के मुताबिक, 65 लाख लोग अपने पते पर नहीं मिले हैं। अगर उनका नाम फाइनल लिस्ट में भी शामिल नहीं किया गया तो बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से हर सीट पर 26 हजार 748 नाम हटेंगे। इसका असर विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है, क्योंकि जीत-हार का अंतर काफी कम होता है। 2020 विधानसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो 26 हजार 400 से कम वोटों से 243 में से 189 विधानसभा सीटों पर जीत-हार तय हुआ था। इसमें से एनडीए 99 और महागठबंधन 85 सीटों पर जीता था। एक-एक सीट लोजपा, बसपा और निर्दलीय तथा दो सीट एआईएमआईएम जीती थी।

बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया, 'जिन वोटर्स का नाम छूट जाएगा। उनको एक और मौका मिलेगा। उन्हें फॉर्म 6 भरना होगा। साथ ही एक डिक्लेरेशन और डॉक्यूमेंट देना होगा।' इसके अलावा, वे प्रिंटेड फॉर्म भरकर या तो परिवार के ज़रिए बीएलओ को सौंप सकते हैं या वॉट्सऐप के माध्यम से भेज सकते हैं। फॉर्म-6 क्या हैः फॉर्म 6 एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करने के लिए भरना पड़ता है।

**जीत की ट्रॉफी सिर्फ पीओके, क्रिकेट मैदान में नहीं**

# एलओसी पर हो पाकिस्तान से मुकाबला : अभिषेक

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 में होने वाले मुकाबले को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान से कोई मुकाबला होगा, तो वह केवल लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर हो और पीओके ही वह एकमात्र 'ट्रॉफी' हो, जिसे हम हासिल करना चाहते हैं। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत को किसी भी क्षेत्र में पाकिस्तान से कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। पाकिस्तान के साथ हमारा एकमात्र संबंध युद्ध के मैदान में होना चाहिए, और पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) वापस लेना ही एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा, दशकों से पाकिस्तान ने हमारे देश में आतंक फैलाया है, आतंकवाद को बढ़ावा दिया है, और अनगिनत भारतीयों की जान ली है। इसके बावजूद, समय-समय पर 'खेल को राजनीति से अलग रखने' की बातें उठती हैं, लेकिन यह अब बंद होना चाहिए। जब कोई देश आतंकवाद के जरिए हमारे नागरिकों और सैनिकों का खून बहाता है, तब कोई 'तटस्थ मैदान' नहीं होता। क्रिकेट की कोई पिच हमारे शहीदों के खून को धो नहीं सकती। हमारा तिरंगा क्रिकेट के बल्ले और गेंद से नहीं, बल्कि हमारे सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और शौर्य के कारण ऊंचा लहराता है। अभिषेक बनर्जी ने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा, हम अपने क्रिकेटरों का सम्मान करते हैं और खेल को प्यार करते हैं, लेकिन एक राष्ट्र के रूप में हम अपने सैनिकों को सर्वोच्च सम्मान देते हैं।

*नितेश राणे ने कसा तंज-दिल भाजपा में*

# रोहित पवार का पलटवार; कहा–जो खुद कीचड़ में फंसा हो, उसे दूसरों के बारे नहीं बोलना चाहिये

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति बयानबाजी अपने चरम पर है। इसी बीच फडणवीस सरकार में मंत्री नितेश राणे और इन दिनों लगातार चर्चा में चल रहे शरद गुट के एनसीपी विधायक रोहित पवार के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है।

जहां मंत्री राणे ने एनसीपी विधायक पर तंज कसते हुए कहा कि विधायक रोहित पवार का झुकाव भाजपा की ओर है और वह भाजपा नेताओं के संपर्क में थे। हालांकि राणे के इस बयान पर एनसीपी (एसपी) नेता ने भी जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जो खुद कीचड़ में फंसा हो उसे दूसरो पर बात नहीं करनी चाहिए।

**'दिल से भाजाप के साथ है रोहित'**

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे पहले रोहित पवार पर तंज कसते हुए कहा कि रोहित पवार 2019 में भाजपा में शामिल होने वाले थे। अगर हमने ये बताना शुरू कर दिया कि वो किन-किन भाजपा नेताओं के संपर्क में थे, तो उन्हें चेहरा छिपाने की जगह नहीं मिलेगी। वह भले ही शरीर से शरद पवार के साथ हों, लेकिन उनका दिल भाजपा के साथ है।

**रोहित पवार ने दिया करारा जवाब**

राणे के इस तंज पर विधायक और शरद पवार के ग्रैंड-भतीजे रोहित पवार ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जो खुद कीचड़ में फंसा हो, उसे दूसरों पर बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नितेश राणे जब कांग्रेस में थे और उनसे पार्टी बदलने को लेकर सवाल पूछा गया था, तो खुद गुस्से में आग बबूला हो गए थे। वो जैसे कपड़े बदलते हैं, वैसे ही पार्टियां बदलते हैं। रोहित ने आगे कहा कि वो राजनीति में शुरुआत से ही एक ही पार्टी के साथ हैं। साथ ही पवार ने नितेश राणे को आईना देखने की सलाह दी।

**समझिए एनसीपी का समीकरण**

बता दें कि बीते साल 2023 में शरद पवार की पार्टी एनसीपी का विभाजन हुआ था। अजीत पवार ने कई विधायकों के साथ भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल होकर अलग गुट बना लिया था। चुनाव आयोग ने अजीत पवार गुट को असली एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न दिया, जबकि शरद पवार गुट को नया नाम एनसीपी (शरदचंद्र पवार) मिला।

## दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 25 लाख का एक पेड

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के वीआईपी एंट्री गेट पर एक ऐसा पेड़ लगा है जिसकी कीमत 25 लाख रुपये होने का दावा किया जा रहा है। यह अनोखा पेड़ थाईलैंड से इम्पोर्ट किया गया है, जो एक विदेशी किस्म का है। ये पेड़ देखने में काफी अट्रैक्टिव है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस कीमती पेड़ के रखरखाव में हर महीने करीब 5,000 रुपये खर्च होता है। इसमें हर महीने पेड़ के लिए 2,500 रुपये का खास प्रोटीन आता है। यह पेड़ देश के सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की शोभा बढ़ा रहा है, जिसे फिलहाल अमृत भारत स्टेशनों की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है।

# प्रधानमंत्री मोदी से मिले जयराम ठाकुर

**नुकसान के बारे करवाया अवगत-मांगा एरिया स्पेसिफिक पैकेज**

शिमला, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सोमवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान के बारे में अवगत करवाया। प्रधानमंत्री ने आपदा से हुए नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी ली और आपदाग्रस्त क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और पुनर्वास में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री को हमने बताया कि इस आपदा में लोगों के घर ही नहीं उनकी जमीनें भी बह गईं अब उनके पास घर बनाने की भी जगह नहीं बची है। ऐसे में उन्हें जमीन देने के लिए 'वन संरक्षण कानून' में रियायत दी जाए ताकि बेघर हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पुनः बसाया जा सके। साथ ही पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए 'एरिया स्पेसिफिक' राहत पैकेज देने और प्रदेश में बार-बार आ रही प्राकृतिक आपदा के कारणों के अध्ययन के लिए भी प्रधानमंत्री से आग्रह किया जिससे बार–बार हो रहे नुकसान से बचाव हो सके। जयराम ठाकुर ने कहा कि इस आपदा की वजह से प्रदेश में 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। जिसमें लगभग 1000 करोड़ से अधिक का नुकसान सराज विधानसभा में ही हुआ है जबकि 30 जून की उस रात सराज, करसोग और नाचन में ही कुल 42 की जान गई और अकेले सराज से ही 29 लोग आपदा का शिकार हुए।

# वैज्ञानिकों ने ढूंढ़ निकाला कोरोना की रीढ़ तोड़ने वाला फॉर्मूला

**एसबी 431542 दवा संक्रमण पर बेहद असरदार**

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। एक लंबी लड़ाई के बाद भारत के वैज्ञानिकों ने कोरोना की रीढ़ तोड़ने वाले फार्मूला की खोज की है। इस दवा की वजह से 50 बार के एक्सपोजर के बावजूद वायरस ने प्रतिरोधक क्षमता नहीं बनाई। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिकों ने पुरानी दवा एसबी 431542 को कोरोना वायरस के खिलाफ अत्यधिक प्रभावी पाया है। नेशनल सेंटर फॉर वेटरनरी टाइप कल्चर, आईसीएमआर के राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) और बेल्जियम के वैज्ञानिकों ने मिलकर इस खोज को पूरा किया है। हालांकि यह शोध अभी बायोरेक्सिव जर्नल पर प्री-प्रिंट के रूप में प्रकाशित हुआ है और इसे अंतिम अनुमोदन नहीं मिला है, फिर भी इसके नतीजे बेहद आशाजनक हैं। यदि इसे इंसानों पर परीक्षणों में भी सफलता मिलती है तो यह दवा कोविड-19 के अलावा अन्य कोरोना वायरस के खिलाफ भी क्रांतिकारी हथियार बन सकती है।

**तीन तरह से कोरोना पर हमला**

राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि यह दवा एकसाथ तीन अलग स्तरों पर कोरोना वायरस को रोकती है। यह शरीर में टीजीएफ-बीटा नामक प्रोटीन के रास्ते को अवरुद्ध करता है। ये वायरस को कोशिका में प्रवेश करने में मदद करते हैं। यह दवा वायरस के ओआरएफ 3ए नामक प्रोटीन से चिपककर उसकी रणनीति को फेल कर देती है, जिससे वायरस की असेंबली प्रक्रिया रुक जाती है। जब वायरस संक्रमित कोशिकाओं को तोड़कर बाहर आता है, तब यह दवा एपोप्टोसिस की प्रक्रिया को भी रोक देता है।

**अब तक की सबसे टिकाऊ एंटीवायरल**

डॉ. कुमार ने बताया कि जब वायरस को लगातार 50 बार इस दवा के संपर्क में रखा गया तब भी उसने कोई प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं की। यह उपलब्धि मौजूदा रेमडेसिवीर के मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण है, जिनके खिलाफ वायरस जल्दी प्रतिरोध बना लेता है। दवा का चूहे के भ्रूणों में परीक्षण किया, जिसमें यह दवा चिकन कोरोना वायरस के खिलाफ प्रभावी साबित हुई।

**वायरस के खिलाफ लड़ाई में सबसे बड़ी जीत**

शोध के प्रमुख लेखक डॉ. कुमार ने कहा कि साल 2020 से भारत कोरोना महामारी का सामना कर रहा है। अब तक हमने इस लड़ाई में काफी जीत हासिल की है और अब हम एक और नया अध्याय लिखने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, एसबी 431542 न केवल वायरस को सीधे रोकती है, बल्कि वायरस द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मेजबान कोशिका की कमजोरियों को भी लक्षित करती है। इससे वायरस को प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने का मौका ही नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारत के अलग-अलग अस्पतालों में इंसानों पर इसके परीक्षण शुरू किए जाएंगे।

# सेब पर नहीं बढ़ा एमआईपी, राज्यसभा में केंद्र का जवाब

> हिमाचल बीजेपी नेता का दावा गलत > कांग्रेस-माकपा ने कहा-बरागटा झूठ बोलने में नंबर-1

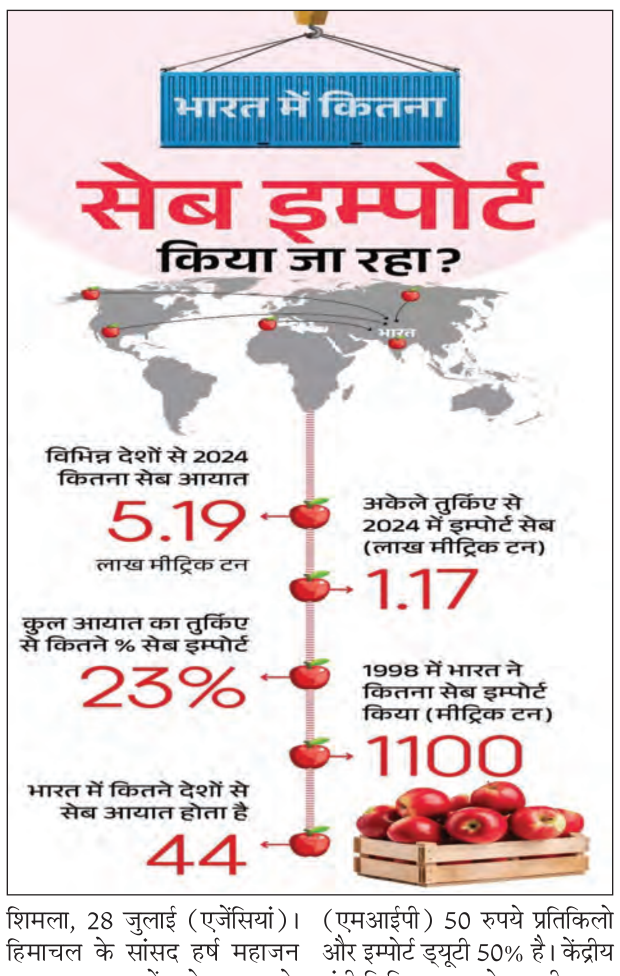


शिमला, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल के सांसद हर्ष महाजन द्वारा राज्यसभा में पूछे सवाल के जवाब में मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कहा कि सेब पर मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस (एमआईपी) 50 रुपये प्रतिकिलो और इम्पोर्ट ड्यूटी 50% है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने यह भी स्पष्ट किया कि मंत्रालय के पास इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाने से जुड़ा कोई प्रस्ताव नहीं है। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्रालय का जवाब आने के बाद हिमाचल में कांग्रेस-माकपा और सेब बागवान बीजेपी पर हमलावर हो गए हैं। दरअसल, शिमला में भाजपा नेता चेतन बरागटा ने 5 जुलाई को एमआईपी 50 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलो करने का दावा किया था।

**राहत माना जा रहा था फैसला, हकीकत में ऐसा नहीं हुआ**

एमआईपी का 80 रुपये करने का फैसला हिमाचल की 5500 रुपये करोड़ रुपए की एपल इंडस्ट्री के लिए बड़ी राहत समझा जा रहा था, क्योंकि विदेशों से आयातित सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड का सेब उद्योग भी संकट में है। ऐसे में यदि एमआईपी 80 रुपए प्रतिकिलो होता। इसके अलावा 50 प्रतिशत इम्पोर्ट ड्यूटी लगने के बाद आयातित सेब 120 रुपये से कम में भारत की धरती पर नहीं उतरता। इसका सीधा फायदा देश के बागवानों को मिलना था। मगर, एमआईपी आज भी 50 रुपये है।

**मोदी ने किया था इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाने का वादा**

हिमाचल के ढाई लाख से ज्यादा बागवान परिवार लंबे समय से एमआईपी और इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। साल 2014 में प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेंद्र मोदी ने खुद मंडी के सुंदरनगर में एक जनसभा में सेब पर इम्पोर्ट ड्यूटी 100% करने का वादा किया था। इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ी तो नहीं। मगर वाशिंगटन एपल पर यह 75% से 50% जरूर की गई है। वहीं हिमाचल के बागवान अर्से से सेब पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि विदेशों से सेब का आयात हर साल बढ़ता जा रहा है। सबसे ज्यादा इम्पोर्ट तुर्की और ईरान से हो रहा है।

**चेतन बरागटा बीजेपी में झूठ बोलने में नंबर-1 : मुंगटा**

कांग्रेस प्रवक्ता कौशल मुंगटा ने कहा कि चेतन बरागटा केवल शिगुफा छोड़ते हैं। भाजपा में वह झूठ बोलने में नंबर-1 हैं। बागवानों को अनपढ़ समझते हैं। उन्होंने कहा कि चेतन बरागटा ने इतनी बड़ी एपल इंडस्ट्री और पढ़े-लिखे बागवानों को गुमराह किया है। मुंगटा ने कहा कि भाजपा नेता बार बार इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के लिए कभी कृषि मंत्रालय, कभी कॉमर्स मिनिस्टरी में मिलने के दावे करते हैं, जबकि राज्यसभा में दिए जवाब में केंद्रीय मंत्रालय ने साफ कहा है कि उनके पास इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

**अमेरिका के दबाव में इम्पोर्ट ड्यूटी के लिए फेवरेबल माहौल बनाया**

सेब उत्पादक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सोहन ठाकुर ने कहा, केंद्र सरकार अमेरिका के दबाव में सेब पर इम्पोर्ट ड्यूटी 50% से घटाकर 15% करने की तैयारी है। इसके लिए फेवरेबल माहौल बनाने के लिए भाजपा नेताओं ने हिमाचल में झूठ बोला। बागवानों को गुमराह किया गया। उन्होंने कहा, बीजेपी अभी भी हिमाचल में किसानों-बागवानों के मुद्दों में रुचि नहीं दिखा रही। उल्टा लोगों को संगठित होने से रोक रही है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 29 जुलाई - 2025

# पडोसी देशों की हरकतों पर लगाम

सिर्फ कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की मंजूरी मिल जाए तो वह दिन दूर नहीं जब भारतीय नौसेना के बेड़े में 9 अत्याधुनिक पनडुब्बियां और शामिल हो जाएंगी। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि ये पनडुब्बियां प्रोजेक्ट 75(भारत) या पी75(आई) का हिस्सा होंगी। इनमें से 6 पनडुब्बियां पहले बैच में शामिल हो सकती हैं, जबकि बाकी तीन 2020 के डिफेंस एक्विजिशन प्रोसिड्योर की गाइडलाइंस के अनुसार मुख्य करार पर हस्ताक्षर के एक साल बाद शामिल हो सकेंगी। भारत की ओर से इस तरह की तैयारी की खबर तब आई है,जब चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) हिंद महासागर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में जुटी हुई है, इसके साथ ही अरब सागर में पाकिस्तान भी लगातार पैंतरेबाजी दिखाने में लगा हुआ है। भारत जो पहले 6 अत्याधुनिक पनडुब्बियों पर काम कर रहा है उसकी लागत 90,000 करोड़ रुपये से लेकर 1 लाख करोड़ रुपये तक आएगी। लेकिन जरूरत और क्षमता को देखते हुए यह कीमत कोई मायने नहीं रखती। हिंद महासागर के क्षेत्र में जिस तरह से चीनी नौसेना की मौजूदगी बढ़ रही है और पाकिस्तान भी और पनडुब्बियां खरीद रहा है। उसे देखते हुए उक्त दोनों पडोसी देशों की नाक में नकेल डालना जरूरी हो गया है। अगर इस साल के अंत तक इस डील को लेकर वित्तीय चर्चा पूरी हो जाती है, तो अगले साल की पहली तिमाही में इस सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है। उसके अनुसार, 'जैसा कि पी75(आई) पूरी तरह से नया प्रोजेक्ट है, बातचीत में एक साल तक लग सकते हैं। तब सीसीएस के सामने प्रस्ताव को मंजूरी के लिए रखा जाएगा। सबकुछ ठीक रहा तो इसके बाद करार पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट के इतना महंगा होने की कई वजहें हैं। इसकी डिजाइन, डिजाइन की जानकारी ट्रांसफर, इसके महत्वपूर्ण उपकरणों को स्थानीय स्तर पर तैयार करने के साथ-साथ कोविड महामारी की वजह से भारत और यूरोप में महंगाई के चलते इसकी लागत में बढ़ोतरी हुई है। इन पनडुब्बियों में एयर इंडिपेंडेंट प्रपल्शन (एआईपी) तकनीक भी शामिल होगी, जो इन्हें अत्याधुनिक बनाने में मदद करती हैं। इस तकनीक की सहायता से ये पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रहकर दुश्मनों को चकमा देने में सक्षम बताई जा रही हैं। इस साल जनवरी में इसके ठेके के लिए, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (भारत) और थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (जर्मनी) की संयुक्त बोली एकमात्र योग्य दावेदार के रूप में उभरी थी। यह तब हुआ जब लार्सन एंड टुब्रो और स्पेन की नवांतिया तकनीकी मूल्यांकन इस बोली में असफल रहीं। अगर फाइनल मंजूरी मिल जाती है तो भारत की पनडुब्बी सहभागिता फ्रांस (स्कॉर्पीन प्रोग्राम) से जर्मनी की ओर शिफ्ट हो सकती है। इस पनडुब्बी से देश को उम्मीद है कि भारत की ताकत में जबर्दस्त इजाफा हो जाएगा। साथ ही पाकिस्तान और चीन को भी सबक सिखाया जा सकेगा।

# इजराइल और हमास युद्ध

रघु ठाकुर

इजराइल और हमास के बीच चल रहे दीर्घकालिक युद्ध के बीच इजराइल ने अचानक एक नया मोड़ लिया और ईरान पर मिसाईल अटेक किया। आरंभ में ईरान उत्तर देगा ऐसा उसने कहा, परंतु दुनिया में एक धारणा थी कि इजराइल सैन्य शक्ति के रूप में बहुत शक्तिशाली है अतरू ईरान का प्रतिउत्तर केवल शाब्दिक रहेगा। परंतु दो या तीन दिन के बाद ईरान ने हजारों ड्रोन व मिसाईलों के माध्यम से इजराइल पर हमला किया और इजराइल का तथाकथित आयरन डोम जिसे ब्रह्म कवच माना जाता था और यह भी माना जाता है कि दुनिया की कोई भी मिसाइल इसको भेद नहीं सकती, वह नष्ट हुआ। ईरान को यद्यपि जनहानि तो कम हुई पर सांपत्तिक हानि अधिक हुई। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने यह सार्वजनिक रूप से कहा कि अमेरिका ईरान पर हमला नहीं करेगा, परंतु इजराइल के ऊपर सफल प्रति आक्रमण और खतरे को समझकर ट्रंप ने तत्काल पैंतरा बदला तथा ईरान और उसके परमाणु केंद्रों पर बंकर मिसाइल से हमला किया। जब आरंभ में इजराइल ने ईरान पर हमला किया और यह समाचार आये थे कि ईरान के परमाणु ठिकानों को उनकी मिसाईलें नष्ट नहीं कर सकीं क्योंकि वह बंकरों के अंदर है। परंतु अमेरिकी हमले के बाद ईरान के कई परमाणु ठिकाने नष्ट हुए या क्षतिग्रस्त हुये और ईरान के सेना मंत्री ने इसे स्वीकार किया। हालांकि यह भी कहा कि जो संवर्धन यूरेनियम परमाणु बम बनाने में इस्तेमाल होता है उसे ईरान ने पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया था, इसलिये वह नष्ट होने से बच गया। यह भी बताया गया कि इस परमाणु बम का ईंधन 270 फुट गहरे बंकरों में रखा गया है और अमेरिकी मिसाईल का वहाँ तक पहुँचना संभव नहीं है। अमेरिकी हमले के बाद इस दुनिया को खतरा लग रहा था कि अब विश्व युद्ध की कगार पर दुनिया है और ईरान अमेरिका पर हमला करेगा। परंतु ईरान ने सीधे अमेरिका पर तो हमला नहीं किया बल्कि अमेरिका के दूसरे देशों के समुद्री द्वीपों पर बनाये गये एक सामरिक केंद्र कतर पर हमला किया। हालाँकि वह कोई प्रभावी सिद्ध नहीं हुआ। अमेरिका ने यह भी कहा कि कोई क्षति नहीं हुई है और कहा कि अब ईरान परमाणु संधि वार्ता को अंतिम रूप दे वर्ना पुनरू हमले होंगे। इस घटनाक्रम को दुनिया का एक हिस्सा इस रूप में देख रहा था कि शायद अब ईरान अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की निगरानी में परमाणु केंद्रों की जांच के लिये तैयार हो जायेगा और अमेरिका का जो लक्ष्य है कि ईरान परमाणु अस्त्र न बना सके, वह हासिल हो जायेगा। परंतु 2 जुलाई 25 को ईरान के राष्ट्रपति ने जिस निर्णय की घोषणा की है कि ईरान, अमेरिका व अन्य देशों के बीच परमाणु संधि से हट गया है याने अब पहले जो समस्या संधि के पालन की थी,अब अमेरिकी हमले के साथ ईरान संधि से ही हट गया। रूस ने ईरान का खुलकर समर्थन किया है और ईरान को आवश्यक हथियार, मिसाईलें आदि देने की घोषणा की है। यहाँ तक की रूसी सिक्युरिटी कौंसिल के डिप्टी चेयरमैन मेदवेदेव ने कहा कि रूस वारहेड देगा और ईरान का एटमी प्रोग्राम तेजी से बढ़ेगा। रूस के समर्थन के बाद ही ईरान ने परमाणु संधि से बाहर हटने का ऐलान किया है। हालांकि चीन ने ईरान की कोई विशेष मदद नहीं की, शिवाय राजनैतिक समर्थन के। शायद चीन, ईरान, रूस की निकटता से भी सावधान है। क्योंकि रूस व चीन के बीच भी सीमा विवाद है। वैसे भी दुनिया में कोई किसी का स्थायी साथी नहीं है, वैसे चीन, अमेरिका, इजराइल के खिलाफ है पर गाजा में इजराइल ने जो पुनर्निर्माण का काम शुरू किया है, उसमें चीनी कंपनी को ठेका दिया है तथा 6000 चीनी कर्मचारी वहाँ काम कर रहे हैं, व्यापार में इजरायल व चीन साथ हैं। यूक्रेन और रूस के बीच में जो लंबा युद्ध चल रहा है उसमें भी रूस यूरोप और अमेरिका के खिलाफ ही एक प्रकार से अप्रत्यक्ष युद्ध लड़ रहा है। अमेरिका युद्ध बंदी के नाम पर ब्लैकमेलिंग करना चाहता है और अपने आर्थिक, सामरिक हितों को और अपनी सैन्य श्रेष्ठता को कायम रखना चाहता है। पिछले लगभग दो दशकों से अमेरिका ने सीधे तौर पर किसी युद्ध में काम नहीं किया था परंतु यह इतने समय के बाद कि घटना है कि जब अमेरिका सीधा युद्ध में कूदा है। दुनिया में हथियार संपन्न देशों की दो धुरी बन रही है। एक में चीन, रूस और ईरान हैं और दूसरे में अमेरिका, इजराइल, यूक्रेन और यूरोप के फ्रांस, जर्मनी आदि देश शामिल हैं। इसी बीच में रूस ने पुनरू एक बार यूक्रेन पर भारी हमला बोला और इससे बड़ी संख्या में जन-धन की हानि हुई है, यूक्रेन ने भी रूस के काफी अंदर जाकर परमाणु ठिकानों पर हमला किया।

अब अगर ईरान परमाणु हथियार बनाता है तो यह अमेरिका, इजराइल और यूरोप के देशों के लिये एक बड़ा खतरा है। ईरान ने इजराइल पर हमले में मिसाईल का इस्तेमाल किया था वह 8600 प्रति किमी की रफ्तार से चलने वाली थी। जिसमें 1500 किग्रा वारहेड होता है और 1500 किमी की दूरी तक वह मार कर सकती है। यह भी खबर आई थी कि ईरान ने जो हमला इजराइल पर किया था उसके बाद, उसके पास वारहेड की कमी हुई। याने संचित बारूद का भंडार घट गया, परंतु अब रूस उसकी क्षतिपूर्ति के लिये सामने आया है और इससे ईरान की सामरिक शक्ति पुनरू खड़ी हो सकती। दूसरा एक आर्थिक पक्ष भी है कि 33 किमी होर्मुज समुद्री गलियारा, यह युद्ध का क्षेत्र बनेगा। क्योंकि दुनिया का कोई 26 प्रतिशत कच्चा तेल इसी गलियारे से जाता है। अमेरिका की भी बड़ी सप्लाई इस गलियारे से होती है। अगर ईरान इस गलियारे को युद्ध का क्षेत्र बनाता है तो समूची दुनिया में तेल की बड़ी कमी पैदा होगी और तेल के दाम बढ़ेंगे। इसका सीधा प्रभाव अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी होगा। मैं कई बार पूर्व में भी लिख चुका हूँ कि संयुक्त राष्ट्र संघ की कोई प्रभावी भूमिका नहीं बची। इस्लामिक देश भी कई कारणों से बंटे हुए हैं। वैसे तो अमेरिका हमले को रूस, चीन, पाक, सऊदी अरब और ओमान ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताकर निंदा की है। परंतु यह निंदा फिलहाल सिया और सुन्नी के मध्य विभाजित है। पाकिस्तान जो अमेरिकी मदद के समर्थन पर जिंदा है। वह वैसे भी अपनी जीर्ण क्षीण अर्थव्यवस्था और आंतरिक जनविद्रोह के चलते कुछ मदद करने की स्थिति में नहीं है। उसने चीन को बन रोड वन बेल्ट के लिये अपना भूभाग उपलब्ध कराया है परंतु चीन का यह स्वप्नदर्शी योजना अभी केवल अमूर्तरूप में है। सऊदी अरब आदि देशों के मुखिया भी स्वतरू युद्ध के लड़ने के पक्ष में नहीं है। चीन की जमीनी दूरी ईरान से इतनी अधिक है कि चीन भी कोई वास्तविक मदद पहुँचाने की स्थिति में नहीं है और यह युद्ध होता है तो रूस व चीन की इसमें भौतिक व वास्तविक भागीदारी नगण्य होगी, चीन की तो बिलकुल ही प्रतीकात्मक।

जहाँ एक तरफ दुनिया को इन समस्याओं का व्यावहारिक हल खोजना होगा वहीं युद्ध व हथियारों की वास्तविकताओं को भी समझना होगा। एक बड़ी समस्या यह है कि इस समय दुनिया और वैश्विक मीडिया भी एलगोरिदम का शिकार है और यह समस्या निरंतर बढ़ रही है। राजनीति व मीडिया का एक धड़ा इस्लामिक फोबिया से ग्रस्त है और उसके विचार व नीतियाँ भी उसी से प्रभावित है। इसके कारण न केवल मानसिक,विभाजन होता है बल्कि युद्ध के हालात बनते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी इससे प्रभावित हैं और हावर्ड विश्वविद्यालय की शैक्षणिक आजादी खत्म कर अपने वैचारिक पैमाने पर लाने के लिये जिस प्रकार के कदम उन्होंने उठाये हैं वह इसी बात का प्रमाण है। हाल ही में उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी के न्यूयार्क मेयर के प्रत्याशी श्री ममदानी के चयन के बाद उन्होंने जो बयान दिया कि यदि ममदानी नहीं सुधरेंगे तो वे न्यूयार्क म्युनिसपल कारपोरेशन की सरकारी मदद बंद कर देंगे, यह भी इसी का प्रमाण है। ऐसा लगता है कि श्री ट्रंप दो युद्ध लड़ रहे हैं या लड़ने की तैयारी में हैं।

# दुर्दशा से कब जीतेगा गौरवशाली बिहार ?

बिल्ला अजय कुमार

गरीबी, पिछड़ापन, हिंसा, खून-खराबा, अपराध, जातिगत संघर्ष, राजनीतिक दुश्मनी आदि फिल्म के मुख्य विषय हैं। हमारे निर्देशक के दिमाग में सबसे पहले बिहार राज्य की छवि आती है। गुंडों के लिए एक दबंग चरित्र गढ़ने के लिए, उन्हें छत्रपति के नीरज 'बिहार' जैसे किरदारों का सहारा लेना पड़ता है। एक ओर, यह सब उन बिहारियों की पीड़ा है जो अपने ही राज्य में उचित रोजगार न मिलने पर जीविका के लिए पलायन करते हैं। दूसरी ओर, ऐसी कहानियाँ भी हैं कि जिस इलाके में वे पलायन कर गए हैं, वहाँ चाहे कोई भी अपराध हो, सबकी नज़र बिहार पर ही जाती है, और लोग सिर्फ़ बिहारी होने के कारण एक तरह की असुरक्षा महसूस करते हैं। 'एक बिहारी-सौ बीमारी' जैसे नारे बिहार और वहाँ के लोगों की दुर्दशा पर एक कलंक मात्र हैं। यह अत्यंत गौरवशाली बिहार की दुर्दशा है। केंद्र में चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में आए, राज्य में चाहे कोई भी पार्टी शासन करे, दशकों से बिहार की स्थिति बदहाल रही है। (16) प्रथम महान साम्राज्य का केंद्र, मगध, जो महाजनपदों में एक जनपद के रूप में उभरा और कालांतर में सभी जनपदों को अपने साथ मिला लिया और एक विशाल साम्राज्य के रूप में उभरा, आज का बिहार है। पाटलिपुत्र, जो मगध साम्राज्य की राजधानी के रूप में जारी रहा, आज का पाट है। मगध साम्राज्य की एक और राजधानी, पूर्व का महल आज का राजगीर है। वह स्थान जहाँ बुद्ध, जिन्होंने दुनिया को शांति और अहिंसा का मार्ग दिखाया और अष्टांग मार्ग की शिक्षा दी, को ज्ञान प्राप्त हुआ। यह तथ्य कि मठ जहाँ बौद्ध भिक्षु विश्राम करते थे, उसे विहार के रूप में स्थापित किया गया था, बौद्ध धर्म और बिहार के बीच अविभाज्य संबंध के रूप में समझा जा सकता है। यह इस परम पवित्र स्थान पर था कि वर्धमान ने महावीर के रूप में अवतार लिया और अहिंसा के मार्ग का उपदेश दिया बिहार आर्यभट्ट जैसे बुद्धिजीवियों, एक विशाल साम्राज्य के निर्माता चंद्रगुप्त मौर्य और राजस्व सुधारों में देश का मार्गदर्शन करने वाले शेरशाह सूरी जैसे महान शासकों की जन्मभूमि है। यह वह भूमि है जहाँ अशोक जैसे महान मानवतावादी विराजमान हुए, जिन्होंने युद्ध का त्याग कर जनकल्याण की भावना से शासन किया, यह मानते हुए कि हिंसा और रक्तपात से कुछ हासिल नहीं होता। आज, यह भूमि, जिसका इतना गौरवशाली इतिहास रहा है, गुंडागर्दी, नक्सलवाद, जातीय संघर्ष, राजनीतिक अस्थिरता, अपराध, हिंसा और नेतृत्व के अभाव जैसी उपेक्षाओं के कारण अपना गौरव खो चुकी है। यह भूमि, जो नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षा का केंद्र हुआ करती थी, जहाँ दुनिया भर के छात्र आते थे, आज शिक्षा के क्षेत्र में सबसे निचले पायदान पर है। जीवन स्तर चाहे जो भी हो, बिहार हमेशा सबसे निचले पायदान पर रहा है। अतीत का गौरव, जब सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायिक और राजनीतिक रूप से प्रकाशमान था, आज लुप्त क्यों हो गया है? हम देखते हैं कि अतीत की विशेषताएँ किसी क्षेत्र में कुछ हद तक बनी रहती हैं। लेकिन आज के बिहार में ये विशेषताएँ बिलकुल नज़र नहीं आतीं। बिहार की वर्तमान स्थिति के क्या कारण हैं? अतीत के गौरव के लुप्त होने के कौन से कारण हैं? मगध साम्राज्य का केंद्र, जो अपनी अपार संपदा से समृद्ध था, आज क्यों संघर्ष कर रहा है? राजसी राजपाट के अंत के बाद, बिहार गरीबी और पिछड़ेपन का क्षेत्र बन गया था। ब्रिटिश शासन के दौरान, यह बंगाल प्रेसीडेंसी का हिस्सा रहा। ब्रिटिश शासकों ने बंगाल प्रेसीडेंसी क्षेत्र को थोड़ी मात्रा में धन आवंटित किया। दूसरी ओर, बॉम्बे और मद्रास प्रेसीडेंसी में रैयतवारी प्रणाली शुरू की गई, जहाँ फसल उत्पादन के अनुसार कर का भुगतान किया जाता था। इन असमान नीतियों ने पूर्वी भारत, विशेषकर बिहार को गंभीर रूप से पिछड़ा बना दिया है। अंग्रेजों द्वारा दशकों तक अपनाई गई इन नकारात्मक नीतियों का प्रभाव आज भी बिहार में जारी है। यदि यह सब एक उच्च बिंदु है, तो स्वतंत्रता के बाद के चुनावों में बनी लोकतांत्रिक सरकारों ने बिहार को और भी बदतर बना दिया है। केवल कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों श्री कृष्ण सिन्हा जगन्नाथ मिश्र के कार्यकाल में ही बिहार में कुछ प्रगति संभव हो पाई थी। जेडीयू नेता नीतीश कुमार की सरकार के शासनकाल में जीएसटीपी में कुछ सुधार दर्ज किया गया था। लेकिन उस प्रगति की छाया में, बिहार पर शासन करने वाली कोई भी पार्टी या ए सरकार लोगों की जरूरतों और राज्य की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा नहीं कर सकी। यदि ब्रिटिश ज़मींदारी प्रथा और धन के आवंटन में असंतुलित नीतियों को बिहार के लिए अपूरणीय क्षति माना जाता है, तो स्वतंत्र भारत में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई माल ढुलाई समानीकरण नीति ने बिहार को गंभीर कठिनाइयों में डाल दिया है (यह नीति वर्तमान में लागू नहीं है)। विचार यह था कि पूरे देश में कच्चे माल और वस्तुओं की कीमतें समान होनी चाहिए यद्यपि कोयला और लौह अयस्क की उपलब्धता के लिए प्रसिद्ध बिहार में और अधिक उद्योगों की स्थापना की आवश्यकता थी, किन्तु परिवहन राज्यों में सब्सिडी के कारण, बिहार के साथ-साथ, जहाँ कच्चा माल उपलब्ध है, खनिजों की कीमतें देश के अन्य राज्यों के समान हैं, और तटीय क्षेत्र निर्यात-आयात के लिए उपयुक्त हैं, उद्योग और परियोजनाएँ विभिन्न राज्यों में फैल गई हैं। परिणामस्वरूप, बिहार में उद्योगों की स्थापना उतनी नहीं हुई जितनी होनी चाहिए थी। यह बिहार के लिए एक बड़ा झटका था, जहाँ खनिज का विशाल भंडार है। करों और केंद्र सरकार के शुल्कों से प्राप्त राजस्व बिहार की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पा रहा था। निवेश की कमी, सामाजिक समस्याएँ, जातिगत संघर्ष, अपराध में तीव्र वृद्धि और कानून-व्यवस्था की गिरावट, और लालू प्रसाद यादव के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और अनियमितताओं ने बिहार को गहरे अवसाद में डाल दिया है। इन परिस्थितियों ने बिहार को गंभीर रूप से अस्थिर कर दिया है और देश भर में इसकी बदनामी की है। यह निवेश के लिए एक गंभीर बाधा बन गया है। 1991 के आर्थिक सुधारों से भी बिहार को कोई लाभ नहीं हुआ, और यद्यपि अन्य राज्यों ने बड़ी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया, फिर भी 1991-98 के दौरान बिहार को प्राप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अन्य राज्यों की तुलना में कम था। वल 0.1 प्रतिशत। यह देश में सबसे कम है, और खनिज संपदा के केंद्र बिहार के दक्षिणी क्षेत्र झारखंड के अलग राज्य बनने से बिहार की स्थिति और खराब हो गई है। राज्य के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिन्हा से लेकर आज के जनता दल (यूनाइटेड) नेता तक, 40 सरकारें बदल चुकी हैं और 23 मुख्यमंत्री गद्दी पर बैठे हैं। यह एक निर्विवाद सत्य है कि बिहार की वर्तमान स्थिति में अपेक्षित प्रगति संभव नहीं हो पाई है। मगध साम्राज्य (वर्तमान बिहार), जो सैकड़ों वर्षों तक बृहद्रथ, हर्यक, शिशुनाग, नंद, मौर्य, गुप्त, पाल, क्षेत्रीय राज्यों, दिल्ली सुल्तानों, सूर और मुगल राजवंशों के शासन में फला-फूला, ब्रिटिश शासन शुरू होने के बाद धीरे-धीरे पतन की ओर अग्रसर हुआ।

# ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता गेमचेंजर साबित हो सकता है

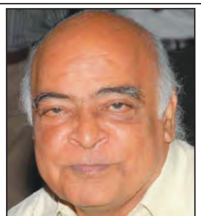

अशोक भाटिया

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक डील हुई है, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध का नया अध्याय शुरू होगा। 24 जुलाई, 2025 को लंदन में भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हुआ। इस समझौते के तहत दोनों देश आपसी व्यापार को 2030 क यानि अगले चार-पांच सालों में 120 अरब यूएस डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ब्रिटेन ने ब्रेक्जिट से निकल जाने के बाद पहली बार किसी देश के साथ इतनी बड़ी डील की हो। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार भारत की मजबूत और निर्णायक नेतृत्व क्षमता, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और लोगों की बढ़ती आय ने भारत को वैश्विक साझेदार के रूप में एक पसंदीदा देश बना दिया है। यह एक गेमचेंजर समजौता है । यूनाइटेड किंगडम के माननीय प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि यह यूके का ब्रेक्जिट के बाद का सबसे महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौता है। ऐतिहासिक डील के लिए सर्वप्रथम सबसे पहले भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देना आवश्यक है । यह वास्तव में मोदी सरकार का सराहनीय कदम है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, जो लगभग चार-पांच वर्षों से बातचीत में अटका हुआ था, आखिरकार फलीभूत हो गया है। दोनों देश पूर्व प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन के तहत हस्ताक्षर करने के बहुत करीब थे। जॉनसन की भारत यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने थे। लेकिन उससे पहले जॉनसन को जाना पड़ा। बाद में ऋषि सुनक ने भी इसे करने की कोशिश की। इस समझौते का दीप निवास पर दीपावली पर जलाया जाना था। ऐसा नहीं हुआ। फिर चुनाव हुए, और इंग्लैंड में सत्ता लंबे समय से लेबर पार्टी की थी। पूर्व के सभी पक्षपातपूर्ण हैं। पीयूष गोयल मतलब यह सब नए सिरे से शुरू करने के बारे में है। प्रधानमंत्री कीर स्टारर ने ऐसा किया। इसका कारण ब्रिटेन की बिगड़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसे समय में जब ब्रेक्सिट का ग्रहण ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को गहरा कर रहा है और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प का उदय इस ग्रहण के आर्थिक अंधेरे को जोड़ रहा है, अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ ठोस करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, स्टारर ने यूरोपीय संघ के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और अब भारत के साथ। उन्होंने यूरोप के साथ समझौते को दोनों के लिए और भारत के लिए जीत का सौदा बताया। आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा इंग्लैंड कुछ ऐसा चाहता था। उन्हें यह इन अनुबंधों के माध्यम से मिला। यह हमारी जरूरत भी थी। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने प्रधानमंत्री के आजीवन मित्र रहे डोनाल्ड ट्रंप को एक मुश्किल जगह पर दर्द महसूस होने लगा है। इसके अलावा चीन जो दुविधा पैदा कर रहा है, वह भी है। इन दोनों देशों को छोड़कर यूरोप के साथ व्यापार समझौता भी अधर में लटका हुआ है। ना कहने के लिए, हमने अब तक 14 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन जब संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान, मॉरीशस, मलेशिया, चिली, अफगानिस्तान, आदि यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका या यूनाइटेड किंगडम के विकल्प नहीं हैं, तो हमें एक मजबूत व्यापार समझौते की आवश्यकता थी जो दोनों की जरूरतों को पूरा करता हो। इससे अगले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार 12 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। वर्तमान में, भारत ब्रिटेन से आयात से अधिक निर्यात करता है। लेकिन फिर भी उस देश के बाजार में भारत का हिस्सा दो प्रतिशत भी नहीं है। यह अब बढ़ेगा, क्योंकि इस समझौते में, लगभग सभी भारतीय वस्तुओं पर शून्य प्रतिशत कर लगाया जाएगा। ताकि वे कर-मुक्त हों। कपड़ा, कोल्हापुरी चप्पलें, आप उस देश में अधिक थोक दवाएं / रसायन, आभूषण आदि बेच सकेंगे। साथ ही लक्जरी कारों, महंगी शराब, गैर-कानूनी सेवाओं को इंग्लैंड से भारत में अधिक स्वतंत्र रूप से आपूर्ति की जाएगी। आप इंग्लैंड के सबसे बड़े चांदी आयातक होंगे। इस समझौते के बाद, ब्रिटेन के चांदी के लेनदेन भारत में चांदी के हो जाएंगे। भारत से दो प्रमुख मुद्दे उस देश में भारतीय शराब की मुक्त गुंजाइश और साथ ही, उस देश में शराब की बिक्री थे। इसे भारतीयों के कप में आसानी से गिरने दें। यह कुछ हद तक आसान होगा। कुछ हद तक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ब्रिटिश शराब पर भारत में लगाया गया आयात कर सिर्फ एक मुद्दा है। आयात कर कम हो जाएगा, लेकिन साथ ही इससे केंद्रीय और राज्य उत्पाद शुल्क, माल और सेवा कर आदि में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस समझौते का लाभ शराब कंपनियों की तुलना में शराब कंपनियों को अधिक होगा। उनके लक्जरी करों के कारण, केवल 350 रुपये में बेची जाने वाली व्हिस्की की बोतल भारतीय बाजार में 3100 रुपये से अधिक महंगी होगी। नए समझौते से मुश्किल से 300 रुपये का अंतर आएगा। दूसरा मुद्दा भारतीय बाजार में कानूनी सलाह देने वाली ब्रिटिश कंपनियों को मुफ्त दरवाजा देना होगा।

# सांपों के प्रति समर्पण की सांस्कृतिक परंपरा है नाग पंचमी

योगेश कुमार गोयल

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी 'नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी 'स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पातालवासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदान मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्माजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर 'नाग पंचमी' त्योहार मनाया जाने लगा।

# सत्ता की खट्टी चाशनी

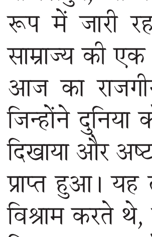

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक था हमारा श्रीमान चंपकलाल, रामभरोसे नगर का एक ऐसा आम आदमी, जिसकी जेब में भले ही छेद हो, पर सपनों का गुब्बारा हमेशा आसमान छूता रहता था। उसकी आँखों में एक अजीब-सी चमक थी, जो अक्सर उन लोगों में पाई जाती है, जो या तो बहुत भोले होते हैं या फिर बहुत बड़े वाले 'खिलाड़ी'। चंपकलाल की कहानी कुछ ऐसी ही थी। बचपन से ही उसे 'कुर्सी' से बड़ा लगाव था। स्कूल में मॉनिटर की कुर्सी, कॉलेज में छात्रसंघ अध्यक्ष की कुर्सी, और अब, जीवन की इस ढलती शाम में, उसकी नज़र गड़ी थी 'पार्षद पद' की उस सुनहरी कुर्सी पर। उसे लगता था, यह कुर्सी नहीं, साक्षात 'मोक्ष' का द्वार है, जहाँ से वह रामभरोसे नगर की हर गली, हर नुक्कड़, हर नाली का उद्धार कर देगा। ₹अरे! यह कुर्सी मिली तो समझो, जनता का 'भाग्य' बदल गया!₹ वह अक्सर अपनी पत्नी, श्रीमती ललिता देवी से कहता, जो बेचारी हर बार सिर्फ़ अपनी साड़ी का पल्लू कसकर रह जाती थीं, क्योंकि उन्हें पता था कि चंपकलाल के सपनों का 'बजट' हमेशा उनकी साड़ी के पल्लू से ही निकलता है। चंपकलाल की नज़र में पार्षद की कुर्सी सिर्फ़ एक पद नहीं, बल्कि एक 'स्टेटस सिंबल' था, एक ऐसा 'सिग्नेचर स्टाइल' जिससे उसकी 'वैल्यू' बढ़ जाती। वह अक्सर कल्पना करता, कैसे लोग उसे देखकर ₹जय हो पार्षद जी!₹ कहेंगे, कैसे उसकी गाड़ी के आगे-पीछे 'समर्थकों' की भीड़ चलेगी, और कैसे उसकी एक आवाज़ पर सरकारी बाबू 'सैल्यूट' ठोकेंगे। यह कुर्सी उसके लिए सिर्फ़ 'सेवा' का माध्यम नहीं, बल्कि 'सेल्फी' का माध्यम भी थी, जहाँ वह जनता के साथ खड़े होकर अपनी 'ब्रांडिंग' कर सके। उसे लगता था, यह कुर्सी मिली तो उसके सारे 'पाप' धुल जाएँगे और वह सीधा 'स्वर्ग' का टिकट कटा लेगा, बस एक बार यह 'पार्षद' का ठप्पा लग जाए। उसकी यह महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल थी कि वह हर रात उसी कुर्सी के सपने देखता, कभी उसे सोने की बनी देखता तो कभी हीरे-जवाहरात से जड़ी। उसे लगता था, यह कुर्सी तो बस उसी के लिए बनी है, जैसे 'अंगूर' सिर्फ़ लोमड़ी के लिए बने थे, बस पहुँचने भर की देर है। वह अपनी इस 'कुर्सी-प्रेम' की कहानी हर किसी को सुनाता, और हर कोई सुनकर मुस्कुराता, क्योंकि रामभरोसे नगर में चंपकलाल की 'उड़ान' और 'लैंडिंग' का इतिहास सबको पता था। चंपकलाल ने अपनी 'पार्षद-प्राप्ति' की यात्रा शुरू की, जो किसी 'महाकाव्य' से कम नहीं थी, बस उसमें नायक की जगह एक 'कॉमिक रिलीफ' था। उसने सबसे पहले अपनी पुरानी साइकिल पर 'पार्षद पद हेतु' के पोस्टर चिपकाए, जिन पर उसकी एक ऐसी तस्वीर थी, जिसमें वह 'मुस्कुरा' कम रहा था और 'दांत' ज़्यादा दिखा रहा था। पोस्टर पर लिखा था, ₹जनता का सेवक, चंपकलाल!₹ जबकि जनता को पता था कि वह सेवक कम, 'सेवई' ज़्यादा खाता है। उसने दो बेरोज़गार युवाओं को 'समर्थक' के तौर पर काम पर रखा, जिन्हें वह हर सुबह 'चाय और समोसे' का लालच देकर 'जय-जयकार' करवाता था। ये दोनों युवा भी ऐसे थे कि 'जय हो चंपकलाल!'

# नाग पंचमी के दिन कर लिया ये उपाय तो प्रसन्न हो जाएंगे नाग देवता

हिंदू धर्म में सावन माह को अत्यंत पवित्र माना गया है, इस माह में भगवान शिव की पूजा की जाती है, इसी सावन में ही नाग देवता को समर्पित नाग पंचमी भी आती है। नाग पंचमी के नागराज तक्षक की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि इस दिन की गई पूजा सीधे नाग देव को मिलती है, उन पर नाग देवता की कृपा बरसती है और उनके कुंडली से कालसर्प दोष मिट जाता है। साथ ही धन, वैभव, सुख और समृद्धि का वास होता है। ज्योतिष में इस दिन से जुड़े कुछ उपाय के बारे में भी जानकारी दी गई है

**कब है नाग पंचमी?**

द्रिक पंचांग के मुताबिक, नाग पंचमी का पर्व हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। पंचमी तिथि का आरंभ 28 जुलाई की रात 11 ।24 बजे से हो रहा है, जो 30 जुलाई की सुबह 12 ।46 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के मुताबिक, इस बार नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा।

**नाग पंचमी के उपाय**

अगर जातक की कुंडली में काल सर्प दोष हैं, तो उन्हें किसी प्राचीन और सिद्ध शिव मंदिर में नाग देवता की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा करवानी चाहिए। फिर नियमित रूप से श्रद्धा और नियमपूर्वक नाग देव की पूजा करें और उन्हें दूध अर्पित करें। ऐसा करने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिल जाएगी।

इस दिन अपने घर में नाग देव की प्रतिमा या तस्वीर लगाएं। फिर भक्ति भाव से उन्हें हल्दी, रोली, अक्षत, फूल, कच्चा दूध और घी चढ़ाएं। पूजा के बाद नाग देवता की आरती करें और अपनी मनोकामना करें। इससे जीवन की सभी बाधाएं जल्द दूर होंगी।

अगर घर में तनाव बना रहता है या पति-पत्नि के संबंधों में मधुरता की कमी है, तो नाग पंचमी के दिन भगवान शिव और नाग देव की पूजा करें। पूजा के बाद एक बाल्टी पानी में फिटकरी, समुद्री नमक और गौमूत्र मिलाएं। फिर इससे पूरे घर में पोछा लगाएं। इसके बाग घर के मुख्य स्थान पर गुग्गल की धूप जलाएं। माना जाता है कि घर की निगेटिव एनर्जी दूर होगी और परिवार में सुख-शांत व आपसी प्रेम बढ़ेगा।

# नाग देवता को क्यों चढ़ाते हैं दूध, कैसे शुरू हुई परंपरा?

नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा जीवन से जुड़े सभी प्रकार के दोष, भय आदि को दूर करके सुख-सौभाग्य को प्रदान करने वाली मानी जाती है। इसलिए नागपंचमी के नाग देवता को दूध से स्नान अवश्य कराएं। इससे आपके जीवन के सभी दूर हो जाएंगे।

हिन्दू धर्म में नागपंचमी का पर्व इस साल 2024 में 9 अगस्त को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस दिन नाग देवता की पूजा करने और उन्हें दूध चढ़ाने की परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। हर किसी के मन में सवाल उठता होगा कि नाग पंचमी पर नाग देवता को दूध चढ़ाने या सापों को दूध पिलाने के पीछे क्या कहानी है। हिन्दू धर्म की कथाओं में कहा गया है नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने और उन्हें दूध पिलाने से लक्ष्मी घर आती हैं। दूध पिलाने से नाग देवता खुश होते हैं और उनकी कृपा से घर से लक्ष्मी कभी बाहर नहीं जाती हैं। इसके अलावा नाग देवता की पूजा करने से लोगों को सर्पदंश का भय भी नहीं रहता है।

हिंदू मान्यता के अनुसार, नाग देवता की पूजा जीवन से जुड़े सभी प्रकार के दोष, भय आदि को दूर करके सुख-सौभाग्य को प्रदान करने वाली मानी जाती है। मान्यता है कि नाग पंचमी पर नाग देवता को दूध चढ़ाने वाले व्यक्ति को भविष्य में सर्पदंश का भय नहीं रहता है। नाग देवता उसके सभी कष्टों को हर कर उसे जीवन से जुड़ा हर सुख प्रदान करते हैं।

**पौराणिक कथा**

नागपंचमी के दिन नाग देवता को विशेष रूप से दूध अर्पित करने के पीछे पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। जिसके अनुसार, अभिमन्यु के पुत्र राजा परीक्षित की मृत्यु तक्षक नाम के सांप द्वारा काटने के कारण हुई थी। जिसके बाद उनके पुत्र जन्मेजय ने पृथ्वी से सभी सांपों को समाप्त करने के लिए एक यज्ञ किया, जिसके प्रभाव दुनिया भर के सभी सांप उस यज्ञ कुंड की अग्नि में आकर गिरने लगे। ऐसे में घबराकर तक्षक नाग इंद्र देवता के सिंहासन में जाकर छिप गया। इसके बाद यज्ञ के प्रभाव से इंद्र देव का सिंहासन तक्षक नाग के साथ हवनकुंड की ओर खिंचने लगा।

ऐसा होता देख देवताओं और ऋषि-मुनियों ने जन्मेजय से यज्ञ को रोकने को कहा। देवताओं का तर्क था कि इस यज्ञ के कारण सभी सर्प समाप्त हो गए तो प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। इसके बाद राजा जन्मेजय ने तक्षक नाग को माफ करते हुए यज्ञ समाप्त कर दिया। मान्यता है कि यज्ञ के खत्म होने के बाद जले हुए सर्पों की जलन को दूर करने के लिए उन्हें दूध से स्नान कराया गया। यह दिन नागपंचमी का ही दिन था। जिसके बाद नाग देवता को दूध से स्नान की परंपरा चली आ रही है।

नागों की कहानी से जुड़े भविष्य पुराण में कहा गया है कि 8 प्रमुख नागों का नाम लेने वाले इंसान को किसी जीच का भय नहीं सताता है।

**क्या वाकई में नाग को पिलाया जाता है दूध**

नागपंचमी के पर्व पर अक्सर लोग नाग देवता को दूध पिलाते हैं, लेकिन सच यह है कि न तो सांप दूध पीता है और न ही उसे दूध पिलाने की कोई परंपरा रही है। हिंदू मान्यता के अनुसार नाग पंचमी पर विभिन्न प्रकार के सर्प को दूध से स्नान की परंपरा रही है न कि उन्हें दूध पिलाने की। यही कारण है कि नाग देवता की पूजा में उनका दूध से विशेष रूप से अभिषेक किया जाता है।

# साल में सिर्फ आज ही के दिन खुलता है नाग चंद्रेश्वर मंदिर, पूरे साल रहता है बंद

29 जुलाई 2025 को नाग पंचमी मनाई जाएगी, इस दौरान भक्त शिव मंदिर और नाग देवता के मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं। ऐसे ही मध्य प्रदेश में एक ऐसा मंदिर है जो साल में एक बार ही खुलता है, वह भी नाग पंचमी के दिन।।।

नाग पंचमी 29 जुलाई 2025 को मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन घर-घर में नागदेव की पूजा की जाती है। माना जाता है कि नाग देव की पूजा करने से जातकों के घर में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही काल सर्प दोष से भी छुटकारा मिल जाता है। इस दिन नाग देव के मंदिर व शिव मंदिर में पूजा-पाठ का विशेष विधान है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में जो साल में एक बार ही खुलता है वह भी नाग पंचमी के दिन। यह मंदिर मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित है।

**कौन-सा है यह मंदिर?**

इस मंदिर का नाम है नागचंद्रेश्वर मंदिर, यह पूरे वर्ष में केवल एक ही दिन खुलता है, नाग पंचमी के दिन भक्तों को भगवान के दर्शन प्राप्त करने के लिए खोला जाता है। यह मंदिर उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के प्रांगण में स्थित हैं, मंदिर में भगवान शंकर और माता पार्वती विराजमान हैं, इन्हें भगवान नागचंद्रेश्वर विराजमान है।

इस मंदिर में भक्त काफी दूर-दूर से भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन करने और उन्हें दूध चढ़ाने के लिए आते हैं। मान्यता है कि जो भी नागचंद्रेश्वर मंदिर में भगवान के दर्शन करता है वह सभी प्रकार के दोषों से मुक्त हो जाता है। साथ ही माना जाता है कि साल के अन्य दिनों में इस मंदिर के बंद रहने के दौरान स्वयं वासुकी यहां उपस्थित रहते हैं।

**साल में एक बार ही क्यों खुलता है मंदिर?**

माना जाता है कि सर्पराज तक्षक ने भगवान शिव जी को मनाने के लिए कठिन तपस्या की थी। उनकी तप से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने तक्षक को अमरत्व का वरदान दिया। मान्यता है कि उसके बाद से ही नागराज तक्षक ने शंकर जी के सानिध्य में वास करना शुरू कर दिया, लेकिन महाकाल वन में वास करने से पूर्व उनकी मंशा थी कि उनके एकांत में कोई बाधा न आए। इसी कारण सालों से यह प्रथा चली आ रही कि मात्र नागपंचमी के दिन वे दर्शन के लिए सामने आते हैं, शेष समय परंपरा मुताबिक मंदिर बंद रहता है।

**नाग पंचमी तिथि**

नाग पंचमी 2025 का त्योहार 29 जुलाई मंगलवार को मनाया जाएगा। श्रावण शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 28 जुलाई की रात 11:24 बजे से शुरू होकर 30 जुलाई की रात 12:46 बजे समाप्त होगी। चूंकि तिथि का निर्धारण उदय काल से होता है, इसलिए पंचमी तिथि का उदय 29 जुलाई को होगा। इसलिए नाग पंचमी का व्रत और पूजा इसी दिन की जाएगी।

**पूजा का शुभ मुहूर्त**

पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 5:41 बजे से 8:23 बजे तक रहेगा। इस समय में पूजा करने से विशेष फल प्राप्त होते हैं और कालसर्प दोष व सर्पदंश के भय से मुक्ति मिलती है। इस मुहूर्त में नाग देवता की विधिवत पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

# सावन में हर दिन शिवजी को इन नामों से पुकारें और फिर देखें शिव सहस्त्रनाम का चमत्कार

शिव सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ महान पुण्यदायक, दुःख नाशक और इच्छापूर्ति करने वाला है। जो व्यक्ति श्रद्धापूर्वक इसका नित्य पाठ करता है, उसे सिद्धि, शांति, आरोग्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह स्तोत्र समस्त बाधाओं का नाश करता है और भक्त को शिवभक्ति से भरकर कल्याण प्रदान करता है।

एक बार शुद्ध अंतःकरण वाले मुनियों ने सूतजी से निवेदन किया, 'हे महाभाग! हमें यह बताइये कि भगवान शिव के वे सहस्त्र नाम कौन-कौन से हैं, जिनके स्मरण से परम कृपालु महेश्वर शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। कृपया उन नामों की महिमा तथा उनके पाठ से प्राप्त होने वाले फल का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।' सूतजी ने भगवान शंकर के चरणों का ध्यान करते हुए उत्तर दिया, 'हे मुनिगण! शिव के सहस्त्र नाम अत्यंत पुण्यदायक, दोषनाशक और कल्याणकारी हैं। इन नामों का नित्य स्मरण या पाठ करने से सांसारिक दुखों का अंत होता है, साथ ही आत्मा भी परम शांति का अनुभव करती है। जो व्यक्ति श्रद्धा और नियमपूर्वक प्रतिदिन इन नामों का पाठ करता है, वह स्वप्न में भी किसी प्रकार का दुःख नहीं भोगता।'

यह स्तोत्र विशेष रूप से उन लोगों के लिए कल्याणकारी है जो मानसिक अशांति, रोग, ऋण, शत्रु भय या राजकीय संकट से पीड़ित हैं। यदि कोई व्यक्ति विधिपूर्वक इसका सौ बार पाठ करता है, तो उसे जीवन में सुख, सुरक्षा और संतुलन अवश्य प्राप्त होता है। यह स्तोत्र विद्या, धन, आरोग्य, समृद्धि और सदैव शिवभक्ति प्रदान करने वाला है। जो साधक प्रतिदिन प्रातःकाल स्नान करके, शिव की पूजा के उपरांत इन सहस्त्र नामों का पाठ करता है, उसे सिद्धि और अभीष्ट की प्राप्ति सहज हो जाती है। यह स्तोत्र साधक को मोक्ष अर्थात शिव में एकाकार होने का अवसर भी प्रदान करता है। सूतजी ने अंत में कहा, हे मुनीश्वरगण! यह स्तोत्र अत्यंत पवित्र है और पापों का नाश करने वाला है। जो व्यक्ति इसे भक्ति और निष्ठा से सुनता या पढ़ता है, वह इस जन्म में सुखी रहता है और मृत्यु के उपरांत दिव्य गति को प्राप्त करता है।

**शिव सहस्त्रानामावली के कुछ नाम**

शिव के सहस्त्र नामों में छिपी है वह अद्भुत ऊर्जा, जो जीवन के हर अंधेरे को उजाले में बदल सकती है। शिव, आशुतोष, हर, रुद्र, पुष्कर, सदाचार, शंभु, महेश्वर, कपाली, गणेश्वर, देवेदेव, त्रिलोचन, महादेव, वागीश, महायोगी, कालकाल, श्रीकण्ठ, नीलकण्ठ, सुरेश, पशुपति, दक्ष इत्यादि सहस्त्र नामों का वर्णन शिव पुराण में मिलता है। जब हम भगवान शिव के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना से शिव के प्रत्येक नाम का स्मरण करते हैं, तो वह केवल नाम रूपी शब्द नहीं रह जाते, वे चेतना के कंपन बनकर भीतर गहराई तक असर कर व्यक्ति के दुर्भाग्य को दूर करते हैं।

# अंतिम सांसें गिनते हुए क्यों दुर्योधन ने श्रीकृष्ण को दिखाईं 3 अंगुलियां?

महाभारत में दुर्योधन जब युद्ध में परास्त होकर जमीन पर पड़ा था और अपने अंत समय के आने का इंतजार कर रहा था। तब उसे अपनी गलतियों का अहसास होने लगा। तो उसने श्रीकृष्ण की तरफ 3 अंगुलियां दिखाते हुए कुछ कहने का प्रयास किया। फिर श्रीकृष्ण उसके करीब गए और उससे पूछा कि क्या कहना चाहते हो। यही नहीं श्रीकृष्ण ने उसकी आंखों में पड़ी गफलत की धूल भी साफ की। ऐसे में आइये जानते हैं दोनों के बीच क्या बात हुई। और यह प्रसंग इतना रोचक क्यों है।

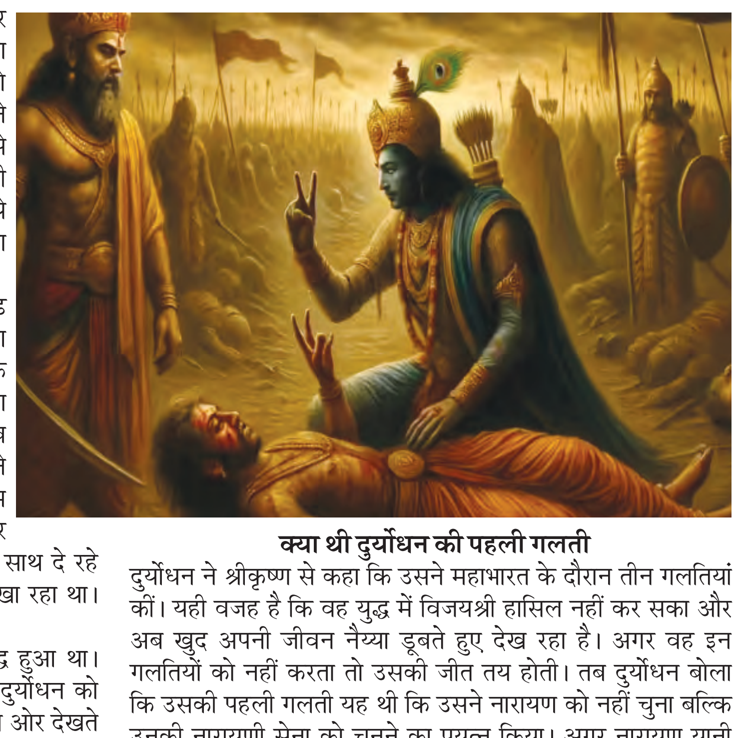

महाभारत का युद्ध अपने अंतिम दौर में था। दुर्योधन का घमंड चूर होने लगा था। यह वही दुर्योधन था जिसे अपनी सेना और साहस पर बड़ा अभिमान था। सबके लाख समझाने के बाद भी वह पांडवों को न पांच गांव देने के लिए तैयार हुआ था और न ही शांति का रास्ता अपनाना चाह रहा था। अब वह जमीन पर पड़ा था। महाबली भीम के गदा के वार ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया था और वह अपनी अंतिम सांसें गिन रहा था। तभी वह भगवान श्रीकृष्ण की ओर देखकर बार-बार अंगुली दिखाने लगा। आखिर पांडवों का साथ दे रहे श्रीकृष्ण को अपने अंतिम समय में दुर्योधन क्यों उंगली दिखा रहा था। आइये जानते हैं महाभारत की ये रोचक कथा।

महाभारत के दौरान दुर्योधन और भीम के बीच भीषण युद्ध हुआ था। तब दुर्योधन भीम के गदा के प्रहार से लहूलुहान हो गया। दुर्योधन को अपनी मृत्यु निकट दिखाई दे रही थी। तब उसने श्रीकृष्ण की ओर देखते हुए तीन अंगुलियां उठाईं और कुछ कहने की कोशिश की। श्रीकृष्ण ने जब दुर्योधन को देखा तो वह उसके करीब गए और जानना चाहा कि वह क्या कहना चाह रहा है। तब दुर्योधन ने अंतिम समय में अपनी गलतियों पर बात की।

**क्या थी दुर्योधन की पहली गलती**

दुर्योधन ने श्रीकृष्ण से कहा कि उसने महाभारत के दौरान तीन गलतियां कीं। यही वजह है कि वह युद्ध में विजयश्री हासिल नहीं कर सका और अब खुद अपनी जीवन नैय्या डूबते हुए देख रहा है। अगर वह इन गलतियों को नहीं करता तो उसकी जीत तय होती। तब दुर्योधन बोला कि उसकी पहली गलती यह थी कि उसने नारायण को नहीं चुना बल्कि उनकी नारायणी सेना को चुनने का प्रयत्न किया। अगर नारायण यानी श्रीकृष्ण उसके साथ होते तो वह जीत सकता था।

**दूसरी और तीसरी गलती**

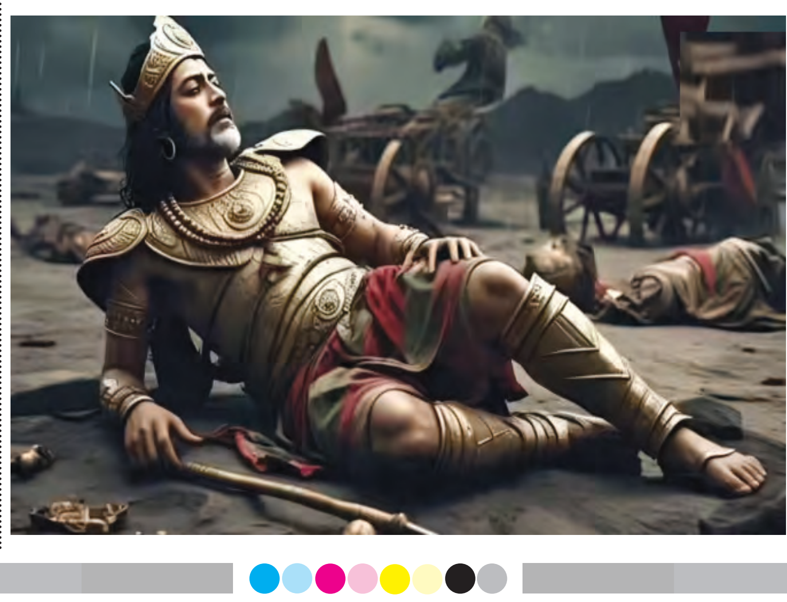

दुर्योधन कहता है कि मेरी दूसरी गलती थी कि मैंने अपनी मां गांधारी के कई बार कहने के बाद भी उनके सामने निर्वस्त्र नहीं गया, बल्कि लंगोट पहनकर गया। अगर मैं लंगोट पहनकर नहीं जाता तो किसी भी योद्धा के प्रहार का मेरे पूरे शरीर पर कोई असर नहीं होता और कोई भी मुझे हरा नहीं पाता। फिर दुर्योधन अपनी अंतिम गलती के बारे में बताता है। दुर्योधन कहता है कि मेरी तीसरी और आखिरी गलती यह थी कि मैं युद्ध में आखिर में गया, जबकि अगर मैं युद्ध में पहले जाता तो मेरे भाइयों, सगे संबंधियों की जान बच सकती थी।

**दुर्योधन को समझ आई अपनी गलती**

इस पर श्रीकृष्ण दुर्योधन को समझाते हैं कि तुम्हारी हार की मुख्य कारण है, अधर्म के रास्ते पर चलना, अपनी कुलवधू द्रौपदी का चीरहरण करना। यही वजह है कि तुमने गलत कर्म किए और अपना भाग्य लिखा। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम अपनी इन 3 गलतियों की वजह से नहीं हारे बल्कि सिर्फ इसलिए हारे क्योंकि तुमने अधर्म की राह चुनी। इस प्रकार अंत समय में दुर्योधन को अपनी सही गलती समझ में आई।

# अनुपम ने बताया किराए के घर में रहने का कारण, बोले- जिंदगी में शांति चाहिए, आज-कल बेटा पिता को बेघर कर देता है

दिग्गज एक्टर अनुपम खेर बॉलीवुड में चार दशक से सक्रिय हैं लेकिन आज भी उनके पास खुद का घर नहीं है। वो किराये के घर में रहते हैं। हाल ही में अनुपम द पावरफुल ह्यूमन्स पॉडकास्ट में शामिल हुए, जहां उन्होंने इस पर बात की और बताया कि कई घर खरीदने के पैसे होने बाद भी वो किराये के घर में क्यों रहते हैं।

अनुपम ने कहा, 'मैं डिप्रेसिंग बातें नहीं करना चाहता। जब इंसान चला जाता है, तब घर को लेकर झगड़ा जरूर हो सकता है। लेकिन पैसों में बंटवारा करना हो, तब ज्यादा झगड़ा नहीं होता है। मैं सुबह पार्क में वॉक करने जाता हूं। मैं बहुत सारे बुजुर्गों को देखता और उनसे बात करता हूं। उनकी कहानियां सुनकर मैं दंग रह जाता हूं। किसी के बेटे ने उसे घर से निकाल दिया है। किसी को अपनी प्रॉपर्टी पर साइन करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मेरे घर में ऐसा माहौल नहीं है। मगर मैं वो सिचुएशन लाऊं ही क्यों। मैं जितना ज्यादा हल्का रहूंगा, उतना ज्यादा ऊपर उड़ सकता हूं।'

इसी पॉडकास्ट में जब अनुपम खेर से पूछा गया कि वो बतौर पिता कैसे हैं और अपने बच्चे को वो क्या सीख देते हैं। इस पर वो बताते हैं कि वो सख्त पिता नहीं हैं और बच्चों को आजादी देने में यकीन रखते हैं।

अनुपम कहते हैं- 'सिकंदर मेरा सौतेला बेटा है। आजकल के बच्चे कुछ भी करने से पहले अपने पिता से इजाजत नहीं लेते। मैं फिल्मों में पिता का रोल करता हूं लेकिन असल जीवन में पिता का रोल नहीं करता। फिल्मों के लिए यह ठीक है। मैं सिकंदर के पास जाकर उसे यह नहीं बताता कि उसे अपना बिजनेस कैसे संभालना चाहिए। बच्चे इस तरीके से नहीं सीखते, और मेरे पिता ने मुझे कभी नहीं बताया कि मुझे क्या करना चाहिए। माता-पिता को अपने बच्चों को एक हद तक फ्रीडम देनी चाहिए ताकि वे अपनी गलतियों से सीख सकें।'

बता दें कि अनुपम खेर ने किरण खेर से साल 1985 में शादी की थी। किरण की पहली शादी बिजनेसमैन गौतम बेरी से हुई थी। उनकी पहली शादी से बेटे सिकंदर हैं। जब किरण और अनुपम ने शादी की उस वक्त सिकंदर की उम्र चार साल थी।

## कपिल शो में परिणीति को छेड़ते दिखे राघव बोले- ये जो बोलती है इसका उल्टा होता है

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के अगले एपिसोड में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा नजर आने वाले हैं। शो का प्रोमो रिलीज किया गया है, जिसमें दोनों की शानदार केमिस्ट्री देखने मिल रही है। शो में राघव और परिणीति अपनी पहली मुलाकात और रिश्ते पर खुलकर बात करते नजर आ रहे हैं। एपिसोड के दौरान, राघव-परिणीति अपनी पहली मुलाकात का किस्सा बताते हैं। दोनों पहली बार लंदन में मिली थे। इस पर राघव कहते हैं कि परी ने अपना लैपटॉप निकाला और गूगल पर राघव चड्ढा की हाइट सर्च किया था। फिर खड़े होकर कहते हैं कि मैं लंबा हूं यार। राघव यही नहीं रुकते है फिर वो मजाकिया अंदाज में कहते हैं, 'ये जो बोलती है, उसका उल्टा

हो जाता है। इसने कहा, मैं कभी किसी पॉलिटिशियन से शादी नहीं करूंगी और नेता से शादी हो गई। अब मैं रोज सुबह इसे उठाकर बोलता हूं, तुम बोल राघव चड्ढा कभी भी भारत का प्रधानमंत्री नहीं बनेगा।' राघव की बात सुनते ही, सेट पर मौजूद सभी लोग हंसने लगते हैं।बता दें कि इससे पहले 18 जुलाई को परिणीति और राघव चड्ढा कपिल शर्मा के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' की शूटिंग के लिए पहुंचे थे। लेकिन शो के दौरान राघव चड्ढा की मां की तबीयत खराब हो गई, जिसके चलते उन्हें शूटिंग के बीच में ही अस्पताल ले जाना पड़ा। शो की शूटिंग बीच में ही रद्द हो गई थी।

परिणीति और राघव साल 2023 में राजस्थान के उदयपुर स्थित लीला पैलेस में भव्य समारोह में शादी के बंधन में बंध थे। इस वेडिंग फंक्शन में दोनों की फैमिली, करीबी दोस्त, फिल्म इंडस्ट्री और राजनीति जगत के कई जाने-माने नाम शामिल हुए।

## पवन कल्याण की फिल्म का औसत प्रदर्शन होता देख मेकर्स ने लिया अहम फैसला, हटाए कई सीन

अभिनेता और आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने ओपनिंग डे पर शानदार शुरुआत की, इसके बाद फिल्म के कलेक्शन में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। अब फिल्म निर्माताओं ने फिल्म से कुछ खराब VFX वाले सीन्स को हटा दिया है। हालांकि, यह फैसला मेकर्स ने बड़ी सावधानी से लिया और अब बदलाव किए गए सीन्स के साथ फिल्म थिएटर्स में दिखाई जा रही है।

### किन सीन्स को मेकर्स ने हटाया?

कृष जगरलामुदी और ज्योति कृष्णा द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशित फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' को दर्शकों के लिए और शानदार बनाने के लिए कुछ सीन्स को हटा दिया गया है। मेकर्स ने रिलीज के बाद फिल्म के क्लाइमेक्स के दौरान दिखाए गए तूफान वाले सीन में से खराब VFX वाले दृश्यों को हटा दिया है। अब फिल्म के इस सीन का अंत अभिनेता बॉबी देओल के डायलॉग- 'तूफान आ रहा' के साथ होता है। इसके अलावा पवन कल्याण द्वारा तीर चलाए जाने वाले सीन को और प्रभावशाली बनाने के लिए कुछ बदलाव किया गया है। इतना ही नहीं इंटरवल के बाद पहाड़ों के किनारे घोड़ों के दौड़ने वाले सीन को भी छोटा कर दिया गया है, जिससे दर्शकों की रुचि और बढ़ाई जा सके।

### फिल्म के प्रदर्शन ने मेकर्स को किया निराश

पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' से मेकर्स को काफी उम्मीदें हैं, लेकिन ओपनिंग डे के बाद फिल्म धीमी पड़ती दिखाई दे रही है। अभी तक चार दिनों में फिल्म ने 75 करोड़ रुपये के करीब की कमाई कर ली है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सीन में किए गए बदलाव दर्शकों को रास आते हैं या नहीं।

### 'हरि हर वीर मल्लु' फिल्म के बारे में

'हरि हर वीर मल्लु' में पवन कल्याण ने मुख्य भूमिका निभाई है। पवन के अलावा फिल्म में बॉबी देओल, निधि अग्रवाल और नरगिस फाखरी भी अहम किरदार में नजर आए हैं। फिल्म की कहानी 17वीं सदी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस फिल्म में पवन कल्याण ने 'वीर मल्लु' नाम के एक बागी योद्धा की भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी एक साहसिक मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें मुगलों से कोहिनूर हीरा चुराने की योजना रची जाती है।

# ट्रोलर्स बोले- शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो

## जरीन खान ने ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए कहा- शादी करने से फिर जवान हो जाऊंगी क्या

एक्ट्रेस जरीन खान ने एज शेमिंग कर रहे उस ट्रोलर को फटकार लगाई है, जिसने उन्हें कहा है कि शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो। एक्ट्रेस ने ट्रोलर को जमकर फटकार लगाई और शादी पर भी अपनी राय रखी।

जरीन खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा है, 'हाय, मैंने कुछ कमेंट्स पढ़े हैं, अपने वीडियो पर, अपनी पोस्ट पर। एक कमेंट है, जो बहुत ज्यादा अलग था। पता है कौन सा 'शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो', तो क्या शादी करने के बाद मैं फिर से जवान हो जाऊंगी। इसका आखिर मतलब क्या है (हंसते हुए)।'

आगे एक्ट्रेस ने कहा है, 'मुझे समझ नहीं आता कि ये हमारी कंट्री में ही है या यूनिवर्सल प्रॉब्लम है। किसी तरह शादी को हर चीज का सोल्यूशन माना जाता है। अगर एक इंसान जिंदगी में फोकस नहीं है, काम-धंधा नहीं कर रहा, तो परिवार का सोल्यूशन होता है कि उसकी शादी करवा दो। ये सोल्यूशन कैसे हो सकता है। एक इंसान जो खुद की जिम्मेदारी नहीं उठा पा रहा, निहत्थे का ख्याल नहीं रख पा रहा है, उसके ऊपर तुम एक और जिम्मेदारी लाद दो। वो तो अपनी जिंदगी भी खराब करेगा और सामने वाले की भी। तो मुझे नहीं लगता इससे काम बनेगा।'

जरीन ने आगे कहा है, 'फिर अगर बच्चा हाथ से निकल गया, जैसा कि हमारी सोसाइटी में हमारे पेरेंट्स के लिए सबसे ज्यादा डरने वाली बात होती है कि बच्ची हाथ से निकल गई। तो उसका भी सोल्यूशन यही है कि शादी करवा दो। शादी कोई मैजिक है क्या। जहां से मैं देख रही हूं आजकल ज्यादातर शादियां 2-3 महीने से ज्यादा नहीं चल रहीं। मुझे तो बिल्कुल नहीं दिख रहा कि शादी हर प्रॉब्लम का सोल्यूशन है।'

इस वीडियो के साथ कैप्शन में जरीन ने लिखा है, 'अब ये और शादी का लड्डू नहीं है, ये अब शादी का लॉलीपॉप बन गया है। आपका क्या ख्याल है।'

बताते चलें कि सलमान खान के साथ वीर से डेब्यू करने वालीं जरीन खान आखिरी बार साल 2021 की फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले में नजर आई हैं।

# अमिताभ बच्चन ने शेयर की फिल्म 'शोले' की पुरानी टिकट, लिखा- इतने में ड्रिंक मिलती है

दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया पर अक्सर दिलचस्प बातें शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने एक फिल्म की टिकट का फोटो शेयर किया है। यह टिकट उन्ही की फिल्म 'शोले' का है। इसकी कीमत 20 रुपये है। अमिताभ ने सोमवार सुबह अपने निजी ब्लॉग पर अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें से एक में टिकट भी था।

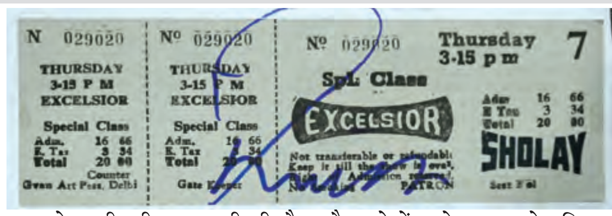


### अमिताभ ने शेयर की शोले की टिकट की तस्वीर

अभिनेता ने बताया कि आज एक पेय की कीमत उतनी ही है जितनी पहले टिकटों की होती थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा 'शोले' का टिकट संभाल कर रखा गया है। इसकी कीमत 20 रुपये है। मुझे बताया गया है कि आजकल सिनेमाघरों में एक ड्रिंक की कीमत यही है। क्या यह सच है?'

### फिल्म 'शोले' के बारे में

साल 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र भी मुख्य भूमिका में थे और यह उस वर्ष भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी। रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित यह फिल्म जय और वीरू (अमिताभ और धर्मेन्द्र द्वारा अभिनीत) नामक दो पूर्व अपराधियों के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों को एक सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी की तरफ से एक डाकू को पकड़ने का काम सौंपा जाता है। फिल्म में अमजद खान, संजीव कुमार, हेमा मालिनी और जया बच्चन भी थीं।

### अमिताभ बच्चन का वर्कफ्रंट

अमिताभ बच्चन जल्द ही फिल्म 'रामायण' में काम करेंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर राम की भूमिका में होंगे जबकि साई पल्लवी सीता का किरदार निभाएंगी। यह फिल्म अंग्रेजी और जापानी समेत दुनिया की कई भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म का बजट 4000 करोड़ रुपये बताया जाता है।

# 39 साल की उम्र में 23 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी एक जानी-मानी बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल हैं, जिन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग और मेहनत से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। आज उनके 39वें जन्मदिन पर जानिए उनकी नेटवर्थ।

### हुमा का करियर

हुमा कुरैशी ने 2012 में फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया और इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया, जैसे लव शव ते चिकन खुराना, डेढ़ इश्किया, बदलापुर, जॉली एलएलबी 2, और बेल बॉटम। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हुमा एक फिल्म के लिए 2-3 करोड़ रुपये की फीस लेती हैं। उनकी फीस प्रोजेक्ट के बजट और उनके किरदार की अहमियत पर निर्भर करती है।

### वेब सीरीज

हुमा ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज की है। उनकी वेब सीरीज महारानी में रानी भारती के किरदार को दर्शकों और क्रिटिक्स ने खूब पसंद किया। इस तरह की वे ब सीरीज से भी उनकी कमाई में इजाफा होता है। वेब सीरीज में काम करने के लिए उनकी फीस भी लाखों में होती है, जो उनके स्टारडम और प्रोजेक्ट की लोकप्रियता पर निर्भर करती है।

### विज्ञापन और ब्रांड एंडोर्समेंट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हुमा ने अपने करियर की शुरुआत में बड़ी कंपनी के साथ दो साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। उन्होंने मोबाइल, पेंट, ऑयल, क्रीम, और साबुन जैसे कई बड़े ब्रांड्स के लिए विज्ञापन किए। ब्रांड एंडोर्समेंट से उनकी कमाई भी काफी अच्छी होती है। एक ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए वह लाखों रुपये चार्ज करती हैं।

### सोशल मीडिया

हुमा सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय हैं और उनके इंस्टाग्राम पर 8.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर अपने फोटोशूट्स और प्रोजेक्ट्स की तस्वीरें शेयर करती हैं। इसके अलावा, वह इवेंट्स, अवॉर्ड शोज, और प्रमोशन्स में भी हिस्सा लेती हैं। सोशल मीडिया के जरिए भी हुमा अच्छी कमाई करती हैं।

### हुमा कुरैशी की नेटवर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हुमा कुरैशी की कुल नेटवर्थ लगभग 22-25 करोड़ रुपये के आसपास है। यह राशि उनकी फिल्मों, विज्ञापनों, वेब सीरीज, और सोशल मीडिया से होती है। उनकी कमाई का मुख्य स्रोत उनकी एक्टिंग प्रोजेक्ट्स और ब्रांड एंडोर्समेंट हैं। हुमा को लग्जरी कारों का भी शौक है। उनके पास कुछ महंगी गाड़ियां हैं, जो उनकी नेटवर्थ का हिस्सा हैं।

# अमाल के अनु पर आरोप पर डब्बू ने चुप्पी तोड़ी

## कहा- उसे ये कहने की जरूरत नहीं थी, कोई किसी का कुछ नहीं छीनता

हाल ही में सिंगर अमाल मलिक ने अपने चाचा पर आरोप लगाए थे कि अनु मलिक उनके पिता डब्बू से फिल्में छीन लेते थे। इस पर अब डब्बू मलिक ने चुप्पी तोड़ी है।

इस बात में कोई दम नहीं है कि अनु जी ने मेरे खिलाफ काम किया या मेरी फिल्में छीन लीं। कॉम्पिटिशन तो होता है। एक आदमी जो उस लाइन का बड़ा से बड़ा आदमी भी है, वो अपनी काबिलियत और मुकाबले की भावना साबित करना चाहता है और किसी को क्या पता था कि एक दिन मैं भी फैमिली से एक और म्यूजिक डायरेक्टर बन जाएगा? मैं खुद इंडस्ट्री के लिए एक 'गुगली' था।

डब्बू मलिक ने ये भी कहा कि परिवार में बातें होती हैं, कभी-कभी मां-बाप की कही बातें बच्चों के मन में भर जाती हैं और वो अपनी समझ से उन्हें एक कहानी बना लेते हैं।

डब्बू मलिक ने कहा, जब हम घर पर एक साथ बैठते हैं चाहे डाइनिंग टेबल पर हों, टीवी देख रहे हों या फिल्म तो कभी-कभी मां-बाप ऐसी बातें कह देते हैं, खासकर जब बच्चे छोटे होते हैं, जो जरूरी नहीं कि पूरी तरह सच हों। कई बार वो बातें काल्पनिक होती हैं या किसी पल की भावना में कही गई होती हैं जैसे, ₹उसने मेरे साथ ऐसा किया था₹ या ₹वो इंसान ऐसा है।₹ लेकिन बच्चे जब ये बातें सुनते हैं, तो वो उनके मन में गहराई से बस जाती हैं। आगे चलकर, 20 साल बाद, वे उन बातों को अपने हिसाब से प्रोसेस करते हैं और उन्होंने अपने मनगढंत कहानी बना ली होती है।

डब्बू मलिक ने आगे कहा, जैसे अभी अमाल ने अनु भाई के बारे में जो बात कही उसकी कोई जरूरत नहीं थी। ये कहने की जरूरत नहीं थी कि उन्होंने मेरी पिक्चर छीन ली। कोई किसी से कुछ नहीं छीनता, ना कोई किसी को कोई बना सकता है, ना कोई

किसी को बिगाड़ सकता है।

डब्बू मलिक ने ये भी कहा कि साल 1999 में जब उन्होंने बतौर संगीतकार शुरुआत की थी, तब कुछ प्रोजेक्ट्स मिलने लगे और अच्छा म्यूजिक भी बनने लगा, लेकिन 2005-06 तक उन्हें यह एहसास हुआ कि वह उस लेवल की सफलता नहीं देख पा रहे, जिसकी उम्मीद थी। इसलिए उन्होंने करियर को लेकर कोई जबरदस्ती नहीं की।

वहीं, अपने बेटों अमाल और अरमान की सफलता को लेकर डब्बू ने कहा, जो सपना मैंने देखा था, जो संकल्प लिया था, वो बिल्कुल वैसे ही पूरे हुए। 'हीरो' सुपरहिट हुई, 'एयर लिफ्ट' का म्यूजिक सुपरहिट रहा, 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया', 'सूरज डूबा है' जैसे गाने हिट हुए। एक के बाद एक फिल्में, गाने, अवॉर्ड्स, फिल्मफेयर सब कुछ छह-सात सालों में मिल गया। ऐसा लगा जैसे किसी ने जादू की छड़ी घूमा दी हो।

डब्बू मलिक ने आगे कहा, अपने बच्चों की सफलता को देखकर मुझे जो सुख, संतोष और आत्मसंतुष्टि मिली, उसने मेरी सारी पिछली असफलताओं को भुला दिया और उस दौर में भी, जब मेरे पास कुछ नहीं था, मैं कभी निराश नहीं हुआ। ना किसी को दोष दिया, ना किसी के खिलाफ बोला। वो मेरी फितरत ही नहीं है।

# 'सैयारा' स्टार अनीत पड्डा के साथ 'न्याय' में नजर आएंगी फातिमा, पुलिस अधिकारी के किरदार में होंगी

फिल्म 'सैयारा' में धूम मचाने के बाद अभिनेत्री अनीत पड्डा अब नई वेब सीरीज 'न्याय' में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ फातिमा सना शेख भी होंगी। निर्देशक करण कपाड़िया और नित्या मेहरा के निर्देशन में बन रही इस सीरीज में फातिमा एक तेज-तर्रार और निर्भीक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगी।

### अनीत पड्डा और फातिमा सना शेख सुर्खियों में हैं

दोनों ही अभिनेत्रियां अपने बेहतरीन काम के लिए इन दिनों सुर्खियों में हैं। फातिमा सना शेख ने फिल्म 'आप जैसा कोई' और 'मेट्रो इन दोनों' में अपने शानदार अभिनय से खूब वाहवाही बटोरी है। वहीं अनीत पड्डा ने फिल्म 'सैयारा' में अपने जबरदस्त अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया है।

### 'सैयारा' से पहले हुई थी शूटिंग

'न्याय' सीरीज एक रोमांचक

ड्रामा थ्रिलर है। अनीत पड्डा ने अपनी फिल्म 'सैयारा' से पहले इसकी शूटिंग की थी और इसमें फातिमा सना शेख पहली बार पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रही हैं। जल्द ही इसे एक प्रमुख ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा।

### क्या है 'न्याय' की कहानी?

बताया जाता है कि नई सीरीज में एक युवा लड़की की कहानी होगी। लड़की का एक ताकतवर धार्मिक नेता यौन शोषण करता है। इसके बाद वह अदालत जाती है। सीरीज में अनीत 17 साल की एक लड़की का रोल निभाएंगी। वह समाज के दबाव के साथ कानूनी दांव-पेंच से लड़ती नजर आएगी। सीरीज में अर्जुन माथुर एक वकील की भूमिका में होंगे।

### 'सैयारा' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। पहले ही दिन इस फिल्म ने 21.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। एक हफ्ते में फिल्म ने 172.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 249.82 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

# चाय फायदेमंद है या नुकसानदायक

हम में से ज्यादातर लोगों के दिन की शुरुआत चाय के साथ होती है। चाय पीना फायदेमंद है या नुकसानदायक इसपर लंबे समय से बहस होती रही है। अध्ययनों में भी इसके मिले-जुले परिणाम देखे गए हैं। कुछ शोध बताते हैं दूध वाली चाय की जगह ब्लैक-टी पीने से कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं जबकि कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि चाय में कैफीन होने के कारण इसके नियमित या ज्यादा सेवन से कई साइड-इफेक्टस भी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो सीमित मात्रा में चाय पीना आमतौर पर ज्यादातर लोगों के लिए नुकसानदायक नहीं माना जाता है, लेकिन अगर आप इसका अधिक या दिन में चार-पांच बार चाय पीते हैं तो इससे कुछ साइड इफेक्ट हो सकते हैं। ज्यादातर समस्याएं चाय में मौजूद कैफीन और टैनिन के कारण होती हैं। तो अगर चाय छोड़ दी जाए तो इससे क्या लाभ हो सकते हैं?

**क्या कहती हैं आहार विशेषज्ञ?**

एक महीने के लिए अगर चाय छोड़ दी जाए तो इससे शरीर पर क्या असर होता है, इस बारे में जानने के लिए हमने पुणे स्थित आहार विशेषज्ञ गरिमा जयसवाल से संपर्क किया। गरिमा कहती हैं, सीमित मात्रा में चाय पीने को नुकसानदायक तो नहीं कहा जा सकता है।वहीं अगर आप बिना दूध-चीनी वाली काली चाय जिसमें इम्युनिटी बढ़ाने वाले मसाले मिले हों, उसका सेवन करते हैं तो इसके कई लाभ भी हो सकते हैं। पर यदि आप रोजाना 4-5 बार दूध वाली चाय पी रहे हैं तो इससे कुछ दीर्घकालिक नुकसान का खतरा जरूर रहता है।

**सुधरने लगती है नींद की समस्या**

चाय में प्राकृतिक रूप से कैफीन होता है, इसलिए इसका अधिक सेवन आपके नींद चक्र को बाधित कर सकता है। कुछ शोध बताते हैं कि कैफीन का अधिक सेवन मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को बाधित कर सकता है। ये हार्मोन मस्तिष्क को संकेत देता है कि सोने का समय हो गया है। नींद की कमी थकान, याददाश्त की कमी के अलावा मोटापे और ब्लड शुगर नियंत्रित न रहने जैसी दिक्कतें भी बढ़ा सकती है।

**छूटने लगती है कैफीन की लत**

कैफीन, आदत बनाने वाला उत्तेजक है, यही कारण है कि चाय या कॉफी पीने की आपको बार-बार इच्छा होती है। समय पर चाय न मिलने से सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, हृदय गति में वृद्धि और थकान जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

**पाचन की दिक्क्तों में आराम**

चाय की पत्तियों में मौजूद टैनिन की अधिकता पाचन के लिए दिक्कतें बढ़ाने लगती है यही कारण है कि कुछ लोगों को ज्यादा चाय पीने के कारण गैस बनने, मतली या पेट दर्द जैसे असुविधाजनक लक्षण हो सकते हैं। नियमित रूप से या रोजाना अधिक चाय के कारण आपको पाचन की गंभीर दिक्कतें भी हो सकती हैं।

एक महीने तक चाय या कैफीन वाली चीजों से दूरी बनाने से पाचन की दिक्कतें ठीक होने लगती हैं, कब्ज-अपच का खतरा कम होता है। पाचन में सुधार के लिए भी ये फायदेमंद है।

# क्या आपके भी उंगलियों के जोड़ों में रहता है दर्द? कहीं ये आर्थराइटिस की समस्या तो नहीं

अक्सर हम अपने शरीर में होने वाले छोटे-मोटे दर्द को नजरअंदाज कर देते हैं, खासकर जब बात जोड़ों के दर्द की होती है। वैसे तो ये दर्द कई बार थोड़े समय के लिए होता है और फिर आराम हो जाता है, लेकिन अगर ये लंबे समय तक बना रहे तो ये आर्थराइटिस का संकेत हो सकता है। अगर सुबह उठते ही आपके उंगलियों के जोड़ में दर्द होता है या शरीर के किसी और जोड़ों में भी दर्द होता है तो ये आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।

आर्थराइटिस एक ऐसी बीमारी है जो आमतौर पर बुजुर्गों में देखने को मिलती है, लेकिन कुछ मामलों में ये युवाओं को भी प्रभावित कर सकती है। उंगलियों के छोटे जोड़ अक्सर इस बीमारी से सबसे पहले प्रभावित होते हैं। अगर आर्थराइटिस के लक्षणों को समय पर पहचान लिया जाए, तो इस बीमारी का प्रबंधन सरल हो सकता है। आइए इस लेख में हम विस्तार से समझेंगे कि उंगलियों के जोड़ों में दर्द का आर्थराइटिस से क्या संबंध हो सकता है, साथ ही इसके लक्षण, कारण और बचाव के उपाय भी जानेंगे।

**आर्थराइटिस के प्रमुख लक्षण**

आर्थराइटिस का सबसे आम लक्षण है जोड़ों में दर्द और जकड़न महसूस होना, खासकर सुबह उठने के बाद या लंबे समय तक बैठे रहने पर। उंगलियों के जोड़ों में सूजन, लालिमा और गर्माहट भी इसके संकेत हो सकते हैं। कुछ मामलों में जोड़ों की गति सीमित हो जाती है, जिससे रोजमर्रा के काम, जैसे बटन बंद करना या पकड़ना, मुश्किल हो जाता है। रूमेटॉइड आर्थराइटिस में थकान और बुखार जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें। अगर आपको

भी ये लक्षण दिख रहे हैं तो किसी डॉक्टर से सलाह लेकर इसी जांच कराएं। रूमेटॉइड आर्थराइटिस की पुष्टि के लिए रूमेटॉइड फैक्टर और एंटी-CCP टेस्ट किए जाते हैं।

**आर्थराइटिस के कारण और जोखिम कारक**

आर्थराइटिस के कारणों में उम्र, आनुवंशिकता, चोट और ऑटोइम्यून विकार शामिल हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस अक्सर उम्र बढ़ने या जोड़ों पर अत्यधिक दबाव के कारण होता है, जबकि रूमेटॉइड आर्थराइटिस में इम्यून सिस्टम गलती से जोड़ों पर हमला करता है। मोटापा, गतिहीन जीवनशैली और विटामिन डी की कमी भी इसके जोखिम बढ़ा देते हैं। महिलाओं में हार्मोनल बदलाव, खासकर मेनोपॉज के बाद, आर्थराइटिस का खतरा बढ़ा सकते हैं।

**बचाव**

आर्थराइटिस से बचाव के लिए वजन नियंत्रित रखना जरूरी है, क्योंकि अतिरिक्त वजन जोड़ों पर दबाव डालता है। संतुलित आहार लें, जिसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड (मछली, अखरोट) और विटामिन डी (दूध, सूरज की रोशनी) शामिल हों। ये हड्डियों और जोड़ों को मजबूत करता है। धूम्रपान और शराब से परहेज करें। दर्द होने पर गर्म सिकाई और हल्की मालिश राहत दे सकती है। लेकिन, अगर आपकी उंगलियों में लगातार दर्द या सूजन बनी रहती है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

# शैम्पू में मिलाकर रीठा लगाने से बालों पर होता है अच्छा असर

बड़ा-छोटा हर व्यक्ति बालों से जुड़ी एक न एक समस्या से जरूर परेशान है। कोई बालों के झड़ने को लेकर चिंता में है तो कोई समय से पहले गंजेपन का शिकार होने की कगार पर है। इन परेशानियों से निजात पाने के लिए हम न जाने कितने तरह के शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी कोई असर नहीं दिखता है।लेकिन एक जड़ी बूटी है, जो आपके शैम्पू के फायदे को और भी ज्यादा बढ़ा सकती है।

हम बात कर रहे हैं रीठा की, जो बालों के लिए बहुत ही ज्यादा फायदेमंद जड़ी बूटी होती है। आज हम आपको इसे बालों पर लगाने का एक खास तरीका बताने वाले हैं, जिसे आजमाने के बाद आपको इसी की लत लग जाएगी और फिर आप हमारे बताए तरीके से ही हेयर वॉश करेंगी। साथ ही हम इसके फायदे और अन्य उपयोगी तरीकों के बारे में भी बताएंगे।

रीठा कोई आज उपयोग होने वाली चीज नहीं है बल्कि काफी पुराने समय से इस जड़ी बूटी का का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये न सिर्फ बालों को मजबूत बनाने बल्कि हेयर फॉल को रोकने, नेचुरल कलर को बनाए रखने और शाइन को बरकरार रखने के साथ-साथ डैंड्रफ को भी कम करने में फायदेमंद होता है। आप कई तरीकों से इसे अपने बालों के लिए उपयोग कर सकते हैं, जिसमें से एक तरीका रीठा को शैम्पू के साथ इस्तेमाल करना। आइए बताते हैं कैसे।

**शैम्पू के साथ मिक्स करें रीठा**

आप में से कई लोग हेयर वॉश के लिए रीठा वाले शैम्पू का इस्तेमाल करते होंगे, लेकिन आज जिस तरीके के बारे में हम बताने वाले हैं वो थोड़ा अलग है और किसी भी शैम्पू के साथ अपनाया जा सकता है।

आपको करना ये है कि नहाने से पहले मग में 2 चम्मच शैम्पू, 1 कप पानी और 1 चम्मच रीठा डालकर मिक्स कर लेना है।

अब 5 मिनट बाद इसे बालों पर रोजाना की तरह शैम्पू करें। करीब 5 मिनट तक इसे बालों पर रहने दें और फिर हेयर वॉश कर लें। बाल सूखने के बाद आपको खुद असर दिखेगा कि बाल छूने में बहुत सिल्की, शाइनी और स्मूथ हो गए हैं। आप हर दूसरे दिन इस नुस्खे को अपना सकते हैं।

**रीठा के तेल से करें बालों की मसाज**

रीठा का तेल आपको आसानी से बाजार में मिल जाएगा, जिससे आप अपने बालों की मसाज कर सकते हैं। हम आपको इस तेल का इस्तेमाल करने के लिए इसलिए कह रहे हैं क्योंकि ये हमारे स्कैल्प में अंदर तक जाकर बालों को जड़ से पोषण देने का काम करता है। आप रोज रात को सोने से पहले रीठा के तेल को बालों पर इस्तेमाल करें और उन्हें मजबूती दे।

**रीठा पाउडर से बनाएं हेयर मास्क**

आपको मार्केट में रीठा साबुत, तेल और पाउडर के रूप में मिल जाएगा। अगर आप बालों पर तेल लगाना पसंद नहीं करते हैं तो हमारे बताएं रीठा हेयर मास्क की इस रेसिपी को अपना सकते हैं। ये स्कैल्प की अंदर तक सफाई करने और बालों को नरिश करने में फायदेमंद है। साथ ही रीठा हेयर मास्क बालों का झड़ना रोकता है और उन्हें घना बनाने में भी मदद करता है।

**रीठा हेयर मास्क बनाने की रेसिपी**

हेयर मास्क बनाने के लिए आपको इन चीजों की जरूरत है-

रीठा पाउडर- 1 चम्मच

दही- 2 बड़े चम्मच

नींबू का रस- 1 चम्मच

ऑलिव ऑयल- 1 चम्मच

विधि- एक कटोरी लें और उसमें रीठा पाउडर और दही को अच्छे से मिक्स करके स्मूथ पेस्ट तैयार कर लें। अब कटोरी में बताई गई मात्रा अनुसार नींबू का रस और ऑलिव ऑयल डालकर मिला लें।

लीजिए तैयार है रीठा हेयर मास्क। अब आप इसे अपने बालों पर लगाएं और 20-25 मिनट तक सूखने के लिए रख दें।

समय पूरा होने के बाद नॉर्मल पानी से हेयर वॉश कर लें।

आप इसका असर देखेंगे कि बालों को धोते समय एक भी बाल नहीं झड़ा होगा।

हफ्ते में 2 दिन इस हेयर मास्क का इस्तेमाल करें और अपने बालों को नरिश करें।

# कैंसर से बचाव करेंगे ये 5 सस्ते फल

कैंसर एक गंभीर और खतरनाक बीमारी है और इस बीमारी से बचाव के लिए आपकी एक अच्छी जीवनशैली और डाइट जरूरी है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचने के लिए आपको अपनी डाइट में उन चीजों को शामिल करने की जरूरत है, जो आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करें और फ्री रेडिकल से होने वाले डैमेज से बचाएं। तो ऐसे में कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए सही आहार का सेवन महत्वपूर्ण है।

इसमें आप अपनी डाइट में कुछ सस्ते फल भी शामिल कर सकते हैं, जो अलग-अलग मौसम में आते हैं।कुछ फल कैंसर के बचाव में बहुत मदद कर सकते हैं, क्योंकि इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर और विटामिन होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। आइए जानते हैं, इसके बारे में।

**अमरूद**

अमरूद में लाइकोपीन नामक यौगिक की उच्च मात्रा होती है, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाव में मदद करती है। लाइकोपीन में प्रोस्टेट और अन्य प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम करने का गुण होता है।

**संतरा**

संतरा में पाया जाने वाला विटामिन सी आपके इम्यूनिटी को स्ट्रांग करता है, जिससे कैंसर जैसे गंभीर बीमारी का जोखिम भी कम होता है। संतरे में एंटीऑक्सीडेंट्स, कैंसर पैदा करने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाव करते हैं।

**सेब**

सेब में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं, खासतौर पर कोलन कैंसर से बचाव मददगार है।

**केला**

केले में पोटेशियम और विटामिन बी 6 की अच्छी मात्रा होती है। इसमें डाइटरी फाइबर भी होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और कोलन कैंसर के जोखिम को कम करने में सहायक होता है।

**अंगूर**

अंगूर में रेस्वेराट्रोल नामक एक पॉलीफेनोल यौगिक होता है, जो एंटी-कैंसर गुणों के लिए जाना जाता है। सीमित मात्रा में इसका सेवन कर के आप कैंसर के खतरे के बच सकते हैं, विशेष रूप से स्किन कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, और कोलन कैंसर से।

# मानसूून में डेंगू के साथ येलो फीवर का भी हो सकता है खतरा

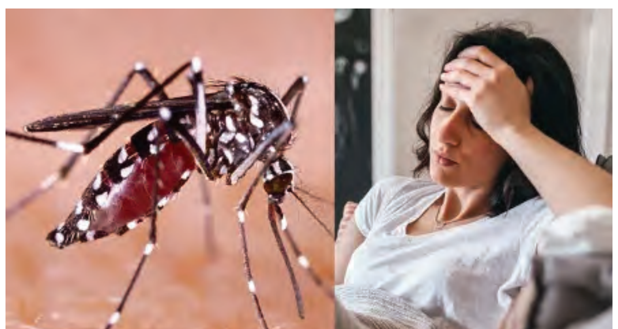

**मानसून के दिनों** में मच्छर जनित रोगों का खतरा काफी बढ़ जाता है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश के कई राज्य इन दिनों डेंगू का प्रकोप झेल रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल सहित पूर्वी राज्यों में भी इस रोग के मामले बढ़े हैं। इस साल अब तक कर्नाटक में डेंगू के 10,000 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जिनमें आठ की मौत हो गई है। दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में भी डेंगू संक्रमण के मामले बढ़ने की खबर है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसून के दिनों में डेंगू के साथ-साथ मच्छरों के कारण होने वाली कई अन्य बीमारियों का भी जोखिम बढ़ जाता है। येलो फीवर भी उनमें से एक है। येलो फीवर को एक गंभीर और संभावित रूप से घातक फ्लू जैसी बीमारी माना जाता है जो उन्हीं एडीज एजिप्टी मच्छरों द्वारा फैलती है, जो डेंगू और जीका वायरस फैलाते हैं।

येलो फीवर के गंभीर रूप लेने का खतरा रहता है। घातक रोग के शिकार 30 से 50 फीसदी रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए जानते हैं कि येलो फीवर क्यों इतना खतरनाक है और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

येलो फीवर वायरस (फ्लेविवायरस) येलो फीवर का कारण बनता है। ये बीमारी भी संक्रमित मच्छरों के किस इंसान को काटने से फैलता है। संक्रमित व्यक्ति से दूसरे लोगों में इसके फैलने का खतरा नहीं होता है। जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है, इस बुखार के कारण त्वचा का रंग पीला पड़ने (पीलिया) का खतरा हो सकता है। संक्रमितों में तेज बुखार के साथ पीलिया होने का जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

**येलो फीवर के लक्षण कैसे होते हैं?**

अध्ययनों से पता चलता है कि येलो फीवर के मामले तेजी से विकसित होते हैं, जिसके लक्षण संक्रमण के 3 से 6 दिन बाद दिखाई देते हैं। संक्रमण के शुरुआती लक्षण इन्फ्लूएंजा वायरस के समान ही होते हैं इसमें बुखार के साथ सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, ठंड लगने की दिक्कत हो सकती है। रोग के गंभीर रूप लेने के कारण जोड़ों में दर्द के साथ पीलिया, भूख न लगने, कंपकंपी या पीठ दर्द की भी दिक्कत हो सकती है। समय पर अगर इसका इलाज न हो पाए तो कुछ लोगों को पेशाब की समस्या, उल्टी होने (कभी-कभी खून के साथ), हृदय गति से संबंधी समस्याएं, दौरे पड़ने और नाक-मुंह से खून आने का भी खतरा हो सकता है।

**येलो फीवर का इलाज और बचाव**

येलो फीवर का कोई इलाज नहीं है। उपचार में लक्षणों को प्रबंधित करने और संक्रमण से लड़ने में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने वाले कुछ उपाय किए जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, येलो फीवर से बचाव के लिए प्रयास करते रहना जरूरी है।

येलो फीवर को रोकने का एकमात्र तरीका टीकाकरण है। इसके लिए 17D नाम का टीका दिया जाता है जो काफी प्रभावी माना जाता है। मच्छरों के काटने से बचाव के तरीके अपनाना भी इस रोग से आपको सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है।

# खांसी-जुकाम का आयुर्वेदिक उपचार

**प्रश्न : खांसी - जुकाम के कारण गला बैठ गया है । बोलने में तकलीफ होती है । आयुर्वेदिक उपचार बताएं।**

**प्रसाद राव, करीमनगर**

उत्तर : सर्दी- ज़ुकाम को आयुर्वेद में प्रतिश्याय के नाम से जाना जाता है। प्रतिश्याय के चलते संक्रमण स्वर यंत्र तक पहुंच जाता है। और स्वर यंत्र के प्रभावित होने के कारण गला बैठ जाता है, आवाज बदल जाती है । ऐसे में नमक के पानी से गरारे करने से राहत मिलती है। ऊंझा खदिरादी वटी के चूसने से स्वर ठीक होने लगता है। इसमें ऊंझा लवंगादि वटी के चूसने से भी आराम मिलता है। ऊंझा कंठ सुधारक वटी गले के बैठने में उपयोगी है। इसमें यष्टिमधु मिला होने के कारण कफ को भी यह आसानी से निकाल देता है। मुलैठी के टुकडे चूसने या मुलेठी धन को उसने से भी राहत मिलती है। हल्का ज्वर रहने की स्थिति में एलेक्झी टिकिया, कफकुठार रस और चौंसठप्रहरी पिपर लेने से लाभ होता है।

गला बैठने की स्थिति में किसी भी प्रकार का मीठा, मिठाई, नमकीन , तले -पदार्थ, ठंडे पेय, आइसक्रीम , कुल्फी व फ्रिज में रखे पदार्थ न खाएं। दही व बासी भोजन से परहेज़ करें। हर भोजन के बाद कुल्ली अवश्य करें। सीधा-साधा , गर्म - ताजा, सुपाच्य भोजन ही करें। ज्यादा बोलने और जोर से बोलने से भी बचे।

**प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है खूनी बवासीर से परेशान हूं। ज्यादा खून जाने से बहुत कमजोरी भी आ गई है। कृपा कर उपचार बताएं।**

**- रमाकांत , सिकंदराबाद**

उत्तर : खूनी बवासीर को आयुर्वेद में ₹ रक्तार्श₹ कहते हैं इसे ही ब्लीडिंग पाइल्स भी कहते हैं। इस रोग का प्रमुख कारण है मलबद्धता यानी कब्जियत। खूनी बवासीर से कमजोरी जल्दी आती है। इसलिए इस रोक को ज्यादा बढ़ने देना उचित नहीं होता। इस रोग में परहेज जरूरी है। हरी मिर्च, लाल मिर्च, काली मिर्च, गरम तासीर की चीजें, बासी भोजन पूरी तरह से बंद कर देना। चाहिए मांसाहारी भोजन का त्याग कर देना चाहिए। बादी की चीजें - खासकर कोहड़ा, अरबी, आलू , भिंडी, गोभी, बैगन, गवारफली ,उड़द की दाल व सभी गरिष्ठ पदार्थ बंद कर देना चाहिए।

* औरा पाइलेज टिकिया ऊंझा, अर्शोघ्नी वटी , शोणितागर्ल रस टेबलेट भोजन के बाद दिन में तीन बार लेवे । खूनी बवासीर में बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

* भोजन के बाद उंझा अभयारिष्ट और ऊंझा वासकासव 15-15मिली लीटर दवा को दोगुने जल के साथ मिलाकर सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

* रक्तार्श के मस्से पर अर्शाकेयर क्रीम लगाएं। या मक्खन में कपूर फेंट कर रख लें। इसे दिन में दो - ती न बा र लगाने से काफी आराम मिलता है।

* रात सोने से पहले सत ईसबगोल 3 भाग त्रिफला चूर्ण एक भाग मिलाकर लेवे या औरा लेक्झोल पाउडर या ऊंझा निरोग चूर्ण सोने से पहले, पानी से लेवे। पंचसकार चूर्ण भी लिया जा सकता है। इन्हीं लेने से कब्जियत मिटेगी और मल शुद्धि में आसानी होगी। कॉन्स्टिपेशन मिटने से खूनी बवासीर भी समाप्त होगा।

**प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। मेरे घुटनों में भयंकर दर्द होता है। उठने -बैठने, चलने- फिरने में कठिनाई होती है। पेट साफ नहीं रहता। कब्ज की शिकायत है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं ।**

**- विश्वनाथ गौड, हैदराबाद**

उत्तर : बढ़ती उम्र में संधिवात की समस्या आम हो गई है। इसे ही ओस्टियोआर्थराइटिस कहते हैं। घुटनों की संधियों में स्थित श्लेषक कफ याने सायनोवियल फ्लुइड कम हो जाने से हड्डियों में घर्षण होने के कारण संधि शोथ और तीव्र पीड़ा होने लगती है। इसका आयुर्वेद में उपचार है । ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, औरा रुमाटाइज टेबलेट, वातगजांकुश रस , ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस की गोली भोजन के बाद पानी से लेवे । भोजन के बाद ही ऊंझा महारास्नादि काढ़ा 15 -15 मिलीलीटर दवा को 3 गुने, गुनगुने पानी में मिलाकर लेवे। दर्द और सूजन दोनों ही कम होने लगेंगे।

रूमूव कैप्सूल को शॉर्ट मिश्रित दूध से लेने पर दर्द में बहुत जल्दी राहत मिलने लगती है ऊंझा महानारायण तेल या रूमाटाईज तैल दर्द वाली संधियों पर सहलाएं या हल्की मालिश करें। ऐसा करने से तुरंत ही फायदा होने लगता है।

गरिष्ठ भोजन, भोजन पर भोजन, तीखे- मिर्च मसालेदार भोजन, बासी भोजन , वातवर्धक आहार- विहार का त्याग करें । ताजा, सं तु लि त , सुपाच्य व पौष्टिक भोजन करें। तनाव - चिंता से दूर रहें। हल्का व्यायाम करना शुरू करें। इन कदमों से जोड़ों का दर्द कम होने लगता है ।


**डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा**

**email :**
purushottambidada
@gmail.com


**आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।**

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

**स्वतंत्र वार्ता**

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

# गुड खाने से मुंह के छालों व कब्ज में मिलेगा आराम

मुंह के छालों का घरेलू इलाज क्या है? डॉक्टर इरफान के अनुसार, यदि समय रहते इनका इलाज नहीं किया गया तो यह छाले घाव बन सकते हैं जो और भी दर्दनाक हो सकते हैं। मुंह में निकलने वाले इन छालों के लिए कई दवाइयां आपको मिल जाएंगी। हालांकि कई बार दवा का असर खत्म होते ही ये छाले दोबारा होने लगते हैं।

अगर आपको भी ऐसे ही समस्या बार बार हो रही है तो यहां हम आपको इस परेशानी से निपटने का एक घरेलू नुस्खा बताएंगे। आपके घर के किचन में एक ऐसी चीज है जो आपके मुंह के छालों को जड़ से खत्म कर सकती है। यहां हम बात कर रहे हैं गुड़ की। गुड़ खाने के एक नहीं बल्कि कई फायदे होते हैं। आइए आपको विस्तार से बताते हैं

**देसी गुड़ है मुंह के छाले की देसी दवा**

गुड़ में एंटीऑक्सीडेंट के अलावा और भी कई गुण पाये जाते हैं जो हमारे शरीर को मजबूत बनाते हैं। देसी गुड़ आपको आसानी से कहीं भी मिल जाएगा। अगर आपको बार बार मुंह में छाले निकल रहे हैं तो देसी गुड़ का छोटा टुकड़ा आपको इस परेशानी से छुटकारा दिला सकता है। आमतौर पर दवाइयों से छाले कम से कम 3 से 4 दिन में ठीक होते हैं, लेकिन इस घरेलू नुस्खे से आपको 1 या 2 दिन में ही राहत मिल सकती है।

**देसी गुड़ खाने का सही तरीका**

देसी गुड़ यानी बिना मसाले वाला गुड़ आपके मुंह के छालों को जड़ से खत्म कर सकता है, लेकिन इसे खाने का भी सही तरीका आपके लिए जानना जरूरी है। गुड़ के एक छोटे से टुकड़े को आप अपने मुंह में रखकर धीरे धीरे चूसे। ध्यान रखिये कि आपको गुड़ को केवल चूसना हैं उसे निगलना या चबाना नहीं है। 10 से 15 मिनट में यह आपके मुंह में ही गल जाएगा। रात को खाने के कम से कम 15 मिनट बाद आप इस देसी गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

**गैस और कब्ज से भी मिलेगी राहत**

अगर आपका पेट साफ नहीं होता है और आपके पेट में अधिक गैस बनती है तो आपको इस देसी गुड़ से काफी फायदा हो सकता है। इसे खाने से आपकी पाचन शक्ति में सुधार आएगा और पेट से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं से आपको छुटकारा मिलेगा।

**जल्द ठीक होगा पेट का अल्सर**

यदि आपको अक्सर पेट में दर्द की शिकायत होती है या फिर पेट में अल्सर की समस्या है तो इस देसी गुड़ से आपकी यह तकलीफ जड़ से खत्म हो सकती है।

**खाने की नली में जख्म के लिए गुड़**

खाना खाते समय यदि आपको निगलने में परेशानी होती है तो यह खाने की नली में जख्म की वजह से हो सकता है। देसी गुड़ से आपका यह घाव भी भर सकता है और आप बिना किसी परेशानी के अपना खाना आसानी से निगल सकते हैं।

# भारत को नहीं चाहिए चीन का पैसा

## दरवाजे बंद रखने के संकेत, ड्रैगन के लिए क्या है मैसेज?

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और चीन के रिश्ते उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहे हैं। हाल में दोनों देशों के संबंधों में कुछ सुधार हुआ है। यह और बात है कि सरकार अभी चीन से आने वाले निवेश पर लगी रोक हटाने के मूड में नहीं है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। उनके मुताबिक, मोदी सरकार की तरफ से प्रेस नोट 3 की समीक्षा करने की कोई योजना नहीं है। प्रेस नोट 3 कहता है कि भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश को हर मामले में सरकार से मंजूरी लेनी होगी। यह ड्रैगन के लिए साफ मैसेज है। यह दर्शाता है कि भारत के लिए अपनी सुरक्षा सर्वोपरि है। जब तक वह आश्वस्त नहीं हो जाता, चीन के लिए वह दरवाजे खोलने का जोखिम नहीं ले सकता है।एक सूत्र के अनुसार, अभी यह बहुत शुरुआती दौर है। प्रेस नोट 3 में ढील देने को लेकर अब तक कोई बात नहीं हुई है। फिलहाल ऐसा किए जाने की संभावना भी कम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्थिक सहयोग के लिए दोनों देशों के बीच अधिक पहुंच और बातचीत की जरूरत का संकेत दिया था। लेकिन, साथ में 'सावधानी' बरतरने पर भी जोर दिया था। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि दोनों देश आर्थिक सहयोग के लिए एक-दूसरे के साथ ज्यादा बातचीत करना चाहते हैं। लेकिन, ऐसा सावधानी से करना होगा।

**2020 में हुआ था एफडीआई पॉलिसी में बदलाव**

अप्रैल 2020 में सरकार ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पॉलिसी में बदलाव किया था। यह बदलाव प्रेस नोट 3 ऑफ 2020 के जरिए किया गया था। इसके मुताबिक, अगर कोई कंपनी भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देश से है या उस कंपनी का मालिक ऐसे देश में रहता है या वहां का नागरिक है तो उसे सरकार के जरिए ही निवेश करना होगा। ऐसी कंपनी का मालिकाना हक अगर भारत की किसी कंपनी को ट्रांसफर किया जाता है तो भी सरकारी मंजूरी जरूरी है। 2020 में गलवान घाटी में संघर्ष के बाद से भारत और चीन के रिश्तों में टेंशन रही है। प्रेस नोट 3 को शुरुआत में महामारी के दौरान कंपनियों को बचाने के लिए लागू किया गया था। लेकिन, अब यह राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण हथियार के तौर पर काम कर रहा है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि आर्थिक संबंधों को दोबारा बहाल करते समय भी राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को कोई खतरा न हो। भारत चीन के साथ आर्थिक सहयोग के मौके तलाशना चाहता है। खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के लिए वह काफी इच्छुक है।

# अमेरिका-यूरोप डील के तुरंत बाद भारत पर दिखने लगे 'साइड इफेक्ट', इन संकेतों से समझिए क्या हो रहा असर

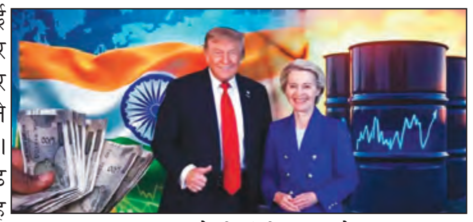

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच व्यापार समझौते को ग्लोबाल बाजारों ने सकारात्मक रूप से लिया है। लेकिन, भारत पर इसके 'साइड इफेक्ट' दिखाई दिए हैं। यह समझौता वैश्विक व्यापार अनिश्चितता को कम कर सकता है। हालांकि, भारत पर इसका प्रभाव उतना सीधा और सकारात्मक नहीं दिख रहा है। भारतीय रुपये और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई), क्रूड की कीमत और शेयर बाजारों की चाल से इसे समझा जा सकता है। यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौता हुआ है। इस समझौते के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत मजबूत हुई है। भारतीय शेयर बाजारों में मायूसी दिखी है। रुपये पर दबाव देखने को मिला है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली बढ़ गई है।

**भारत पर प्रतिकूल असर के संकेत**

डील के ऐलान के बाद रुपये पर दबाव देखने को मिला। इसके अवमूल्यन यानी गरिावट का जोखिम बढ़ गया है। अमेरिका-ईयू व्यापार समझौते के बाद ग्लोबल स्टॉक बढ़े। यूरो मजबूत हुआ। लेकिन, भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.48-86.51 की सीमा में थोड़ा ही बदला। इसमें थोड़ा गिरने का रुझान दिख रहा है। इसकी मुख्य वजह लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी है। जुलाई में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में में लगभग 75 करोड़ डॉलर की शुद्ध बिक्री की है। इससे पिछले तीन महीनों के इनफ्लो का रुझान उलट गया है। 24 जुलाई को ही उन्होंने भारतीय शेयरों में 23.11 करोड़ डॉलर और बॉन्ड में 5.52 करोड़ डॉलर की शुद्ध बिक्री की। यह प्रत्यक्ष रूप से दर्शाता है कि वैश्विक व्यापार में स्थिरता आने के बावजूद विदेशी पूंजी भारत से बाहर निकल रही है। इससे रुपये पर दबाव पड़ रहा है।

**बढ़ते तेल की कीमतें और आयात बिल पर असर**

यूएस-ईयू व्यापार समझौते और चीन के साथ संभावित टैरिफ विराम की उम्मीद से तेल की कीमतें बढ़ी हैं। ब्रेंट क्रूड वायदा 0.4% बढ़कर 68.7 डॉलर प्रति बैरल हो गया। भारत कच्चे तेल (क्रूड) का बड़ा आयातक है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी सीधे तौर पर भारत के आयात बिल को बढ़ाएगी। इससे देश के व्यापार घाटे पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। ऊंची तेल कीमतें महंगाई को भी बढ़ावा दे सकती हैं। इससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पर ब्याज दरों को लेकर दबाव बढ़ सकता है।

**ग्लोबल आर्थिक माहौल में भारत की स्थिति**

अमेरिका-ईयू समझौता ग्लोबल व्यापार युद्ध के एक बड़े टकराव को टालता है। ग्लोबल आर्थिक गतिविधि के लिए जोखिम को कम करता है। हालांकि, यह बड़े आर्थिक ब्लॉकों के बीच द्विपक्षीय समझौतों के बढ़ते रुझान को भी दर्शाता है। भारत भी जबकि अमेरिका के साथ एक खास समझौते की उम्मीद कर रहा है। लेकिन, यह देखना बाकी है कि ग्लोबल व्यापार सौदों में इतनी तेजी से बदलाव के बीच भारत अपनी स्थिति को कैसे मजबूत कर पाता है। अगर विदेशी निवेशक अमेरिका और ईयू जैसे ज्यादा 'स्थिर' और बड़े बाजारों की ओर रुख करते हैं तो भारत जैसे उभरते बाजारों से पूंजी का बाहर जाना जारी रह सकता है।

# शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी

## सेंसेक्स 572 अंक टूटा, निफ्टी 24700 के नीचे

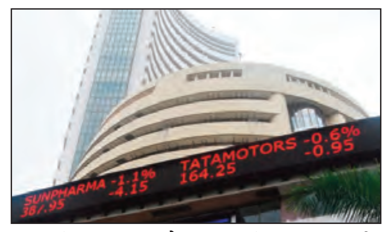

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के चलते प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 572.07 अंक या 0.70 प्रतिशत गिरकर 80,891.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 686.65 अंक या 0.84 प्रतिशत गिरकर 80,776.44 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 156.10 अंक या 0.63 प्रतिशत गिरकर 24,680.90 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में 7.31 प्रतिशत की गिरावट आई। कंपनी ने जून तिमाही में 4,472 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया। बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक और भारतीय स्टेट बैंक भी पिछड़ने वालों में शामिल रहे। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयरों में लाभ रहा।

**यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त**

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

**ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 69.05 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा**

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.91 प्रतिशत बढ़कर 69.05 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,979.96 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। शुक्रवार को सेंसेक्स 721.08 अंक या 0.88 प्रतिशत गिरकर एक महीने के निचले स्तर 81,463.09 पर बंद हुआ। निफ्टी 225.10 अंक या 0.90 प्रतिशत गिरकर एक महीने के निचले स्तर 24,837 पर बंद हुआ।

# एफडीआई बढ़ाने का उद्देश्य बीमा क्षेत्र की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करना, सदन में वित्त मंत्री का जवाब

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने से इस क्षेत्र को अगले पांच साल में 7.1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धि करके अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय बजट 2025-26 में वित्त मंत्री ने बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा मौजूदा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह बात कही है। लोकसभा में एक लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि सीमा बढ़ाने से विदेशी निवेशकों को शेष 26 प्रतिशत के लिए भारतीय साझेदार खोजने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी, जिससे भारत में अपना परिचालन स्थापित करने की प्रक्रिया आसान हो जाएगी, तथा देश में बीमा कंपनियों की संख्या में प्रभावी रूप से वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इससे स्थिर एवं सतत विदेशी निवेश आकर्षित होगा, प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुगम होगा तथा देश में बीमा की पहुंच में सुधार होगा। मंत्री ने कहा कि किसी विशेष बीमा कंपनी में एफडीआई घटक बढ़ाने का निर्णय उसके प्रमोटरों द्वारा लिया जाता है, जो कंपनी की पूंजी आवश्यकता, सॉल्वेंसी आवश्यकता, भविष्य की व्यावसायिक योजनाओं आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के अंतर्गत कवरेज बढ़ाने के लिए बैंकों और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भागीदारी के साथ जमीनी स्तर पर नियमित अभियान चलाए गए। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से 1 जुलाई, 2025 से देश भर में 2.70 लाख ग्राम पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में 3 महीने का 'वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान' शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि इन जनसुरक्षा योजनाओं में पूर्णता प्राप्त करने के लिए बैंकों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर और शहरी स्थानीय निकायों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे निवासियों को योजना में नामांकन के लिए सूचना और सहायता तक सीधी पहुंच उपलब्ध हो रही है।

# ट्रेन में खराब खाने की मिलीं 6,645 शिकायतें कितने पर लगा जुर्माना? रेल मंत्री ने बताया

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रेल की ट्रेनें तो अक्सर देरी से चलती ही है। साथ ही इसमें मिलने वाले पेंट्री कार के भोजन की भी खूब शिकायतें मिलती रहती हैं। अब पिछले साल मतलब कि साल 2024-25 को ही लीजिए। इस दौरान रेल प्रशासन को खाने-पीने की वस्तुओं की खराब क्वालिटी को लेकर 6,645 शिकायतें मिलीं। यह जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में पिछले दिनों दी।

**जुर्माना कितने मामलों में!**

रेल मंत्री ने राज्य सभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि साल 2024-25 के दौरान जहां 6,645 शिकायतें मिलीं। इसी साल 1,341 मामलों में भोजन की सप्लाई करने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया। उन्होंने बताया कि साल 2023-24 में 7,026 शिकायतें मिली थीं जबकि 2022-23 में 4,421 शिकायतें आई थीं। वहीं, साल 2021-22 में खाने की खराब क्वालिटी की 1,082 शिकायतें दर्ज की गई थीं।

**शिकायतों पर क्या हुई कार्रवाई?**

सीपीआई(एम) के एमपी जॉन ब्रिटास ने ट्रेनों में खाने की क्वालिटी और कंपनियों को ठेके देने में पारदर्शिता से जुड़ा सवाल पूछा था। इस पर रेल मंत्री ने बताया कि कुल शिकायतों में से 2,995 मामलों में कैटरिंग ठेकेदार को चेतावनी दी गई। 547 मामलों में उन्हें उचित सलाह दी गई और बाकी बचे 762 मामलों में दूसरे कदम उठाए गए।

**अनहाइजेनिक तरीके से तैयार भोजन को जब्त किया गया?**

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद ने पूछा था कि क्या रेलवे कैटरिंग ठेकेदारों से अनहाइजेनिक तरीके से तैयार भोजन को जब्त किया गया है? इस पर वैष्णव ने बताया अगर खाने में मिलावट या अस्वच्छता पाई जाती है या यात्री शिकायत करते हैं, तो तुरंत कार्रवाई की जाती है ।

# जून में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घटकर 1.5 प्रतिशत पर आई, 10 महीने के निचे स्तर पर; आंकड़े जारी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि जून 2025 में 1.5 प्रतिशत के साथ 10 महीने के निचले स्तर पर आ गई।

सरकार ने सोमवार को इससे जुड़े आधिकारिक आंकड़े जारी किए। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया कारखाना उत्पादन जून 2024 में 4.9 प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने भी मई माह के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पिछले महीने जारी अनुमान 1.2 प्रतिशत था। विकास की पिछली निम्न गति अगस्त 2024 में दर्ज की गई थी, जब उत्पादन वृद्धि स्थिर रही थी। आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री व अनुसंधान व आउटरीच प्रमुख अदिति नायर ने एक बयान में कहा, जून 2025 के उत्तरार्ध में अत्यधिक बारिश से खनन उत्पादन पर असर पड़ने की संभावना है, साथ ही बिजली उत्पादन में भी कमी आएगी, हालांकि पिछले महीने की तुलना में इसकी सीमा कम हुई है। एनएसओ के आंकड़ों से पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि जून 2025 में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.5 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक वर्ष पूर्व इसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। जून 2025 में बिजली उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

# सोने-चांदी के दाम में गिरावट: गोल्ड 98,375 प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी 1135 कम होकर 1.13 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 28 जुलाई को मामूली गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 13 रुपए घटकर 98,375 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोने का भाव 98,388 रुपए पर था।वहीं चांदी की कीमत 1,135 रुपए कम होकर 1,13,207 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,14,342 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

**महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत**

**दिल्ली** : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,080 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,75

**मुंबई** : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,930 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600

**कोलकाता** : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,930 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600

**चेन्नई** : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,930 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600

**भोपाल** : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,980 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,650

**हैदराबाद** : 24 कैरेट के लिए 1,00,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,100

# महीने में एक लाख का वेतन, तब भी हाथ रहता है तंग

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। आपको अक्सर ऐसे व्यक्ति दिख जाते होंगे जो कमाते तो अच्छा है। लेकिन हमेशा तंगी में रहते हैं। कभी-कभी दूसरों से उधार भी लेना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति के पास जैसे ही सैलरी क्रेडिट होने का मैसेज आता है, तुरंत पैसे खर्चने को सक्रिय हो जाते हैं। कभी डिनर, कभी बेतहाशा शॉपिंग, कभी ऐसे सब्सक्रिप्शन जिनका आपको पता भी नहीं होता। ईएमआई तो जाएगा ही जाएगा। फिर महीने के अंत में कहते हैं कि सारी सैलरी कहां चली गई?आप सोच रहे हैं मेरी तो भी यही हालत है, तो आपको भी इसे ध्यान से पढ़ने की जरूरत है। सीए नितिन कौशिक का कहना है कि महीने में 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक कमाने वाले भी अक्सर तंगी महसूस करते हैं। ऐसा इसलिए नहीं है कि वे कम कमाते हैं, बल्कि इसलिए कि वे बार-बार वही गलतियां करते हैं। कौशिक ने ऐसी ही 7 आम वित्तीय गलतियों की सूची बनाई है, जो अक्सर हमलोग करते रहते हैं। आप भी इन गलतियों को जानिए।सीए नितिन कौशिक के मुताबिक महीने में लाख रुपये कमा कर भी तंगी महसूस करने वाले खर्च तो पहले करते हैं, बजट बाद में बनाते हैं। कभी-कभी तो वे बजट भी नहीं बनाते। उन्होंने इसका एक उदाहरण भी दिया है।

मान लीजिए कि एक बड़ी कंपनी में काम करने वाले सुनील कुमार

# सरकारी प्रतिभूतियों में निवेशकों का भरोसा कायम

## आरबीआई ने 36000 करोड़ रुपये के बॉन्ड सफलतापूर्वक बेचे

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने 36,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न की। आरबीआई ने 5.91 फीसदी पर 2028 में परिपक्व होने वाली प्रतिभूति के लिए 6,000 करोड़ रुपये और 6.33 फीसदी पर 2035 में परिपक्व होने वाली प्रतिभूति के लिए 30,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि तय की थी। दोनों नीलामियां पूरी तरह सब्सक्राइब हो गईं। यह सरकारी बॉन्ड के प्रति निवेशकों की मजबूत मांग को दर्शाता है। आंकड़ों के अनुसार 5.91 प्रतिशत जीएस 2028 के लिए 98 प्रतिभागियों से कुल 24,453 करोड़ रुपये के प्रतिस्पर्धी बोली प्रस्ताव मिले। वहीं, 6.33 प्रतिशत जीएस 2035 के लिए 402 बोलियों के जरिए 74,694 करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुईं। मूल्यांकन के बाद, आरबीआई ने 2028 बॉन्ड के लिए 5,998.13 करोड़ रुपये और 2035 बॉन्ड के लिए 29,947.86 करोड़ रुपये की प्रतिस्पर्धी बोलियों को स्वीकार किया। गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां भी पूरी तरह स्वीकार कर ली गईं। इनकी राशि क्रमशः 1.86 करोड़ रुपये और 52.13 करोड़ रुपये थी। प्रतिस्पर्धी बोलियों में कंपनियां, बैंक और अन्य संस्थाएं निश्चित प्रतिफल पर बोली लगाकर प्रतिभूतियों में निवेश करती हैं। इसमें आवंटन सबसे कम बोली लगाने वालों को दिया जाता है। हालांकि, गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियों में खुदरा निवेशक और छोटे संस्थागत भाग लेते हैं और वे वांछित प्रतिफल नहीं देते हैं। दोनों प्रतिभूतियों की नीलामी को प्राथमिक डीलरों से पूरा अंडरराइटिंग समर्थन मिला। 2028 के बॉन्ड के लिए 6,000 करोड़ रुपये और 2035 के बॉन्ड के लिए 30,000 करोड़ रुपये की पूरी अधिसूचित राशि को अंडरराइट किया गया और स्वीकार भी कर लिया गया। यह संकेत देता है कि निवेशक कम रिटर्न के बावजूद सरकारी बॉन्ड्स में निवेश को तैयार हैं, जो इन प्रतिभूतियों में गहरे भरोसे का संकेत है।

## दैनिक पंचांग

### ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 05-57
सूर्यास्त 18-47

| गृह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कर्क | कर्क... | 05-05 बजे |
| चन्द्र | कन्या | सिंह--- | 07-17 बजे |
| मंगल | सिंह | कन्या... | 09-23 बजे |
| बुध | कर्क | तुला---- | 11-29 बजे |
| गुरु | मिथुन | वृश्चिक.. | 13-39 बजे |
| शुक्र | मिथुन | धनु...... | 15-53 बजे |
| शनि | मीन | मकर... | 17-59 बजे |
| राहु | कुंभ | कुंभ.... | 19-49 बजे |
| केतु | सिंह | मीन.... | 21-27 बजे |
| | | मेष..... | 23-03 बजे |
| | | वृष.... | 00-48 बजे |
| | | मिथुन.. | 02-49 बजे |

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि - पंचमी 00-46 तक उपरान्त षष्ठी
मास - श्रावण शुक्ल, मंगलवार 29 July
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 19-27 तक उपरान्त हस्त
योग - शिव 03-04 तक उप सिद्ध
करण - बव 12-01 तक उप बालव
विशेष -
व्रत त्योहार - नागपंचमी

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 15-36 से 17-13 तक**

**पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710**

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 05-57 - 07-32 | शुभ | काल. | 18-47 - 20-13 | शुभ |
| उत्पात | 07-32 - 09-09 | अशुभ | लाभ | 20-13 - 21-36 | शुभ |
| चंचल | 09-09 - 10-46 | अशुभ | उत्पात | 21-36 - 22-59 | अशुभ |
| लाभ | 10-46 - 12-23 | शुभ | शुभ | 22-59 - 00-23 | अशुभ |
| अमृत | 12-23 - 13-59 | शुभ | अमृत. | 00-23 - 01-46 | शुभ |
| काल | 13-59 - 15-36 | शुभ | चंचल | 01-46 - 03-09 | अशुभ |
| शुभ | 15-36 - 17-13 | अशुभ | रोग | 03-09 - 04-33 | शुभ |
| रोग | 17-13 - 18-47 | शुभ | काल | 04-33 - 05-57 | शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में मदद मिलती है। भावनात्मक तीव्रता आपको परियोजनाओं को और अधिक गहराई से तलाशने के लिए प्रेरित करती है। आप जुनून और हताशा के बीच फंसे हुए महसूस कर सकते हैं, लेकिन जमीन पर टिके रहें।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
शांत, केंद्रित मानसिकता आपको कार्यों को मजबूती और निरंतरता के साथ करने में मदद करती है। आपको कुछ क्षणों के लिए हिचकिचाहट या संयम का अनुभव हो सकता है, लेकिन निरंतर प्रयास सफलता सुनिश्चित करता है। पढ़ाई में किसी भी देरी के साथ धैर्य रखें। व्यावहारिक बुद्धि आपके विकास में सहायक होती है।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपकी कार्य करने की इच्छा प्रबल है, जो पेशेवर रूप से ज़िम्मेदारी संभालने की आपकी इच्छा को और मज़बूत करती है। आत्मविश्वास और करिश्मा दूसरों का नेतृत्व करना और उन्हें प्रेरित करना आसान बनाते हैं। रिश्तों में तनाव उभर सकते हैं, लेकिन आपकी भावनात्मक अंतर्दृष्टि आपको उन्हें सावधानी से संभालने में मदद करती है।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपकी दृढ़ता बढ़ती है, जो आपको काम या शिक्षा में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। उत्साह आपकी गति को बढ़ाता है और आपको चुनौतियों का डटकर सामना करने के लिए प्रेरित करता है। फिर भी, ऊर्जा में कमी के प्रति सचेत रहें, जो अति-प्रतिबद्धता या अस्पष्ट निर्णयों का कारण बन सकती है।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी प्रेरणा और अनुशासन आपको काम पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद करते हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, लेकिन भावनात्मक कार्यस्थल स्थितियों में सतर्क रहें। एक व्यावहारिक मानसिकता अच्छे निर्णयों का समर्थन करती है। संघर्षों से बचें और सार्थक अनुभवों को अपने मार्ग को आकार देने दें। आज का अधिकतम लाभ उठाने के लिए अपने कार्यों के प्रति सजग और जागरूक रहें।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
सूर्य के कर्क राशि में होने के कारण, व्यावहारिक कार्यों में ज़मीनी स्तर पर बने रहने पर ध्यान दें। मेष राशि में चंद्रमा आपकी महत्वाकांक्षा को बढ़ाता है, लेकिन आवेगपूर्ण निर्णय भी ले सकता है। आपकी भावनाओं और तर्क के बीच तनाव उभर सकता है, इसलिए चुनौतियों का सामना शांति से करें। आज आपका अंतर्ज्ञान मज़बूत है।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपका आत्मविश्वास बहुत मज़बूत है, जो आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। तीव्रता और जुनून आपके प्रयासों को आगे बढ़ाते हैं, आपको बड़ी उपलब्धियों की ओर धकेलते हैं। सतर्क रहें और जल्दबाजी से बचें, क्योंकि छोटी-छोटी गलतियाँ हो सकती हैं। निरंतर समर्पण और देखभाल के साथ, आप वास्तविक प्रगति करने और अपने काम में सफलता पाने के लिए तैयार हैं।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
साहसी ऊर्जा आपको अपने करियर में मजबूत कदम उठाने में मदद करती है, जबकि नए विचार आपकी सोच को दिशा देते हैं। सावधानीपूर्वक योजना बनाने से स्थिर प्रगति होती है। आप कुछ आंतरिक तनाव महसूस कर सकते हैं, इसलिए अपना ख्याल रखना याद रखें। ध्यान और संतुलन के साथ, आपकी कड़ी मेहनत आज पुरस्कृत परिणाम लाएगी।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की ।

**मकर** भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
कर्क राशि में सूर्य के होने से आपके कार्य जीवन को लाभ मिलता है, जो विनम्रता और भावनात्मक अंतर्दृष्टि को प्रोत्साहित करता है। मिथुन राशि में चंद्रमा अनुकूलनशीलता और जिज्ञासा लाता है। सूर्य त्रिकोण शनि आपके दृढ़ संकल्प और ध्यान को बढ़ाता है। हालाँकि आपकी संवेदनशीलता एक कमजोरी की तरह लग सकती है।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके करियर को आत्मविश्वास और दयालुता के मिश्रण से लाभ मिलता है। आप दूसरों की ज़रूरतों के प्रति जागरूक रहते हुए दैनिक कार्यों में सबसे आगे रहते हैं। सहायक व्यक्ति, विशेष रूप से महिलाएँ, आज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। विचारशील संचार सहकर्मियों के साथ मजबूत, स्थायी बंधन बनाने में मदद करता है।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप भावनात्मक रूप से तेज और सुरक्षात्मक हैं, परिस्थितियों को सावधानी और सूझबूझ के साथ संभाल रहे हैं। एक जीवंत मनोदशा आपको कुछ नया करने या साहसिक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करती है। जबकि प्रेरणा उत्थान विचारों से आ सकती है, जमीन पर टिके रहें और यथार्थवादी बनें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# छत्तीसगढ़ में दो नन की गिरफ्तारी, संसद के बाहर प्रदर्शन

## राहुल गांधी बोले- ये बीजेपी-आरएसएस का भीड़तंत्र, विपक्ष बोला- अल्पसंख्यकों को बदनाम कर रहे, धर्मांतरण-मानव-तस्करी के आरोप झूठे

रायपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में केरल की 2 कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी को लेकर दिल्ली में संसद के बाहर प्रदर्शन हुआ है। मिशनरी सिस्टर्स को धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप में पकड़ा गया है। गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को केरल से विपक्ष के सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर लिखा- छत्तीसगढ़ में 2 कैथोलिक ननों को उनकी आस्था के कारण निशाना बनाकर जेल भेज दिया गया। यह न्याय नहीं, बल्कि भाजपा-आरएसएस का भीड़तंत्र है।

यह एक खतरनाक पैटर्न को दर्शाता है। ये बीजेपी के शासन में अल्पसंख्यकों का सिस्टेमैटिक उत्पीड़न है। यूडीएफ सांसदों ने संसद में विरोध प्रदर्शन किया। हम चुप नहीं बैठेंगे। धार्मिक स्वतंत्रता एक संवैधानिक अधिकार है। हम ननों की तत्काल रिहाई और इस अन्याय के लिए जवाबदेही की मांग करते हैं।

वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'हमने ननों की हिरासत के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। वे केरल की रहने वाली हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में काम कर रही हैं।'

उन्होंने कहा कि 'वे नियमों के तहत 3 युवतियों को नौकरी के लिए ले जा रही थीं, लेकिन वहां की (छत्तीसगढ़) सरकार और बजरंग दल ने आरोप लगाया कि यह तस्करी का मामला है और वे युवतियों को धर्मांतरण के लिए ले जा रही थीं। यह पूरी तरह से झूठ था।'

केसी वेणुगोपाल ने कहा- 'ननों ने पुलिस को बताया कि हम उन्हें कानूनी तौर पर ले जा रहे हैं और हमारे पास उनके माता-पिता की अनुमति है, लेकिन पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी। भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं'।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा -मैं 25 जुलाई को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर हुई घटना की निंदा करती हूं। दो ईसाई ननों-सिस्टर वंदना और सिस्टर प्रीति को बिना किसी कानूनी आधार के हिरासत में लिया गया। उन पर धर्मांतरण और मानव तस्करी के झूठे आरोप लगाए गए हैं। ये अल्पसंख्यक अधिकारों पर एक गंभीर हमला है। प्रियंका गांधी ने आगे लिखा यह केवल एक मामला नहीं है। भाजपा शासन में अल्पसंख्यकों को सिस्टेमैटिक रूप से परेशान और बदनाम किया जा रहा है। भीड़ द्वारा न्याय और सांप्रदायिक निशाना बनाने का हमारे लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। कानून का शासन कायम रहना चाहिए।

**दीपक बैज बोले- कार्रवाई को सार्वजनिक करे सरकार**

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने इस मामले में कहा कि भाजपा की सरकार धर्मांतरण के नाम पर केवल राजनीति कर रही है। जिस तरह से ये मामला सामने आया है, सरकार को निष्पक्ष ढंग से जांच करनी चाहिए। पूरी कार्रवाई को सार्वजनिक करना चाहिए। सरकार इसे राजनीतिक एजेंडा बनाकर काम कर रही है।

# दो बच्चों को संभालते हुए जेपीएससी में पायी सफलता

## 142वां रैंक पा कर चाईबासा की सीमा बनी प्रशासनिक अधिकारी, दूसरे प्रयास में हुई सफल

चाईबासा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। चाईबासा की न्यू कॉलोनी गांधी टोला निवासी सीमा चौधरी ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में 142वां रैंक हासिल कर अपने परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

यह उपलब्धि इसलिए और भी खास मानी जा रही है क्योंकि सीमा एक गृहिणी हैं। दो छोटे बच्चों की मां हैं। उन्होंने घरेलू जिम्मेदारियों के साथ-साथ प्रशासनिक सेवा की कठिन परीक्षा में सफलता पाई है।

सीमा चौधरी चक्रधरपुर की रहने वाली हैं, जहां से उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उनका परिवार चाईबासा आ गया। सीमा की शादी डेयरी फॉर्म चलाने वाले राकेश कुमार से हुई। शादी के बाद उन्होंने अपने सपनों को नहीं छोड़ा, बल्कि नए हौसले के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ीं। उनका कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी बनना उनका सपना था, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने लगातार तीन वर्षों तक मेहनत की। सीमित समय में, घरेलू जिम्मेदारियों और बच्चों की देखभाल के बीच, उन्होंने पढ़ाई का क्रम नहीं टूटने दिया। वे रांची स्थित एक संस्थान से ऑनलाइन कोचिंग लेती थीं और उसी मार्गदर्शन में अपनी तैयारी को अंतिम रूप देती रहीं।

सीमा बताती हैं कि इस सफलता के पीछे उनके पति राकेश कुमार, सास और पूरे परिवार का भरपूर सहयोग रहा। पति ने न सिर्फ मानसिक रूप से समर्थन दिया, बल्कि घर के कामकाज में भी हाथ बंटाया, जिससे सीमा को पढ़ाई के लिए समय मिल सका।

यह उनका दूसरा प्रयास था और इस बार उन्हें झारखंड वित्त सेवा में नियुक्ति मिली है। उनकी सफलता न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि उन सभी अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

# सावन का तीसरा सोमवार भोरमदेव में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा

## रायपुर के हटकेश्वरनाथ का रामलला स्वरूप में श्रृंगार अमरकंटक में छत्तीसगढ़ के कांवड़ियों के लिए बनेगा रेस्ट-हाउस

रायपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सावन का आज तीसरा सोमवार है। शिवालयों में शिव भक्तों की भारी भीड़ लगी है। रायपुर के हटकेश्वरनाथ महादेव का रामलला स्वरूप में श्रृंगार किया गया है। कवर्धा में कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश की गई। सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव और स्पीकर रमन रायपुर से हर-हर महादेव का जय घोष करते हुए रवाना हुए थे। जहां ऊंचाई से कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए।

इससे पहले सीएम साय ने मीडिया से चर्चा में कहा था कि, 146 करोड़ से भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। वहां पर आने वाले लोगों के लिए नई सुविधाओं का निर्माण होगा। हम मध्यप्रदेश में भी प्रयास कर रहे हैं कि अमरकंटक में वहां की सरकार हमें जमीन देगी तो कांवड़ियों के ठहरने के लिए व्यवस्था की जाएगी। बता दें कि अमरकंटक से लगभग 100 किलोमीटर की पैदल यात्रा करके भक्त भोरमदेव शिव मंदिर में जल चढ़ाने पहुंचते हैं।

सावन के तीसरे सोमवार को छत्तीसगढ़ के प्रयागराज कहे जाने वाले राजिम के कुलेश्वर महादेव में पंचकोशी यात्रा की शुरुआत हुई। यहां त्रिवेणी संगम के बीच स्थित कुलेश्वर महादेव में जलाभिषेक करने भक्त सुबह से पहुंचे। इस मंदिर की मान्यता है कि वनवास काल के दौरान माता सीता ने कुलेश्वर महादेव की स्थापना नदी के बालू से किया था। क्षेत्र के प्रसिद्ध पंचकोशी की यात्रा की शुरुआत भी इसी स्थान से होता है। अभनपुर के पूर्व विधायक धनेंद्र साहू ने कुलेश्वर महादेव के अभिषेक के साथ इस साल भी हमेशा की तरह पंचकोशी यात्रा की शुरुआत की। दुर्ग जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा निकाली गई। शिवनाथ नदी से जल लेकर भक्त पूरे उत्साह के साथ हर-हर भोलेनाथ के जयकारा लगाते 33 किलोमीटर की यात्रा पूरी की और देवबलौदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भगवान को जल अर्पित किया।

# नक्सलियों को बड़ा झटका, 34.99 लाख जब्त

## जमीन के नीचे से बरामद हुआ कैश, हथियार खरीदने के लिए होता इस्तेमाल

चाईबासा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए 34 लाख 99 हजार रुपए बरामद किए हैं। यह रकम भाकपा माओवादी संगठन द्वारा अवैध रूप से वसूली गई लेवी की बताई जा रही है। गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

चाईबासा के पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने बताया कि उन्हें इनपुट मिला था कि भाकपा माओवादी के सदस्यों ने एक गुप्त स्थान पर बड़ी रकम छिपाकर रखी है। इसी सूचना के आधार पर इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया और भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। एसपी ने बताया कि बरामद की गई रकम को नक्सली हथियार और विस्फोटक खरीदने में उपयोग करने वाले थे।

# बिलासपुर में फिर अज्ञात वाहन ने 18 गायों को कुचला

## नेशनल-हाईवे में बिखरे मिले मवेशियों के शव, 13 दिन में दूसरी-घटना, हाईकोर्ट का आदेश बेअसर

बिलासपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रविवार रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन नेशनल हाईवे पर बैठे मवेशियों को कुचल दिया, जिससे 18 गायों की मौत हो गई। जबकि, करीब आधा दर्जन 5 मवेशी घायल हैं। गौ-सेवकों ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है।

हादसे के बाद ड्राइवर वाहन लेकर भाग निकला। घटना की जानकारी अगले दिन सुबह मिली। बता दें कि 13 दिन के अंदर यह दूसरी घटना है। इससे पहले 14 जुलाई को रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर अज्ञात वाहन ने 14 गायों की जान ले ली थी। 15 जुलाई को हाईकोर्ट ने सरकार से भी सवाल किए थे कि सड़क पर बैठे मवेशी कब हटाओगे बताओ।

जानकारी के मुताबिक, मस्तूरी-रायपुर नेशनल हाईवे पर कड़ार-सारधा चौक के पास 27 जुलाई की रात हमेशा की तरह सड़क पर गाय, बैल और बछड़ों का झुंड बैठा हुआ था। इस दौरान तेज रफ्तार वाहन ने गायों को अपनी चपेट में ले लिया।

**गौ सेवकों ने जताया विरोध, थाने में कराई एफआईआर**

28 जुलाई को अगले दिन सुबह गौ सेवकों को घटना की जानकारी मिली। इसके बाद आक्रोशित गौ सेवक मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल गौवंशों को इलाज के लिए भेजा। साथ ही पास ही सड़क किनारे गड्ढा खोदकर मृत पड़े गायों का अंतिम संस्कार किया।

जिसके बाद मामले की शिकायत चकरभाठा थाने में की। गौ सेवकों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पिछले 15 दिन से कलेक्टर संजय अग्रवाल लगातार अफसरों की लगातार मीटिंग ले रहे हैं, जिसमें उन्हें सड़क पर बैठे मवेशियों को हटाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने मवेशियों को सड़क पर छोड़ने वाले गौ पालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

करीब 13 दिन पहले जब हादसा हुआ, तब एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर वाहन चालक के साथ ही मवेशी मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। हालांकि, इसके बाद भी सड़क पर मवेशी बैठने का सिलसिला नहीं थम रहा है।

रतनपुर के साथ ही सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के सिलपहरी नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे बैठे मवेशियों को ट्रक ने कुचल दिया था।

सिरगिट्टी चकरभाठा के बीच सिलपहरी-धुमा के पास नेशनल हाईवे पर ट्रक ने सड़क किनारे बैठे 16 मवेशियों को कुचल दिया था। सभी की मौत हो गई थी।

मस्तूरी-सीपत मार्ग पर सड़क किनारे बैठे मवेशियों को ट्रक ने कुचल दिया था। जिससे बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत हुई थी।

रतनपुर नेशनल हाईवे पर भैंस से टकराने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। वहीं, उसके पीछे बैठा युवक घायल हो गया।

रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर बारीडीह के पास तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पर बैठे मवेशियों के झुंड को कुचल दिया, जिससे 14 गायों की मौत हो गई। वहीं, पांच मवेशी घायल हो गए। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद भी हादसों पर नहीं लग रहा लगाम।

बता दें कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सड़कों पर घूम रहे मवेशियों को हटाने के लिए राज्य शासन को आदेश जारी कर चुका है। लेकिन, सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिसकी वजह से लगातार हादसे हो रहे हैं।

तखतपुर-मुंगेली, कोटा रोड, मस्तूरी, चकरभाठा के साथ ही सीपत रोड़ में शाम ढलते ही सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा रहता है। लगातार हो रहे हादसों पर हाईकोर्ट ने कई बार राज्य सरकार और जिला प्रशासन को जवाब मांगा और आदेश भी जारी किया है।

# बेजुबान लंगूर को गलती के लिए डंडों से पीटा

## अब निर्दयी लोगों पर होगी एफआईआर

बोकारो, 28 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के बोकारो जिले में बचाव अभियान के दौरान एक लंगूर को कथित तौर पर लोगों के एक समूह ने लाठियों से पीटा। यह लंगूर पूर्व में कम से कम 20 लोगों को घायल कर चुका है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जंगली बेजुबान पर वन विभाग हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। बोकारो के मंडल वन अधिकारी (डीएफओ) रजनीश कुमार ने बताया, 'हम लंगूर की पिटाई करने वाले लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने जा रहे हैं। लोगों की पहचान की जा रही है।' उन्होंने बताया कि लंगूर ने पिछले 15 दिनों से बोकारो स्टील सिटी में आतंक फैला रखा है जिससे स्कूली छात्रों सहित कम से कम 20 लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'लोगों में लंगूर के प्रति गुस्सा था। बचाव अभियान के लिए वन विभाग से संपर्क किया गया था, इसलिए हमने पिछले चार दिनों से लंगूर को पकड़ने की कोशिश की।

# मंदिर सजाने गए युवक की मिली लाश

## परिजनों ने जताया हत्या का शक, जमशेदपुर में जमकर हंगामा, बीच सड़क आगजनी

जमशेदपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में एक 26 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान गौड़ बस्ती कृष्णा नगर निवासी विशाल महतो के रूप में हुई है। उसका शव सोमवार सुबह रोड नंबर 1 के पास एक मकान की छत पर मिला।

परिजनों के अनुसार, विशाल रविवार रात करीब 11 बजे सूर्य मंदिर सजाने की बात कहकर घर से निकला था। उसने घरवालों से कहा था कि वह देर रात फोन करेगा और फिर लौट आएगा। रात करीब 1 बजे जब पिता विकास महतो ने उसे कॉल किया, तो उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिला। सुबह करीब 5 बजे पुलिस की ओर से कॉल आया, जिसमें बताया गया कि विशाल का शव एक मकान की छत पर पड़ा है। मौके पर उसका मोबाइल फोन भी मिला। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह हत्या नहीं, बल्कि एक हादसा है। जिस मकान की छत पर शव मिला, वहां से हाई टेंशन तार गुजरता है। पुलिस का मानना है कि संभवतः विशाल किसी उद्देश्य से छत पर चढ़ा और हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, मकान मालिक का कहना है कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि छत पर कोई मौजूद है। सुबह जब वे उठे तो उन्होंने विशाल का शव देखा। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के पिता ने हत्या की आशंका जताई है। मामले की गहन जांच की मांग की है। शव मिलने की खबर के बाद स्थानीय लोगों ने थाने के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और लोगों को समझाने में जुटी हुई है।

# हरियाणा में सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या

## छत्तीसगढ़ से 1 महीने की छुट्टी पर आया था, 3 दिन पहले बेटा पैदा हुआ, पत्नी अभी अस्पताल में

सोनीपत, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्यारे रविवार की देर रात में उसे घर से बुलाकर ले गए और गोली मार दी।

गोली की आवाज सुनते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो जवान उन्हें लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। परिजन तुरंत उसे अस्पताल में ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही सदर गोहाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान गांव खेड़ी दमकन निवासी कृष्ण के रूप में हुई है।

कृष्ण वर्तमान में छत्तीसगढ़ में तैनात था और एक महीने की छुट्टी लेकर घर आया था। जवान 2 बच्चों का पिता था, जिनमें से एक बच्चे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ है। उसकी पत्नी अभी भी अस्पताल में भर्ती है।

पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि हाल ही में जवान हरिद्वार से कांवड़ लेने गया था, जहां कुछ युवकों से उसका झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश में उसकी हत्या करने की बात सामने आई है। फिलहाल, पुलिस ने खुलासे के लिए चार टीमों को लगाया है।

# रांची में पावर ग्रिड लूट कांड

## पुलिस ने 9 अपराधियों को गिरफ्तार किया

रांची, 28 जुलाई (एजेंसियां)। रांची के नामकुम स्थित झारखंड विद्युत वितरण निगम के पावर ग्रिड में धावा बोलकर लूटपाट करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में नौ अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अपराधियों में दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली, राजेश कुमार सिंह उर्फ भोला, शाहिद अंसारी उर्फ जटला, ललन कुमार भुईंया उर्फ बौना, जितु कुमार सिंह उर्फ जिजुवा, फुरकान मल्लिक, बिरेन्द्र बेदिया उर्फ घोंची, दीपक कुमार सोनी और जितेन्द्र कुमार शामिल हैं। इनके पास से ऑटो, कटर मशीन, कॉपर स्ट्रीप, प्लेट एंगल, कनेक्टर और नौ मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 15 जुलाई की रात 10-12 की संख्या में अपराधियों ने पावर ग्रिड पर हमला किया था। सब स्टेशन के कर्मचारियों को बंधक बनाकर लाखों के सामान की लूटपाट की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की गई थी।

इस टीम ने टेक्निकल सेल की मदद से संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों का सरगना दिनेश लोहरा को बताया गया है। उसने पुलिस को बताया कि 10 साथियों के साथ मिलकर उसने इस घटना को अंजाम दिया था। पावर ग्रिड से लूटे गए सामान और उपकरण पुंदाग स्थित फुरकान मल्लिक और दीपक कुमार सोनी की कबाड़ी दुकानों में बेचे गए थे।

इन दुकानदारों ने माल 253 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदकर एक लाख 73 हजार रुपये दिए। इसके बाद दीपक ने सारा माल पटना के परेव इलाके में जितेंद्र कुमार की फैक्ट्री में चार लाख रुपये में बेच दिया।

# सरकारी कर्मचारी प्रदीप गोस्वामी के घर पर एसीबी की दबिश

## धनबाद एसीबी की टीम पांच गाड़ियों से पहुंची, पंजाबी मुहल्ला स्थित घर पर छापेमारी

गिरिडीह, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले में एक बार फिर एसीबी की टीम ने दबिश डाली है। इस बार एसीबी के रडार पर सरकारी कर्मचारी प्रदीप गोस्वामी हैं। प्रदीप पहले जिला स्थापना शाखा में पदस्थापित थे। बाद में उनका स्थानांतरण पीरटांड प्रखंड कार्यालय में हो गया। धनबाद एसीबी की टीम पांच गाड़ियों से सोमवार को प्रदीप गोस्वामी के पंजाबी मुहल्ला स्थित घर पर पहुंची।

टीम ने घर को चारों ओर से घेर कर छापेमारी शुरू कर दी। घर के बाहर चारों ओर सुरक्षाबलों के जवानों की तैनाती भी की गई है। सूत्रों के अनुसार, प्रदीप गोस्वामी पर पूर्व से भी आय से अधिक संपत्ति का मामला चल रहा है।

# फूड प्वाइजनिंग से बीमार हुईं छात्राएं

## 5 छात्राओं को अस्पताल में कराया भर्ती, परिजनों का आरोप- उठक-बैठक के बाद बिगड़ी तबीयत

जमशेदपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के पटमदा प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में सोमवार को एक गंभीर मामला सामने आया है। विद्यालय की पांच छात्राएं अचानक बीमार हो गईं। उन्हें गंभीर हालत में एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर लाया गया। प्रारंभिक जांच में सभी छात्राएं फूड प्वाइजनिंग की शिकार पाई गईं।

बीमार छात्राओं की पहचान पूर्णिमा महतो, मनीषा, दयावती और प्रमाणिक अष्टमी महतो के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, सभी छात्राओं की स्थिति अब स्थिर है। उनका इलाज एमजीएम अस्पताल के बाल वार्ड में चल रहा है।

बीमार छात्राओं के परिजनों का आरोप है कि विद्यालय में सुबह के नाश्ते में देरी हुई। इससे गुस्साए प्रबंधन ने छात्राओं को दंड स्वरूप उठक-बैठक करने को मजबूर किया। इसके बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने कहा कि यह एक तरह की मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना है। यह छात्राओं के स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक साबित हुआ।

इस घटना से ग्रामीणों और छात्राओं के परिजनों में गहरा आक्रोश है। इधर, स्कूल की प्राचार्य रजनी मुर्मू ने कहा कि यह मामला फूड प्वाइजनिंग का मामला है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि इसकी जांच की जाएगी। अगर जांच में कोई भी शिक्षक दोषी पाया जाएगा तो उचित कार्रवाई की जाएगी। डॉक्टरों का कहना है कि जब तक रक्त परीक्षण की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक कुछ भी कहना संभव नहीं है।

# कंधे पर महादेव की प्रतिमा लेकर देवघर पहुंचे कांवड़िए

## 25 युवाओं की टोली ने किया बाबा का जलाभिषेक, 108 किमी की यात्रा पूरी की

देवघर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सावन के पावन महीने में भगवान भोलेनाथ को रिझाने के लिए गिरिडीह के राजधनवार से 25 युवाओं की एक टोली देवघर पहुंची। इस टोली की खास बात यह है कि ये युवा कंधे पर शिवजी की प्रतिमा लेकर चलते दिखे। यह प्रतिमा गुड़िया प्लास्टिक से बनी हुई है। इसका वजन तकरीबन 30 किलो बताया जा रहा है।

**पैदल यात्रा करके बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचते हैं**

ये कांवरिए सुल्तानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा से जल लेकर बाबा बैद्यनाथ को जलार्पण करने पहुंचे। टोली के सदस्यों ने बताया कि उन सभी की बाबा भोलेनाथ पर असीम आस्था है। वे हर साल 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा करके बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचते हैं।

इस बार उन्होंने कुछ विशेष करने की सोची। भगवान शिव की प्रतिमा को अपने कंधों पर बिठाकर कांवड़ यात्रा पूरी की। कांवरियों का कहना है कि बाबा को अपने साथ लेकर चलने से उन्हें शारीरिक कष्ट महसूस नहीं होता।

रास्ते में उन्हें किसी तरह की कोई कठिनाई का सामना भी नहीं करना पड़ा। यह बाबा बैद्यनाथ के प्रति समर्पण का एक जीवंत उदाहरण है।

कांवरिए काफी उत्साहित दिखाई दिए। उन्होंने अपनी आकर्षक कांवड़ के साथ बाबा पर जलार्पण किया।

# अमेरिकी वीजा पाना होगा मुश्किल?

## बी1/बी2, एच-1बी प्रोग्राम में बड़े बदलाव, बच्चों-बूढ़ों को देना होगा इंटरव्यू, भारतीयों पर असर

वॉशिंगटन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश विभाग ने अपने गैर-आप्रवासी (नॉन इमिग्रेंट) वीजा साक्षात्कार प्रोग्राम में कई बड़े बदलावों की घोषणा की है। ये बदलाव इस साल 2 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगे। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने इन बदलावों की जानकारी दी है। नए नियमों 18 फरवरी की नीति को उलटते हुए पात्रता को कड़ा कर दिया गया है। 14 वर्ष से कम और 79 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों के लिए अब विशिष्ट वीजा श्रेणियों और नवीनीकरण अपवादों को छोड़कर व्यक्तिगत साक्षात्कार की आवश्यकता होगी। भारत के लोग इससे खासतौर से प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि अमेरिका में रहने वाले विदेशियों में भारतीयों की बड़ी संख्या है।

विदेश विभाग के अनुसार, इस बदलाव का उद्देश्य सुरक्षा बढ़ाना है। हालांकि इससे यात्रियों में प्रक्रिया समय और पहुंच में वृद्धि को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। नए दिशानिर्देशों के तहत अधिकांश गैर-आप्रवासी वीजा आवेदकों को अनिवार्य कॉन्सुलर साक्षात्कारों का सामना करना पड़ेगा। इसमें ए-1, ए-2, सी-3, जी-1 से जी-4, नाटो-1 से नाटो-6, और टेकरो ई-1 वीजा आवेदकों, राजनयिक और आधिकारिक वीजा धारकों को छूट मिलेगी। यूएससीआईएस का कहना है कि वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों को अभी मामला-दर-मामला या स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर व्यक्तिगत साक्षात्कार की आवश्यकता हो सकती है। हम आवेदकों को वीजा आवेदन आवश्यकताओं और प्रक्रियाओं के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी के लिए दूतावास की वेबसाइट देखने की सलाह देते हैं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वैश्विक सुरक्षा चिंताओं के बीच आव्रजन प्रक्रियाओं की कड़ी जांच के बाद यह नीतिगत बदलाव किया है। इसमें विदेश विभाग अधिकारियों को व्यक्तिगत जोखिमों से निपटने के लिए लचीलेपन पर जोर दे रहा है। यूएससीआईएस के नए नियमों के बाद ह्यूस्टन स्थित आव्रजन वकील स्टीवन ब्राउन ने कहा है कि इससे आवेदकों को लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि वे मूल रूप से अधिकांश श्रेणियों के लिए ड्रॉपबॉक्स (साक्षात्कार में छूट) को समाप्त कर रहे हैं। इससे अपॉइंटमेंट के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा और वीजा नवीनीकरण के लिए यह कम प्रभावी होगा।

# नेतन्याहू के लिए गले की हड्डी बने हूती

## कहा- गाजा पर हमला नहीं रोका तो हर इजराइली जहाज को उड़ाएंगे

सना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर इजराइल और उसके समर्थन वाले जहाजों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। हूतियों ने साफ कहा है कि अब वे इजराइल से जुड़े हर जहाज को अपना निशाना बनाएंगे, चाहे वह दुनिया के किसी भी हिस्से में क्यों न हो। यह बयान ऐसे समय आया है जब रेड सी और अरब सागर में पहले ही हूतियों के हमलों से समुद्री परिवहन में रुकावटें आ रही हैं।

हूती प्रवक्ता याह्या सारी ने रविवार को एक वीडियो बयान में कहा कि इजराइल से जुड़े सभी कमर्शियल, तेल या हथियार ले जाने वाले जहाज अब उनके रडार पर हैं। उन्होंने कहा कि जब तक गाजा पर इजराइल हमले बंद नहीं होते, तब तक वे अपने 'सैन्य प्रतिरोध' को जारी रखेंगे। इससे पहले भी उन्होंने अमेरिकी और ब्रिटिश जहाजों को चेतावनी दी थी, लेकिन अब उन्होंने अपने दायरे को और बढ़ा दिया है।

हूतियों ने यह भी कहा है कि वे उन सभी देशों को भी निशाना बना सकते हैं जो किसी भी रूप में इजराइल का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल हितों की रक्षा करने वाली हर शिपिंग कंपनी या देश उनके निशाने पर रहेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर और गहरा असर पड़ सकता है, खासकर रेड सी और हिंद महासागर के रूट्स पर।

अमेरिका ने हूतियों के पिछले हमलों के जवाब में यमन में कई एयरस्ट्राइक किए थे। अब जब हूतियों फिर से ऐसी धमकी दी है, तो माना जा रहा है कि पश्चिमी देश एक बार फिर कड़े कदम उठा सकते हैं। हालांकि, अमेरिकी सेना की तरफ से इस नए बयान पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

हूतियों की धमकी से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों में चिंता बढ़ गई है। पिछले कुछ महीनों में कई जहाज हूतियों के ड्रोन और मिसाइल हमलों का शिकार हुए हैं, जिनमें भारतीय और फिलीपीन मूल के नाविक भी घायल हुए हैं।

# कुंग फू की जन्मस्थली पर बवाल

## विश्व विख्यात शाओलिन मंदिर प्रमुख पर गंभीर आरोप, कई महिलाओं के साथ संबंधों में बैठी जांच

बीजिंग, 28 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के प्रतिष्ठित शाओलिन मंदिर के प्रमुख शी योंगक्सिन गंभीर आरोपों के घेरे में आ गए हैं। उन पर कई महिलाओं से यौन संबंध बनाने और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मंदिर की ओर से बयान जारी करते हुए इसकी जानकारी दी गई है। मंदिर प्रशासन ने रविवार को कहा कि शाओलिन के मठाधीश शी योंगक्सिन पर गबन, यौन दुराचार और बौद्ध नियमों को तोड़ने के आरोप में आपराधिक जांच चल रही है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के हेनान प्रांत में स्थित मंदिर प्रशासन ने कहा कि शी योंगक्सिन पर प्रोजेक्ट फंड और मंदिर की संपत्ति का दुरुपयोग करने और लंबे समय तक कई महिलाओं के साथ अनुचित संबंध रखने और विवाहेतर संतान पैदा करने का संदेह है। शाओलिन मंदिर चीन ही नहीं बल्कि विश्व के सबसे प्रसिद्ध बौद्ध मठों में शामिल है। इसे बौद्ध धर्म और शाओलिन कुंग फू (मार्शल आर्ट) का जन्मस्थान माना जाता है।

### पहले भी लगे आरोप

59 साल के शी योंगक्सिन पहली बार विवादों में नहीं आए हैं। वह पहले भी कई तरह के आरोपों से घिरते रहे हैं। पूर्व में भी उन पर फंड के गबन और कदाचार के आरोप लगे थे। हालांकि जांच में उन पर लगे आरोप साबित नहीं हुए और उनको सभी आरोपों से बरी कर दिया। शी चार दशक से ज्यादा समय से मंदिर से जुड़े हैं। शी योंगक्सिन बहुत कम उम्र में ही साल 1981 में शाओलिन मंदिर में आ गए थे और 1999 से वह इस मंदिर के मठाधीश हैं। शी चीन के बौद्ध संघ के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। वह चीन की शीर्ष कानून बनाने वाली संस्था नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में भी काम कर चुके हैं। ऐसे में उनको प्रभावशाली लोगों में गिना जाता है।

शाओलिन मंदिर की स्थापना 495 ईस्वी की मानी जाती है। इस मंदिर की पहचान जेन बौद्ध धर्म की जन्मस्थली की होने की लाखों लोगों की आस्था यहां है। हालांकि यह इस मंदिर की प्रसिद्धि की अकेली वजह नहीं है। शाओलिन मंदिर को चीनी कुंग फू मार्शल आर्ट के जन्मस्थान के रूप में भी जाना जाता है। मंदिर मार्शल आर्ट संस्कृति की वजह से इस मंदिर का जिक्र कई फिल्मों में हुआ है। जेट ली की एक फिल्म का नाम ही शाओलिन टेंपल है।

# सदी के सबसे बड़े सूर्य ग्रहण से पहले सितंबर में होगा आंशिक ग्रहण

### भारत में दिखेगा या नहीं?

कैनबरा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दुनियाभर में खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों का ध्यान फिलहाल साल 2027 में होने वाले पूर्ण सूर्य ग्रहण पर है, जिसे सदी का ग्रहण कहा जा रहा है। हालांकि इससे पहले मौजूद साल में आसमान में एक खास घटना होने जा रही है। इस साल, 2025 का आखिरी सूर्य ग्रहण 21 सितंबर को होने जा रहा है। यह आंशिक सूर्य ग्रहण होगा, जिसमें चंद्रमा सूर्य के केवल एक भाग को ढकेगा।

21 सतंबर का सूर्य ग्रहण 2025 का दूसरा और आखिरी ग्रहण होगा। यह देर रात करीब 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू होगा और 22 सितंबर तड़के 3:24 बजे तक चलता रहेगा। जब यह ग्रहण होगा तो दुनिया के कई क्षेत्रों में रात का समय होगा। ऐसे में यह हर जगह दिखाई नहीं देगा। केवल उन देशों के लोग ग्रहण देख पाएंगे, जहां उस समय दिन का समय होगा।

नासा के अनुसार, 21 सितंबर 2025 को आंशिक सूर्य ग्रहण पूर्वी ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका और दक्षिण प्रशांत महासागर के ऊपर के क्षेत्रों से दिखाई देगा। यह ग्रहण भारत, यूरोप, अफ्रीका या अमेरिका में दिखाई नहीं देगा। यह ग्रहण जिन क्षेत्रों में ग्रहण दिखेगा, वहां भी यह बराबर नहीं होगा। यह स्थानीय समय और मौसम की स्थिति के आधार पर अलग-अलग होगा। दक्षिण अटलांटिक महासागर के किनारे इसकी सीमित दृश्यता हो सकती है। सूर्य ग्रहण तब होता है, जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच आ जाता है।

# चीन ने ईरान को दिया राफेल से टक्कर लेने वाला जे-10सी विमान

## पीएल-15 मिसाइल से है लैस, वीडियो देख टेंशन में इजरायल

तेहरान, 28 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल के भीषण हवाई हमले के बाद से ही अटकलें शुरू हो गई थीं कि ईरान अब चीन से फाइटर जेट खरीद सकता है। इस बीच चीनी सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें कहा गया है कि ईरान को चीन से 40 जे-10 सी फाइटर जेट मिल गया है। खुद को वार रीसर्च सोसायटी से बताने वाले यूजर किन लिनताओ ने बताया कि ईरान को चीन से जे-10 सी फाइटर जेट का पहला जत्था मिल गया है। इस वीडियो में दावा किया गया है कि चीनी जे-10 सी विमान पीएल-15 एयर टु एयर मिसाइल, स्टील्थ तकनीक, शक्तिशाली रडार और युद्धक क्षमताओं से लैस है। यह वही जे-10 विमान है जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी वायुसेना ने भारत के राफेल फाइटर जेट के खिलाफ किया था।

इससे पहले इजरायल ने चीन से अपील की थी कि वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल ईरान को सैन्य और परमाणु ताकत बढ़ाने से रोकने में करे। कुछ समय पहले इजरायल की शंघाई में महावाणिज्य दूत रावित बाइर ने कहा था, 'चीन एकमात्र देश है जो ईरान को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। ईरान बर्बाद हो सकता है अगर चीन उससे तेल खरीदना बंद कर दे।' उन्होंने कहा कि चीन ईरान पर दबाव डाल सकता है। उनके पास ईरान के ऊपर राजनीतिक ताकत है। बता दें कि ईरान का 90 फीसदी तेल चीन खरीदता है। दोनों के बीच 25 साल के लिए समझौता हुआ है। इसके बदले में चीन ईरान को अत्याधुनिक तकनीक और हथियार देगा।

इजरायल के इस अनुरोध के बाद भी माना जा रहा है कि चीन ने ईरान को 4.5 पीढ़ी का जे-10 सी फाइटर जेट दे दिया है। इससे पहले ईरान रूस से सुखोई-35 फाइटर जेट खरीद रहा था लेकिन यह सौदा लटक गया है। रूस ने ईरान को सुखोई-35 का ऑफर दिया था और उसके बदले में ईरानी ड्रोन तथा मिसाइलें मांगी थीं। ईरान के शहीद-136 ड्रोन यूक्रेन युद्ध का पर्याय बन गए हैं। रूसी सेना हजारों की तादाद में यूक्रेन पर इस ईरानी ड्रोन से हमले करके तबाही मचा चुकी है। माना जा रहा है कि रूस से सुखोई-35 मिलने में देरी के बाद ईरान ने चीन से जे-10 सी खरीदा है। हालांकि अभी तक ईरान या चीन ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। चीन के इस कदम से अब इजरायल का भड़कना तय माना जा रहा है जो लगातार फिर से हमले की धमकी दे रहा है। इससे पहले पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने भारत के राफेल जेट पर जे-10 फाइटर जेट और पीएल 15 मिसाइल की मदद से हमला किया था। पाकिस्तान के इस दावे के बाद चीन अब इसे मध्य पूर्व और अफ्रीका के देशों को बेचने में जुट गया है। चीन चाहता है कि अमेरिका विरोधी देशों को जे-10 सी बेचकर हथियारों के बाजार पर कब्जा किया जा सके।

# एक लीक फोन कॉल से थाईलैंड-कंबोडिया में जंग छिड़ी

बैंकॉक, 28 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सुबह 6 बजे मुठभेड़ शुरू हुई। दस मिनट तक चली गोलीबारी में कंबोडियाई सेना के लेफ्टिनेंट सुओन रौन की मौत हो गई। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगाया।

इस घटना के बाद थाईलैंड और कंबोडिया ने सीमा पर और ज्यादा सैनिक तैनात कर दिए। इसे शांत करने के लिए थाईलैंड की तत्कालीन पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा ने 15 जून को कंबोडिया के पूर्व पीएम हुन सेन को फोन लगाया।

दोनों नेताओं के बीच 17 मिनट बात हुई जो कि लीक हो गई। इससे थाईलैंड की सियासत में भूचाल आ गया और शिनवात्रा को महज 15 दिन में इस्तीफा देना पड़ा और आखिर में 24 जुलाई को थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष शुरू हो गया।

अब तक इसमें 33 लोगों की मौत हो चुकी है, 2 लाख से ज्यादा लोग पलायन कर चुके हैं। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता से दोनों देश सीजफायर वार्ता को तैयार हो गए हैं।

### थाईलैंड और कंबोडिया में 118 साल पुराना विवाद

साल 1907 में जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तब दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी। थाईलैंड ने इसका विरोध किया, क्योंकि नक्शे में प्रीह विहियर (प्रिय विहार) मंदिर कंबोडिया के हिस्से में दिखाया गया था।

वहीं, ता मुएन थॉम मंदिर को थाईलैंड में दिखाया गया, जबकि कंबोडिया इसे अपना मानता है। ऐसे में दोनों ही देश सीमा विभाजन से खुश नहीं थे। इस पर दोनों देशों में विवाद चलता रहा। हालांकि इस विवाद के बावजूद दोनों देशों के नेताओं के बीच अच्छे संबंध रहे हैं।

# पृथ्वी की तरफ तूफानी रफ्तार से बढ़ रहा विशालकाय 'एलियन शिप'

## नवंबर में टक्कर की चेतावनी, सच होगी बाबा वेंगा की भविष्यवाणी?

वॉशिंगटन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मौजूदा साल, 2025 को लेकर बुल्गेरियाई की नेत्रहीन भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने बड़ा दावा किया है। यह दावा एलियंस के धरती पर आने से जुड़ा है। साल 1996 में अपने निधन से पहले बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि 2025 में पृथ्वी का एक अलौकिक जीवन से संपर्क होगा। बाबा वेंगा की ये भविष्यवाणी सच साबित हो सकती है क्योंकि वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एलियन का यान पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है।

प्रीप्रिंट सर्वर arXiv, न्यूयॉर्क पोस्ट और साउथ वेस्ट न्यूज सर्विस की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैज्ञानिकों की टीम ने चेतावनी दी है कि एलियंस का एक अंतरिक्ष यान पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। यह यान इसी साल नवंबर में धरती पर हमला कर सकता है। यह यान आकार में किसी शहर जितना बड़ा है और तेजी से पृथ्वी की तरफ बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक जुलाई को 3आई/एटलास नाम की इस वस्तु का पता चला है। यह 1,30,000 मील प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से सूर्य की ओर बढ़ रही है। खगोलविदों ने पुष्टि की है कि इसकी उत्पत्ति हमारे सौर मंडल के बाहर से हुई है। शुरुआती जांच से पता चला है कि यह 15 मील व्यास का एक धूमकेतु हो सकता है, जो अमेरिकी शहर मैनहट्टन से भी बड़ा है। इनिशिएटिव फॉर इंटरस्टेलर स्टडीज के शोधकर्ता एवी लोएब, एडम हिबर्ड और एडम क्राउल का कहना है कि यह कोई धूमकेतु नहीं है। इन तीनों एक्सपर्ट ने अपने शोधपत्र में यह प्रस्तावित किया है कि 3आई/एटलास कोई प्राकृतिक वस्तु नहीं बल्कि छद्म रूप में किसी अलौकिक जासूसी तकनीक का एक नमूना हो सकता है। हार्वर्ड के खगोलभौतिकीविद् लोएब का तर्क है कि 3आई/एटलास में कई असामान्य विशेषताएं हैं। इसमें एक अनोखा प्रक्षेप पथ और असाधारण रूप से तेज गति शामिल है।

# थाईलैंड के बैंकॉक में बुजुर्ग ने लोगों पर फायरिंग की

## 6 की मौत, 3 घायल, हमलावर ने खुद को भी गोली मारी

बैंकॉक, 28 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एक फूड मार्केट में 61 वर्षीय शख्स ने अंधाधुंध फायरिंग कर कम से कम छह लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली। फायरिंग में 3 लोग घायल भी हुए हैं। घटना सोमवार को बैंकॉक के मशहूर ऑर टॉ कॉर मार्केट में हुई। यह पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है।

पुलिस के मुताबिक हमलावर की पहचान मिस्टर नोई के नाम से हुई है। वह मौके पर ही मृत पाया गया। बैंकॉक के बंग सू जिले के डिप्टी पुलिस चीफ वोरापत सुकथाई ने बताया कि फिलहाल इसे मास शूटिंग माना जा रहा है।

# चीन के दबाव में सांस्कृतिक मंच हुआ राजनीति का शिकार

## बदला गया ताइवान का झंडा और नाम

टोक्यो, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित इंटरनेशनल कोयर प्रतियोगिता एक बड़े राजनीतिक विवाद में घिर गई है। ताइवान ने इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में चीन द्वारा राजनीतिक दबाव डालने पर कड़ा विरोध जताया है।

ताइवान का आरोप है कि चीन के हस्तक्षेप के बाद आयोजकों को उनके देश का झंडा हटाना पड़ा और नाम बदलकर चाइनीज-ताइपेई कर दिया गया। इस घटना से न केवल कलाकारों की भावनाएं आहत हुई हैं, बल्कि सांस्कृतिक मंच पर राजनीतिक दखल की आलोचना भी तेज हो गई है।

प्रतियोगिता में ताइवान के छह कोयर ग्रुप शामिल थे, जिनमें स्कूली बच्चों से लेकर वयस्क कलाकार शामिल थे। आयोजकों पर चीन के अधिकारियों ने दबाव डाला कि ताइवान का नाम बदलकर 'चाइनीज-ताइपेई' किया जाए और राष्ट्रीय ध्वज हटाया जाए।

ताइवान के प्रतिनिधि कार्यालय को शनिवार शाम इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद एक विधायक को इस मुद्दे पर आयोजकों से बातचीत के लिए भेजा गया।

जापान के सांसद केइजी फुरुया ने ताइवान की तरफ से आयोजकों से बात की और उसका पक्ष रखा। लेकिन आयोजकों ने अंततः चीन के दबाव में आकर सभी झंडे हटा दिए और नाम बदल दिए। ताइवान के कार्यालय ने कहा कि यह केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसे राजनीतिक दखल से दूषित किया गया। इससे पहले छह वर्षों तक ताइवान इसी नाम से प्रतियोगिता में भाग लेता रहा है।

### संगीत में राजनीति नहीं होनी चाहिए- ताइवान

ताइवान के प्रतिनिधि कार्यालय ने बयान में कहा कि संगीत राष्ट्रीय सीमाओं से परे होता है और यह सभी के लिए आनंद का माध्यम है। उन्होंने कहा कि चीन ने इस कला रूप को भी विकृत कर दिया और यह निंदनीय है। उन्होंने युवा कलाकारों के समर्थन में 16 प्रतिनिधियों की एक टीम को कार्यक्रम में भेजा, ताकि उनका हौसला बना रहे।

जापान में ताइवान के प्रतिनिधि ली यी-यांग ने कहा कि हालिया सर्वे बताते हैं कि जापानी जनता ताइवान को एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश मानती है, जबकि चीन को लेकर उनकी धारणा नकारात्मक है। उन्होंने कहा कि चीन की ऐसी रणनीतियां केवल उसके असली चेहरे को उजागर करती हैं और दुनिया ताइवान के साथ खड़ी होती है। प्रतिनिधि ली ने आगे कहा कि ताइवान अपनी लोकतांत्रिक पहचान, सांस्कृतिक उपलब्धियों और कलाकारों की प्रतिभा के जरिए अंतरराष्ट्रीय सम्मान अर्जित करता रहेगा।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि चीन के दबाव के बावजूद, ताइवान के कलाकार अपना परिचय दुनिया को अपने प्रदर्शन के माध्यम से कराते रहेंगे। प्रतियोगिता में शामिल युवा कलाकारों ने ना सिर्फ शानदार प्रस्तुति दी, बल्कि राजनीतिक तनाव के बीच भी अपने आत्मबल को बनाए रखा।

# गाजा में भुखमरी पर पहली बार बोले ट्रम्प

## कहा- तस्वीरें बहुत भयावह, इजराइल को अब जंग पर फैसला लेना होगा, नेतन्याहू बोले- कोई भुखमरी नहीं

तेल अवीव, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गाजा में जंग से फैली भुखमरी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहली बार बयान दिया है। स्कॉटलैंड के दौरे पर गए ट्रम्प ने गाजा से सामने आ रही भूख से जूझते बच्चों की तस्वीरें बेहद भयानक बताया हैं। उन्होंने कहा कि अब इजराइल को अब जंग पर फैसला लेना होगा। ट्रम्प ने हमास पर आम लोगों का खाना चुराने का आरोप भी लगाया।

ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने गाजा ह्यूमेनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) को 60 मिलियन डॉलर दिए, जबकि किसी और देश ने कुछ नहीं दिया। हालांकि हकीकत में अमेरिका ने 30 मिलियन डॉलर की ही मदद की है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में भुखमरी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गाजा में न तो कोई भुखमरी है और न ही हमारा ऐसा कोई मकसद है।

उन्होंने एक ईसाई सम्मेलन में कहा कि अगर हम मदद नहीं करते तो आज गाजा में कोई नहीं बचता। इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग के बाद रविवार को 6 महीने में पहली बार गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई है। इजराइली सेना आइडीएफ ने आटा, चीनी, दवाई और डिब्बाबंद खाना गाजा में हवाई मार्ग से पहुंचाया। यह कदम अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उठाया गया। वहीं, इजराइल ने गाजा के कुछ हिस्सों में सीजफायर और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के लिए सुरक्षित रास्ते बनाने का भी ऐलान किया ताकि वहां की जनता को मदद पहुंचाई जा सके। मार्च से मई तक इजराइल ने गाजा में बाहरी सहायता पर रोक लगा दी थी। अब इजराइल का कहना है कि वह यूएन की सहायता वितरण में रुकावट नहीं डाल रहा। गाजा में इजराइल-हमास जंग को शुरू हुए 22 महीने हो चुके हैं। अब तक इस लड़ाई की वजह से 124 लोग भूख से मारे गए हैं, जिनमें से 81 बच्चे हैं। जुलाई महीने में ही भूख से 40 लोगों की मौत हुई, जिनमें 16 बच्चे हैं।

नेतन्याहू ने हमास पर अनाज की लूट का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमास लोगों को दिए जा रहे अनाज को लूटकर उसे खुद इस्तेमाल करता है और फिर इजराइल पर कमी के आरोप लगाता है।

# बांग्लादेश प्लेन क्रैश- यूनुस ने भारतीय डॉक्टरों को धन्यवाद दिया

## 3 देशों की टीम से मिले, कहा- आप सिर्फ स्किल नहीं दिल भी साथ लाए

ढाका, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने रविवार को भारत, चीन और सिंगापुर के डॉक्टरों की टीमों से मुलाकात की। उन्होंने ढाका प्लेन क्रैश में घायल हुए लोगों की मदद के लिए डॉक्टरों का धन्यवाद दिया। यूनुस ने कहा कि ये टीमें सिर्फ अपनी स्किल्स नहीं, दिल भी साथ लेकर आई हैं।

यह मुलाकात स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में हुई। यूनुस से मिलने वाले डेलीगेशन में 21 डॉक्टर और नर्स शामिल थीं। ये टीम ढाका में प्लेन क्रैश के पीड़ितों का इलाज कर रही हैं। इनमें ज्यादातर स्कूली बच्चे हैं।

भारत ने हादसे के पीड़ितों की मदद के लिए डॉक्टरों और नर्सों की एक विशेष मेडिकल टीम के साथ चिकित्सा उपकरणों की खेप भेजी है।

प्लेन क्रैश में 31 लोग मारे गए

राजधानी ढाका में 21 जुलाई को वायुसेना का एक ट्रेनी विमान माइलस्टोन स्कूल पर क्रैश हो गया था। हादसे में 31 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। इसके अलावा 165 घायल हुए।

इनमें से 78 की हालत गंभीर है। क्रैश हुआ फाइटर जेट चीन में बना एफ-7बीजीआइ था।

हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे।

बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया।

हादसे में विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम मारे गए। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा-इस विमान हादसे में वायुसेना के सदस्य, माइलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज के छात्र, अभिभावक, शिक्षक और कर्मचारी सहित जिन लोगों को नुकसान हुआ है, वह अपूरणीय है। यह देश के लिए एक बेहद दुखद क्षण है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। एफ-7बीजीआइ बांग्लादेश एयरफोर्स (बीएएफ) का मल्टीरोल फाइटर जेट है। यह चीन के चेंगदू जे-7 फाइटर का एडवांस वर्जन है, जिसे सोवियत यूनियन के एमआइजी-21 की तर्ज पर बनाया गया था।

बीएएफ ने 2011 से 2013 के बीच यह फाइटर खरीदा था। इसे थंडरकैट स्क्वाड्रन में शामिल किया गया था। यह फाइटर एयर डिफेंस, ग्राउंड अटैक और समुद्री इलाकों में हमले जैसी कई भूमिकाओं में काम आता है।

इस फाइटर जेट में 2 तोपों के साथ 7 हथियार लगाने वाले पॉइंट हैं। इन पर 3 हजार किलोग्राम तक की मिसाइलें और बम लगाए जा सकते हैं।

# दिसंबर में हो सकते हैं नगर निकायों के चुनाव

## यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने दिए संकेत

जोधपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने संकेत दिए हैं कि राजस्थान में दिसंबर माह में निकाय चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं और जल्द ही चुनाव की प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन आयोग से बातचीत की जाएगी।

मंत्री खर्रा ने जोधपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राज्य में 312 नगर निकाय हैं, जिनमें से 307 निकायों का परिसीमन कार्य पूर्ण हो चुका है। बाकी 5 निकायों में मामला न्यायालय में लंबित है। यदि अदालत से निर्णय सरकार के पक्ष में आता है तो वहां भी परिसीमन की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अक्टूबर तक मतदाता सूची का कार्य पूरा हो जाएगा, जिसके बाद राज्य सरकार निर्वाचन आयोग से दिसंबर में चुनाव कराने का अनुरोध करेगी।

उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचन आयोग के पास आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते हैं तो दिसंबर में एक राज्य, एक चुनाव के अंतर्गत सभी निकायों के चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं। यदि तकनीकी या संसाधनों की कमी आती है तो अलग-अलग चरणों में चुनाव करवाने पर भी विचार किया जाएगा।

झालावाड़ में हाल ही में हुई विद्यालय भवन दुर्घटना को लेकर मंत्री खर्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। सभी सरकारी भवनों-विद्यालय, आंगनबाड़ी, पटवार भवन, स्वास्थ्य केंद्र आदि की 5 दिनों में सुरक्षा जांच के निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई भवन मरम्मत योग्य है तो उसकी मरम्मत की जाएगी और अत्यधिक जर्जर भवनों को खाली कर सुरक्षित स्थानों पर संचालन की व्यवस्था होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले बजट में 250 करोड़ और इस वर्ष के बजट में 375 करोड़ रुपये की राशि सरकारी भवनों की मरम्मत के लिए आवंटित की है। साथ ही विधायक निधि से 20 प्रतिशत तक राशि विद्यालयों की मरम्मत पर खर्च करने की अनुमति भी दी गई है। हर सरकारी भवन की वार्षिक सुरक्षा जांच के लिए स्थाई मैकेनिज्म बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

इस साल राज्य में अच्छी बारिश हुई है और कई जगह सड़कों की स्थिति खराब होने को लेकर उन्होंने कहा कि सभी निकायों और सार्वजनिक निर्माण विभाग को तात्कालिक रूप से गड्ढे भरने के निर्देश दिए जा चुके हैं। बरसात समाप्त होते ही व्यापक मरम्मत और नवनिर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

# झालावाड़ स्कूल हादसे पर शिक्षा विभाग का कड़ा कदम

## जिला शिक्षा अधिकारी समेत कई अफसर निलंबित

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के मनोहर थाना में पिपलोदी गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में दो दिन पूर्व स्कूल भवन की छत गिर जाने से हुए हादसे में जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आज दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों की खिलाफ शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर शासन सचिव शिक्षा कृष्ण कुणाल ने झालावाड़ के प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी नरसो मीणा सहित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार बालासोरिया, पूर्व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर लुहार, मनोहर थाना पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी मनपसर प्रभुलाल कारपेंटर, समग्र शिक्षा के सहायक अभियंता झालावाड़ तथा तत्कालीन प्रारंभिक पंचायत शिक्षा अधिकारी राधेश्याम मीणा को जांच के विचाराधीन रखते हुए निलंबित कर दिया है। मनोहर थाना के कनिष्ठ अभियंता जो संविदा पर कार्यरत हैं कि संविदा समाप्त करने के आदेश जारी किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाध्यापिका मीना शर्मा, प्रबोधक बद्रीलाल लोधा, शिक्षक कन्हैयालाल सुमन, राम बिलास लववंशी तथा जावेद अहमद को घटना वाले दिन प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया गया था। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि बच्चों के जीवन के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इधर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए 28 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक कक्षा 1 से 12 तक के सभी राजकीय, गैर राजकीय विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। जिला कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अध्यक्ष अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि यह निर्णय हाल ही में पिपलोदी क्षेत्र में विद्यालय भवन के कक्षा कक्ष गिरने से हुए हादसे के मद्देनजर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए रहेगा, शिक्षकगण विद्यालय में उपस्थित रहेंगे।

# तीन दिन के धरने के बाद मानी परिजनों की मांगें

## समर्थन करने पहुंचे बेनीवाल, हत्या का मामला दर्ज

नागौर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले के परबतसर उपखंड के सिटावट गांव में युवक रिछपाल मेघवाल (22) की संदिग्ध मौत के मामले में परिजनों के तीन दिन चले धरने के बाद सहमति बनी। नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल के हस्तक्षेप से समझौता हुआ, जिसके तहत मृतक के शव का दोबारा पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड की निगरानी में होगा। प्रशासन ने परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर हत्या और एससी-एसटी एक्ट में मामला दर्ज किया है। साथ ही पीड़ित परिवार को सरकार व भामाशाहों की ओर से 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने पर सहमति बनी। बता दें कि शुक्रवार सुबह सिटावट गांव निवासी रिछपाल मेघवाल का शव गांव के खेत में खेजड़ी के पेड़ से लटका मिला था। इससे पहले बुधवार को उसका खेत की तारबंदी को लेकर पड़ोसियों से विवाद हुआ था। मृतक के पिता चेनाराम, जो हैदराबाद में रहते हैं ने बताया कि विवाद के बाद कुछ लोग उनके घर आकर गाली-गलौज और धमकी दे गए थे। गुरुवार को रिछपाल खेत पर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन लौटकर नहीं आया और शुक्रवार सुबह उसका शव मिला।

शव को परबतसर के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका और उचित मुआवजे की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया। सांसद हनुमान बेनीवाल धरना स्थल पर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने भी परिजनों की मांगों के समर्थन में धरने पर बैठकर प्रशासन पर दबाव बनाया।रात करीब 11 बजे तक चली वार्ता के बाद एडीएम राकेश गुप्ता और एडिशनल एसपी हिमांशु शर्मा की मौजूदगी में प्रशासन और परिजनों के बीच सहमति बनी। पुलिस ने हत्या और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है, साथ ही मृतक के शव का दोबारा पोस्टमार्टम बीसीएमएचओ की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही एडिशनल एसपी कुचामन के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन भी किया गया है।

# कांकाणी हिरण शिकार मामला, सलमान की अपील ट्रायल कोर्ट से हाईकोर्ट में ट्रांसफर, तय हुई सुनवाई की तारीख

जोधपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बहुचर्चित कांकाणी हिरण शिकार मामले से जुड़ी सलमान खान की अपील को 22 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट की जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की बेंच में अधिवक्ता महिपाल विश्नोई ने जानकारी दी कि निर्देशों के बावजूद सलमान खान की अपील अभी तक लिस्ट नहीं हुई थी। कोर्ट ने इस पर संज्ञान लेते हुए अपील को लिस्ट करने और आगामी तारीख पर सुनवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

### सभी अपीलों पर एक साथ सुनवाई के आदेश

राजस्थान हाईकोर्ट ने पहले ही आदेश दिया था कि कांकाणी शिकार मामले से जुड़ी सभी अपीलों को एक साथ जोड़कर सुनवाई की जाए। इनमें सैफ अली खान, नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को बरी किए जाने के खिलाफ राज्य सरकार की ओर से दायर लीव टू अपील भी शामिल है।

यह मामला वर्ष 1998 का है, जब 1 और 2 अक्टूबर की रात जोधपुर के लूणी थाने में हिरण के शिकार का केस दर्ज किया गया था। इसमें सलमान खान, सैफ अली खान, नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह आरोपित थे। 5 अप्रैल 2018 को जोधपुर की अदालत ने सभी सहआरोपियों को बरी कर दिया, लेकिन सलमान खान को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 9/51 के तहत दोषी मानते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ उन्होंने जिला एवं सत्र न्यायालय, जोधपुर में अपील दाखिल की और जमानत पर रिहा हो गए।

### हाईकोर्ट में अपील ट्रांसफर

बाद में सलमान खान की ओर से याचिका दायर कर उनकी अपील को राजस्थान हाईकोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की मांग की गई। हाईकोर्ट के आदेश पर 21 मार्च 2022 को मामला हाईकोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। हालांकि, सभी अपीलों को एक साथ सुनवाई के निर्देश दिए जाने के बावजूद सलमान खान की अपील अब तक लिस्ट नहीं हो पाई थी। अब 22 सितंबर 2025 को सभी अपीलों पर एक साथ सुनवाई होगी।

# हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों का ऑटोमैटिक कटेगा चालान

## बस-टैक्सी में लगेंगे ट्रेकिंग डिवाइस

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश के 2.5 लाख पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस और इमरजेंसी पैनिक बटन लगाए जाएंगे। सार्वजनिक परिवहन में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए बस और टैक्सी में लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगेंगी। इसी दिशा में सोमवार को परिवहन भवन में बैरवा ने व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में संचालित सार्वजनिक सेवा के वाहनों की रीयल टाइम निगरानी एवं यात्री सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यह परियोजना प्रदेश के सार्वजनिक परिवहन यानों जैसे यात्री बस, टैक्सी कैब, मैक्सी कैब वाहन एवं केंद्र या राज्य सरकार द्वारा आदेशित वाहन श्रेणी वाहनों के अवैध सञ्चालन, ओवरलोडिंग एवं अनधिकृत रुट सञ्चालन के नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सिस्टम के तहत प्रत्येक सार्वजनिक सेवा वाहन में जीपीएस आधारित डिवाइस लगाकर कमांड एवं कण्ट्रोल सेंटर द्वारा वाहन की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। प्रशासनिक निगरानी के लिए इसमें उपलब्ध डैशबोर्ड के माध्यम से वाहन की गति, रुट, स्टॉपेज एवं डिवाइस की कार्यशीलता जैसी जानकारियाँ रियल टाइम में प्राप्त होती है। इसके इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम के तहत संचालित पैनिक बटन से यात्रियों को आपात स्थिति में स्टेट ईआरएसएस (112) द्वारा त्वरित सहायता प्रदान की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा यह पहल विशेष रूप से महिलाओं एवं अन्य संवेदनशील यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। प्रदेश में लगभग 2.5 लाख सार्वजनिक सेवा वाहनों पर यह डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाए जाएंगे। वर्तमान में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की 892 बसों में एआईएस -140 मानक की वीएलटी डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाकर वीएलटीएस सिस्टम को एक्टिवेट किया जा चुका है।

### एमबीबीएस स्टूडेंट मोनिका मीणा की उड़ीसा में मौत

करौली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उड़ीसा प्रांत के संबलपुर जिले में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही आमकाजाहिरा गांव की एक छब्बीस वर्षीय छात्रा की झरने में नहाने के दौरान पैर फिसलने से मौत हो गई। पाल पंचायत के आमकाजाहिरा गांव निवासी मृतक छात्रा मोनिका मीणा के पिता अध्यापक चेतराम मीणा व पूर्व सरपंच कमल प्रसाद मीणा ने बताया कि उसकी पुत्री मोनिका पिछले चार वर्ष से उड़ीसा प्रांत के संबलपुर में गुरला मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी। मेडिकल कॉलेज में अंतिम वर्ष की छात्रा थी।

# झालावाड़ के बाद जैसलमेर में बड़ा स्कूल हादसा

## मेन गेट गिरने से छात्र की मौत; शिक्षक घायल

जैसलमेर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के हाबूर (पूनमनगर) गांव में स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। स्कूल का प्रवेशद्वार अचानक ढह गया, जिसके नीचे दबकर 9 वर्षीय छात्र अरबाज खान की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में एक शिक्षक भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस घटना ने एक बार फिर सरकारी स्कूलों की जर्जर स्थिति और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक हादसा तब हुआ जब सुबह स्कूल शुरू होने के समय बच्चे प्रवेशद्वार से अंदर जा रहे थे। अचानक मेन गेट भरभराकर गिर गया, जिसके नीचे अरबाज दब गया। हादसे के बाद स्कूल परिसर में चीख-पुकार मच गई। शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने गेट के नीचे से अरबाज को निकाला, लेकिन जान नहीं बच सकी। घायल शिक्षक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रैफर किया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

हादसे से गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने अरबाज के शव के साथ स्कूल गेट के बाहर धरना शुरू कर दिया। उनका आरोप है कि स्कूल का प्रवेशद्वार लंबे समय से खराब हालत में था और इसको सही करने के लिए कई बार प्रशासन को सूचित किया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि इस लापरवाही ने एक मासूम की जान ले ली।

बताते चलें कि कुछ ही दिन पहले, 25 जुलाई को झालावाड़ जिले के पीपलोदी गांव में एक सरकारी स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई थी। उस घटना में 22 बच्चे घायल हुए थे। इसके बाद शिक्षा विभाग ने पांच कर्मचारियों को निलंबित कर उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए थे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी।

जैसलमेर के इस ताजा हादसे ने फिर से सवाल उठाए हैं कि आखिर सरकारी स्कूलों की मरम्मत के लिए समय पर कदम क्यों नहीं उठाए जाते? बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की उदासीनता क्यों बरकरार है? स्थानीय लोगों ने मांग की है कि इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, स्कूलों की जर्जर इमारतों को चिह्नित कर उनकी तत्काल मरम्मत की जाए।

### डिग्गी तालाब में उतराता मिला युवक का शव

#### इलाके में फैली सनसनी

अजमेर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। शहर के डिग्गी तालाब में सोमवार दोपहर एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। तालाब में शव उतराता देख स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर क्लॉक टॉवर थाने की टीम मौके पर पहुंची और सिविल डिफेंस की सहायता से शव को बाहर निकाला गया। थानाधिकारी वीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि मृतक की पहचान विक्की पुत्र प्रभुलाल वाल्मीकि निवासी ट्रॉम्बे, गणेश मंदिर के पास के रूप में हुई है। शेखावत के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच है और वह आदतन शराब का सेवन करता था। प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की बाहरी चोट या हिंसा के स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए शव को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

# 'उदयपुर फाइल्स' के निर्माता को मिली वाई श्रेणी की सुरक्षा

## जान से मारने की धमकी मिलने के बाद केंद्र ने उठाया कदम

उदयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' के निर्माता अमित जानी को लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों के बाद केंद्र सरकार ने उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा दी है। इंटेलिजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट में जानी की जान को खतरे की आशंका जताई गई थी। जिसके आधार पर यह निर्णय लिया गया। अब उनके नोएडा स्थित आवास और दिल्ली में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान 24x7 तैनात रहेंगे।

वई श्रेणी सुरक्षा के तहत 8-11 सुरक्षाकर्मी, जिनमें कमांडो शामिल हैं, उनकी हिफाजत करेंगे। अमित जानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। उन्होंने लिखा कि 'यह सुरक्षा मुझे और निडर होकर राष्ट्रहित के मुद्दे उठाने की ताकत देगी।'

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' 28 जून 2022 को उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की निर्मम हत्या पर आधारित है। जिसे लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद सहित कई संगठनों ने सांप्रदायिक तनाव की आशंका जताते हुए विरोध किया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 10 जुलाई को फिल्म की रिलीज पर अंतरिम रोक लगा दी थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में हटा लिया। फिल्म अब 8 अगस्त को रिलीज होगी।

# भीषण सड़क हादसा, ट्रेलर और बस की टक्कर; 1 की मौत, 2 घायल

नागौर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। नागौर जिले के मेड़ता सिटी में राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर चकढाणी-इग्यासनी के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक स्लीपर बस और ट्रेलर की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तुरंत उपचार के लिए मेड़ता उप जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जब्त कर लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बता दें, हादसा उस समय हुआ जब मेड़ता से नागौर की ओर जा रही एक स्लीपर बस को सामने से आ रहे एक ट्रेलर ने पीछे से साइड में टक्कर मार दी। प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसे का कारण ट्रेलर चालक द्वारा अचानक कट मारना बताया जा रहा है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्लीपर बस के ऊपरी हिस्से में सो रहे एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं, दो अन्य यात्रियों को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत मेड़ता उप जिला चिकित्सालय में रैफर किया गया। घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है।

### जोधपुर में एक्टिव ठग गैंग

*मोबाइल गिराकर लोगों से वसूलते हैं पैसे*

जोधपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के शांत माने जाने वाले शहर जोधपुर में एक नई किस्म की ठगी का मामला सामने आया है, जिसने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। शास्त्री नगर क्षेत्र में एक गिरोह द्वारा लोगों को ठगने की वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है। गिरोह का तरीका बेहद शातिर है-वे राह चलते लोगों के पास जानबूझकर मोबाइल गिराते हैं और फिर उस पर टूटने का आरोप लगाकर दबाव बनाकर पैसे ऐंठ लेते हैं। ठग सबसे पहले किसी राहगीर के सामने अपना टूटा हुआ या पुराना मोबाइल गिराते हैं। जैसे ही राहगीर उसे उठाता या नजरअंदाज करता है, ठग उस पर मोबाइल तोड़ने का आरोप लगाने लगते हैं।

# मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात

## सड़क पर चलने लगी नाव, जनजीवन अस्त-व्यस्त

भीलवाड़ा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से उठे नए डिप्रेशन सिस्टम के असर से राजस्थान में तीसरे दिन भी भारी बारिश का दौर जारी है। भीलवाड़ा सहित कई जिलों में बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भीलवाड़ा के बिजौलिया क्षेत्र में बीते 15 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए है।

सड़कें दरिया बन गई है और नदी नाले उफान पर है। हालात ऐसे है कि सड़क पर भरे बारिश के पानी में नाव चलने लगी है।बिजौलिया क्षेत्र के गांवों में मकानों और दुकानों में पानी भर गया है। सिविल डिफेंस की टीम ने पानी के बीच फंसे ग्रामीणों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन पैकेट वितरित किए है। नाविक ने नाव चलाकर ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला। मौसम विभाग के अनुसार बिजौलिया क्षेत्र में 136 मिमी बारिश दर्ज की गई। एरु नदी उफान पर होने से आसपास के गांवों में पानी भर गया। प्रसिद्ध तिलस्वा महादेव मंदिर मार्ग में पानी भर जाने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मंदिर के आसपास की गलियों, दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया है, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रात 3 बजे प्रशासन मौके पर सक्रिय हुआ। तहसीलदार ललित डिडवानिया, कास्या चौकी प्रभारी नरेश कुमार और सिविल डिफेंस की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। बिजौलिया कस्बे की छाई की पुलिया और कैसरगंज की पुलिया पर पानी का तेज बहाव जारी है, जिससे यातायात अवरुद्ध हो गया है। ऐसे में लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में पानी भरने से फसलों को काफी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

### करोड़ों की साइबर ठगी का आरोपी अहमदाबाद से गिरफ्तार

#### करौली साइबर थाना की बड़ी सफलता

करौली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर ठगी के एक बड़े मामले में करौली साइबर थाना पुलिस को अहम सफलता मिली है। अंतरराज्यीय स्तर पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई ऑपरेशन एंटी वायरस 2.0 के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार आरोपी धर्मेंद्र चावड़ा हरीशभाई (40), मूल निवासी गीता अपार्टमेंट, रानिप, अहमदाबाद, वर्तमान में अरविंद सोसायटी, रानिप में किराये पर रह रहा था। उसने खुद को एक ई-कॉमर्स बूस्टिंग कंपनी का प्रतिनिधि बताकर लोगों को ठगी का शिकार बनाया। करौली जिले के एक पीड़ित से आरोपी ने करीब 10 लाख रुपये की ठगी की, जिसमें से 4 लाख 33 हजार 40 रुपये आईएमपीएस के जरिए अपने खाते में ट्रांसफर करवाए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी के बैंक खाते से जुड़े देशभर के विभिन्न राज्यों में 23 साइबर ठगी के मामले दर्ज हैं। अब तक इन मामलों में करीब 33 लाख रुपये की ठगी की पुष्टि हो चुकी है। पुलिस को यह भी पता चला है कि आरोपी ने एक ही दिन में एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर अपने खातों में राशि ट्रांसफर करवाई थी।

# राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दो दिवसीय खुली सुनवाई शुरू की

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आज तेलंगाना राज्य से संबंधित शिकायतों और मामलों पर विचार करने के लिए हैदराबाद स्थित डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान में दो दिवसीय खुली सुनवाई और शिविर सत्र शुरू किया। इस कार्यवाही का उद्देश्य शिकायतों का शीघ्र निवारण और सार्वजनिक प्राधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना है। सुनवाई दो खंडपीठों द्वारा की गई। खंडपीठ-I की अध्यक्षता एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन कर रहे हैं।

खंडपीठ-II की अध्यक्षता न्यायमूर्ति विद्युत रंजन सारंगी कर रहे हैं, जिनके साथ सदस्य विजया भारती सयानी भी हैं। इसके अतिरिक्त, महत्वपूर्ण सार्वजनिक महत्व के चुनिंदा मामलों की सुनवाई के लिए एक पूर्ण पीठ का गठन किया गया, जिनमें से अधिकांश आयोग द्वारा स्वतः संज्ञान लिए गए मामले थे। इनमें जाति-आधारित भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार, हिरासत और पुलिस ज्यादतियों और जीवन, सम्मान, स्वतंत्रता और आजीविका के अधिकार के उल्लंघन से संबंधित कई मामले शामिल थे।

कल, एनएचआरसी के सदस्य राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। बाद में वे गैर सरकारी संगठनों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगे।

मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने अध्यक्ष और अन्य सदस्यों का स्वागत किया। आयोग की सहायता के लिए तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जिनमें रवि गुप्ता, विशेष मुख्य सचिव (गृह), श्री महेश भागवत, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, विशेष आयुक्त सूचना एवं जनसंपर्क चौधरी प्रियंका, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल थे। उनकी भागीदारी का उद्देश्य उठाए गए मामलों पर त्वरित प्रतिक्रिया और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करना था। आयोग ने समयबद्ध, पारदर्शी और सहानुभूतिपूर्ण तरीके से सुनवाई का निर्णय लिया और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निवारण के लिए विशिष्ट निर्देश जारी किए। जिन मामलों में उल्लंघन स्थापित हुए, आयोग ने पीड़ितों को उचित समझे जाने पर आर्थिक मुआवजे की भी सिफारिश की और उन्हें प्रदान किया।

मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत गठित राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को सिविल न्यायालय की शक्तियां प्राप्त हैं, जिनमें अभिलेख तलब करना, गवाहों से पूछताछ करना, विभागीय कार्रवाई की सिफ़ारिश करना और पीड़ितों को आर्थिक सहायता प्रदान करना शामिल है। ऐसी खुली सुनवाई और शिविर बैठकों के माध्यम से, आयोग नागरिकों और न्याय प्रणाली के बीच की खाई को पाटकर संवैधानिक अधिकारों और मानवीय गरिमा को बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

## टीजीएचआरसी ने दो गंभीर घटनाओं का स्वतः संज्ञान लिया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. न्यायमूर्ति शमीम अख्तर की अध्यक्षता में तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने सोमवार को मीडिया में प्रकाशित दो गंभीर मामलों का स्वतः संज्ञान लिया। पहले मामले में, आयोग ने 27 और 28 जुलाई को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित उन परेशान करने वाली रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लिया है, जिनमें सिकंदराबाद स्थित यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर और हैदराबाद, विजयवाड़ा तथा विशाखापट्टनम स्थित इससे जुड़े क्लीनिकों में कथित अवैध और अनैतिक सरोगेसी प्रथाओं के बारे में बताया गया है। इसके जवाब में, टीजीएचआरसी ने स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव को 28 अगस्त तक इस मामले पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। एक अन्य मामले में, आयोग ने 28 जुलाई को प्रकाशित समाचार रिपोर्टों का भी स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें नागर कर्नूल जिले के उय्यालवाड़ा के पास महात्मा ज्योतिबा पुले बीसी वेलफेयर गुरुकुल स्कूल में एक गंभीर खाद्य विषाक्तता की घटना के बारे में बताया गया था। टीजीएचआरसी ने मुख्य सचिव से 28 अगस्त तक एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

# शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स के धमाका सेल में ग्राहकों की जबरदस्त भीड़

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स द्वारा आयोजित 100 प्रतिशत फ्लैट धमाका सेल का दूसरा दिन भी बेहद सफल और उत्साहजनक रहा। इस विशेष ऑफर के तहत ग्राहकों को 22 कैरेट शुद्ध सोने की ज्वेलरी पर बिना किसी मेकिंग चार्ज के शुद्ध सोने के भाव में खरीदारी करने का अनोखा अवसर मिल रहा है। यह ऑफर पारदर्शिता, भरोसे और उत्कृष्ट सेवा का प्रतीक बन गया है।

यह धमाका सेल कोई नया प्रयास नहीं है, बल्कि पिछले 14 वर्षों से यह परंपरा सफलतापूर्वक निभाई जा रही है, जो ग्राहकों के साथ विश्वास के रिश्ते को और मजबूत करती है। हर साल की तरह इस साल भी ग्राहकों का भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस सेल के दौरान प्रस्तुत डिज़ाइनों विशेष रूप से ब्राइडल सेट्स, पार्टी वियर और डेली वियर की आकर्षक रेंज ने सभी आयु वर्ग के ग्राहकों का दिल जीत लिया है।

संस्थान के प्रवक्ता ने बताया कि हमारे ग्राहकों का प्रेम और समर्थन ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। 50 वर्षों की इस व्यापारिक यात्रा में 14 सालों से धमाका सेल हमारी एक पहचान है। यह हमारे ग्राहकों को सम्मान और धन्यवाद देने का एक तरीका है। इस धमाका ऑफर का लाभ उठाने का यह सुनहरा मौका है, जो केवल सोमाजीगुड़ा शोरूम में और सीमित अवधि के लिए उपलब्ध है। शिवराज ज्वेलर्स की टीम ग्राहकों को सहज, तेज़ और संतोषजनक सेवा प्रदान करने के लिए पूरी तरह समर्पित है।

जामबाग के पार्षद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश जयसवाल ने भाजपा नेताओं के साथ श्री पारली वैजनाथ ज्योतिलिंग का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उनके साथ श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, शैलेंधर यादव, जनार्दा, जगपति, प्रमोद, साई, वेंकटेश गौड़, नरहरि, जेडी नितिन मुकेश, संदीप, शिव, वेंकट रेड्डी, नरसिंह, महेश और कई भाजपा नेता थे।

# बिहार उद्योग मंत्री मिश्रा में उद्योगों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के अंतर्गत आने वाले बिहार फाउंडेशन चैप्टर का बिहार सरकार के मंत्री साथ बैठक कर बिहार में उद्योग लगाने हेतु संभावनाओं पर चर्चा की गई। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने बताया गया यह बैठक मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय प्रवासी निवेशकों को बिहार में निवेश हेतु सुविधाओं से समबन्धित था। चर्चा का शुभारंभ नितिश मिश्रा, उद्योग मंत्री, बिहार सरकार को फाउंडेशन चैप्टर अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, सचिव, उत्तम यादव एवं कार्यकारिणी मंडल द्वारा स्वागत किया गया। उद्योग मंत्री नितेश मिश्रा ने कहा की बिहार सरकार औद्योगिक क्लस्टर का चयन कर वहां निवेश को बढ़ावा हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास कर रही है। गया को एक औद्योगिक क्लस्टर के रूप में चयनित किया गया है। चर्चा में भाग लेते हुए मानवेंद्र मिश्रा ने निवेशकों की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था पर अपना विचार व्यक्त किया, दिलीप कुमार ने बंद पड़े उद्योग कारखाने को पुनर्जीवित करने एवं उसके जगह कोई नई उद्योग के स्थापना पर अपना विचार व्यक्त किया। चर्चा में उत्तम यादव, हरेराम यादव, दीपक यादव, सुमन झा, जीतू गुप्ता इत्यादि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किया। कार्यकारिणी मंडल के द्वारा बिहार एवं तेलंगाना के मध्य यातायात के सुविधाओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया गया एवं उनसे आग्रह किया गया के जितने भी साप्ताहिक ट्रेन हैं उसे दैनिक रूप में परिवर्तित कराया जाए ताकि प्रवासी यात्रा को सुलभ बनाया जा सके। मंत्री महोदय ने बताया कि सरकार उद्योग हेतु न्यूनतम मूल्य पर जमीन उपलब्ध कराना, स्किल्ड कामगार उपलब्ध कराना, उद्योग में कार्यरत कामगारों के अनुसार उद्यमी को इंसेंटिव प्रदान करने का भरोसा दिलाते हुए उद्यमियों को बिहार में उद्योग लगाने हेतु प्रोत्साहित किया। मंत्री ने बताया कि बिहार बदल चुका है,आने वाले समय में पूर्वोत्तर का बड़ा बिजनेस हब बिहार बनने जा रहा है।

# घर में ही मंदिर नहीं बल्कि घर को भी बनाएं मंदिर : चन्द्रप्रभ जी

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि परिवार इंसान की पहली पाठशाला और पहला मंदिर है। ईंट, चूने और पत्थर से मकान का निर्माण होता है घर का नहीं। जहां बीबी-बच्चों के साथ माता-पिता और भाई-बहिनों को सम्मान से रखा जाता है वही घर परिवार कहलाता है। जो लोग आठवे वार परिवार को सरस नहीं बनाते उनके सातों वार नीरस बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि परिवार की ताकत पैसा, गाड़ी, बंगला, फेक्ट्री नहीं, प्रेम, भाईचारा, सहानुभूति और समर्पण की भावना है। केवल चढ़ावे बोल लेने और पूजा कर लेने भर से लक्ष्मी खुश नहीं होती। जिस घर में लोग अपने स्वार्थों का त्याग कर आपस में प्रेम से रहते हैं उनके यहाँ लक्ष्मीजी और महावीरजी सदा बसेरा किया करते हैं।

वे सोमवार को एग्जिबिशन ग्राउंड में घर में सुख शांति समृद्धि बढ़ाने के उपाय विषय पर प्रवचन दे रहे थे। एक दिन ही अक्षय तृतीया, होली और दिवाली का पर्व मनाने वालों को मोटिवेट करते हुए संतश्री ने कहा कि वे लोग नासमझ हैं जो एक दिन ही ऐसे पर्व मनाते हैं। जिस घर में सुबह उठकर भाई-भाई आपस में गले मिलते हैं और माता-पिता के पाँव छूते हैं वह हर सुबह अक्षय तृतीया का पर्व बन जाती है, जहां दोपहर में देराणी-जेठाणी मिलकर खाना बनाते हैं और सास-बहू साथ-साथ खाना खाते हैं उनकी दोपहर होली का पर्व बन जाती है और जो बेटे-बहू सोने से पहले बड़े-बुजुर्गों के पांव दबाने का सुकून पाते हैं उनकी रातें भी दुआओं की दीपावली बन जाती है।

संतश्री ने कहा कि भगवान की मूरत और संतों की सूरत बाद में देखें, पहले माता-पिता की जरूरत पूरी करें। जो माँ-बाप, सास-ससुर को भगवान तुल्य मान सेवा करता है उसे उनकी मूरत में ही भगवान की सूरत दिख जाती है। व्यक्ति 84 लाख जीवयोनियों से क्षमा बाद में मांगे, पहले घरवालों से क्षमा मांगने का बड़प्पन दिखाए। जो वक्त आने पर झुक जाता है, पर परिवार को कभी टूटने नहीं देता वही घर में सबसे बड़ा कहलाता है। अगर आप घर में आपस में नहीं बोलते हैं तो मंदिर के दर्शन, संतों की सेवा सारा धर्म-कर्म निष्फल हो जाएगा।

संतश्री ने चुनाव जीतने वाले अथवा अमीर व्यक्ति को समाज का अध्यक्ष बनाए जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जो घर में ही एक नहीं है वो भला समाज को एक कैसे रख पाएगा। किसी क्लब के सदस्य बनकर इंसानियत की सेवा न कर पाओ तो दिक्कत नहीं, पहले घरवालों की सेवा करना शुरू करो, कमजोर भाई के काम आओ, इससे बढ़कर इंसानियत की कोई सेवा नहीं हो सकती।

घर को स्वर्ग बनाने का पहला मंत्र देते हुए संतश्री ने कहा कि घर के सभी लोग आपस में हिलमिलजुलकर रहें। एक-दूसरे को खूब प्यार करें। चार दिनों की जिंदगी है पता नहीं किसकी कब हवा निकल जाए इसलिए ऐसा कोई काम न करें जिसके कारण हमारे घरवाले हमसे दुखी हो। अगर बेटा-बहू माता-पिता से यह कह दे कि हम सौ साल तक आपकी छत्रछाया में रहना चाहते हैं तो इससे बढ़कर उनके लिए कोई सुकुन नहीं होगा। इससे पूर्व डॉ. मुनि शांति प्रिय सागर महाराज ने नवकार महामंत्र का सामूहिक संगान करवाया।

## साइबराबाद पुलिस ने अपनी नई डिजाइन की गई आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को मज़बूत करने के लिए अपनी नई डिज़ाइन की गई आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की है। वेबसाइट को सभी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए सुलभ और नेविगेट करने में आसान बनाया गया है और जनता को हमेशा सूचित रखने के लिए महत्वपूर्ण अलर्ट और जानकारी तुरंत अपडेट की जाती है।

यह वेबसाइट साइबराबाद के नागरिकों को आवश्यक सेवाएं और अपडेट प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक महत्वपूर्ण सूचना पोर्टल है। यह वेबसाइट रीयल-टाइम कंटेंट अपडेट, आधुनिक यूआई/यूएक्स और मोबाइल-फ्रेंडली डिज़ाइन के माध्यम से उपयोगकर्ता के अनुभव को बेहतर बनाएगी। यह एक उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफ़ेस है जिसे डेस्कटॉप और टैबलेट उपकरणों पर उपयोग के लिए अनुकूलित किया गया है। यह घोषणाओं, अलर्ट, सुरक्षा दिशानिर्देशों जैसी महत्वपूर्ण सूचनाओं के प्रसार की सुविधा प्रदान करता है।

# बोल बम के जयकारों के साथ निकली गंगाजल काँवड़ यात्रा

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भोलेनाथ के जयकारों के साथ आज भाग्यनगर कावड़ सेवा संघ, हैदराबाद-सिकंदराबाद में 28वीं कांवड़ यात्रा आयोजित की गयी। कांवड़ यात्रा चारमीनार स्थित महादेव मंदिर से आरंभ होकर मंचिरुवेल स्थित बहासूत्र ऑांधवरेश्वर स्वामी देवालयम (प्राचीन शिव मंदिर) तक निकाली गई, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा में 1,251 कांवड़ियों सहित अन्य भक्तों ने उत्साह के साथ भाग लिया। मार्ग में विभित्र संस्थाओं द्वारा पुष्पों की वर्षा कर कॉवड़धारियों का स्वागत किया।

चारमीनार स्थित श्री महादेव मंदिर में भव्य पूजा अर्चना के पश्चात विभिन झाँकियों, डीजे, गायकों के भजन-कीर्तन के साथ आरंभ हुई। पुरुषों, महिलाओं, युवाओं, बच्चों एवं वृद्धों ने कांवड़ कंधे पर धारण कर बोल बम के नारों और भोलेनाथ के कर्ण प्रिय भजनों के साथ प्रस्थान किया। यात्रा ने घांसी बाजार, सिटी कॉलेज से होते हुए महाराणा प्रताप चौराहा स्थित भूलक्ष्मी माता मंदिर बेगम बाजार, फेड़िया भवन के पास से होते हुए सीतारामबाग स्थित द्रौपदी गार्डन में आकर पहला पड़ाव पूर्ण किया। कांवड़ियों द्वारा अल्पाहार के बाद यात्रा पुनः आरंभ होकर विभिन मार्गों से होते हुए लंगर हाउस रोड स्थित सुगना गार्डन में दूसरे पड़ाव के लिए रुकी। दोपहर के भोजन के पश्चात कांवड़ यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए नारसिंगी चौराहा स्थित ओम कन्वेंशन में अंतिम पड़ाव के लिए पहुंची। यहाँ रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई।

कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह, भाजपा नेता गोविन्द राठी, भूमाता मंदिर के पुजारी वाई बाबू गुरु, सेवानिवृत्त आईपीएस डॉ.सी.एन. गोपीनाथ रेड्डी, डीसीपी साउथ जोन स्नेहा मेहरा, मंगलहार पार्षद लाल सिंह, भाग्यलक्ष्मी मंदिर की शशिकला, बेगम बाजार पार्षद शंकर यादव, जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, बरिष्ठ बीजेप नेता मेघरानी अग्रवाल, उमेश सिंघानिया, बीआरएस नेता शांति देवी, पूर्व पार्षद रेषु सोनी, भाजपा नेता नित्या पारीक, एमएसएसएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद माघछ, भाजपा नेता अविनाश देवड़ा, डीजीपी जितेन्द्र, आईपीएस अनिल बुरमार, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड, गनफाउंडी पार्षद सुनीता ओम प्रकाश बेसावा, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति सचिव डॉ. भगवंत राव, शिव मंदिर गौशाला अध्यक्ष अमित अग्रवाल, एसीपी बारमीनार पी. मन्द्रशेखर, महाकालेश्वर मंदिर चेयरमैन गजुला अंजय्या व अन्य का स्वागत संघ के पदाधिकारियों द्वारा ने शॉल स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया।

यात्रा के प्रमुख सहयोगी श्री बालाजी भक्त मंडल हैदराबाद, कुंजलाल सुरेश कुमार डाकोतिया, रामस्वरूपदास विश्वनाथ अग्रवाल, अग्रवाल समाज अमीरपेठ शाखा, रघुनाथमल नरेंद्र कुमार गोयल, कन्हैयालाल सुनील कुमार अग्रवाल, बजरंगलाल विष्णु कुमार केड़िया, सुभाषचन्द्र बंसल (अविका फूड), कृष्ण कुमार आशीष कुमार गर्ग, जीवनलाल कैलाशदेवी अग्रवाल, गौरिशंकर रेणु सोनी, चिरंजीलाल दिलीप कुमार अग्रवाल देववनन्दन रमेशचन्द कड़ेल, भाग्यनगर शिव भक्त मंडल भाग्यनगर (तेलंगाना), मेसर्स बंसल बन्धु चिट फण्ड, विशेष सहयोगी भाग्यनगर शिवभक्त मंडल (तेलंगाना), अरिहंत बैद जैन, कौशिक अग्रवाल, शरद वर्मा, कृष्णा अग्रवाल, आयुष अग्रवाल रहे।

ओम कन्वेंशन में शिव भंडारा एवं शिव महा जागरण का आयोजन किया गया जिसमें भाग्य नगर के प्रमुख भजन गायक सागर व्यास की अतिरिक्त दिल्ली के भजन गायक शीतल पांडे एवं मध्य प्रदेश के सनी चढ़ा (जूनियर लक्खा सिंह) ने भगवान भोलेनाथ के भजनों की गंगा बहाई जिसका उपस्थित भक्तों ने भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष मांगेराम तायल, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र अयुबाल, सुनील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष चपालाल बैद, महामंत्री कमल किशोर मालानी, सह मंत्री ललित कडेल, महिला अध्यक्ष रूबी मिश्रा, महिला उपाध्यक्ष मीनू गुप्ता, यात्रा संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेश जगनानी, विजय कुमार अग्रवाल, सह-प्रसार मंत्री पंकज वर्मा, यात्रा प्रबंधक ओमप्रकाश अग्रवाल, मनीष किकन, अभिनव अग्रवाल, भरत अग्रवाल, कुणाल गोयल, संदीप मिश्रा, भरत छाबरिया, डॉ. अहिल्या मिश्रा, पुष्पा वर्मा , भावना किकन, पुनीता सोनी, सोनाली वर्मा, शिखा अग्रवाल, किरण कड़ेल, महिमा वैद, रिंकू सोनी, पूर्वा अग्रवाल, अमृता अग्रवाल, रूची मिश्रा, व अन्य शामिल रहे।

# तेलंगाना ने कल्याण और समावेशी विकास में राष्ट्रीय मानक स्थापित किया : शब्बीर अली

कामारेड्डी , 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता )। तेलंगाना सरकार के सलाहकार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने सोमवार को कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार कल्याण, खाद्य सुरक्षा और समावेशी विकास में राष्ट्रीय मानक स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, तेलंगाना पारदर्शी और जन-केंद्रित शासन के माध्यम से दूरदर्शी प्रतिबद्धताओं को वास्तविकता में बदल रहा है।

निज़ामाबाद में एक बड़े पैमाने पर राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, जहां एक ही दिन में 3,174 नए कार्ड जारी किए गए, शब्बीर अली ने इस बात पर ज़ोर दिया कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जो अपनी लगभग 80 प्रतिशत आबादी को मुफ़्त 'सन्ना बिय्यम' (उत्तम चावल) प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ़ भोजन के बारे में नहीं है- यह गरीबों और मध्यम वर्ग के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के बारे में है। उन्होंने याद दिलाया कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाया गया था, और कहा कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने ज़मीनी स्तर पर लोगों को वास्तविक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करके उनके सपने को साकार किया है।

उन्होंने कहा, 93 लाख परिवारों को प्रति व्यक्ति, प्रति माह 6 किलो बढ़िया चावल उपलब्ध कराना एक ऐतिहासिक पहल है और पूरे देश के लिए एक आदर्श है। शब्बीर अली ने बताया कि कई परिवार, खासकर नवविवाहित जोड़े, एक दशक से भी ज़्यादा समय से राशन कार्ड का इंतज़ार कर रहे थे। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार की उनकी ज़रूरतों की अनदेखी करने के लिए आलोचना की और कहा कि कांग्रेस सरकार ने वास्तविक लाभार्थियों की पहचान के लिए ग्राम सभाओं का उपयोग करके प्रक्रिया को तेज़ किया है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से तब तक जारी रहेगी जब तक कि हर पात्र परिवार को कवर नहीं कर लिया जाता।

## 4.5 किलोग्राम गांजा के साथ चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद पुलिस ने कथित तौर पर सूखा गांजा ले जा रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 4.5 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में सीपी शेखर सुमार (30), कलेरू विहान (22), वी साईं वैलाश (34) और चौधरी संतोष (22) शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के अराकू निवासी विनोद और श्रीनिवास फरार हैं। चारों लोग विशाखापट्टनम से गांजा लेकर आए थे और इसे स्थानीय स्तर पर बेचने की योजना बना रहे थे, तभी एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। फरार विनोद और श्रीनिवास को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

## कॉवड़ यात्रा 3 अगस्त को

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आज दिनांक 27 जुलाई को बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज के हेड ऑफिस पर बैठक रखा गया जो सावन महीना के कॉवर यात्रा के लिये बैठक किया गया था।

कॉवड यात्रा 3 अगस्त को सुबह 9 बजे से पान बाजार हेड ऑफिस से महिंद्र हिल्स शिवाजी टेंपल तक जाएगा।

इस कार्यक्रम में अध्यक्ष दीपक सिंह, मनीष गुप्ता, बबलू ओझा, अंजनैलू, मुकेश कामत, विकाश पासवान, सत्येंद्र कुशवाहा, संतोष यादव और अन्य लोग उपस्थित थे।

## प्रदेश भाजपा अध्यक्ष कल से तीन जिलों के दौरे पर

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता )। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर बूथ स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और नया उत्साह भरने के लिए, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव कल से दो दिवसीय जिला दौरा कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। कल से शुरू होने वाले अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान राव खम्मम जिले, भद्राद्री कोत्तागुडेम और महबूबाबाद जिलों का दौरा करेंगे। राव ने अपने गृह जिले नलगोंडा से अपने दौरे की शुरूआत की है और अब तक आठ जिलों का दौरा कर चुके हैं। राव राज्य कांग्रेस सरकार की विफलताओं, उसकी जनविरोधी नीतियों और जनता से किए गए वादों को पूरा करने में अत्यधिक देरी को उजागर करेंगे। वह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें भी करेंगे और बुद्धिजीवियों, किसानों और स्थानीय लोगों से सीधा संवाद करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर दिव्या बनीं फिडे महिला विश्व कप चैंपियन

## खिताब जीतने वाली पहली भारतीय

बटूमी, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महिला शतरंज विश्व कप के फाइनल मुकाबले में दिव्या देशमुख ने ग्रैंडमास्टर और हमवतन कोनेरू हम्पी को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वह फिडे महिला शतरंज विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। कोनेरू हम्पी के पास वापसी का एक छोटा सा मौका था, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकीं। दिव्या ने काले मोहरों पर एक शानदार जीत दर्ज की। अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली ग्रैंडमास्टर और हमवतन कोनेरू हम्पी को फिडे महिला विश्व कप फाइनल के पहले और दूसरे गेम में कोई मौका दिए बिना ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया था। इससे मैच टाईब्रेकर में पहुंचा था।

**टाईब्रेकर में कैसे खेला जाता है मैच?**

टाई-ब्रेकर में 15-15 मिनट के दो गेम होंगे जिसमें हर चाल के बाद 10 सेकेंड का इजाफा होगा। स्कोर इसके बाद बराबर रहता तो दोनों खिलाड़ियों को 10-10 मिनट प्रति गेम के हिसाब से एक और सेट खेलने का मौका मिलता। इसमें भी हर चाल के बाद 10 सेकेंड का इजाफा होता। दोनों के बीच पहला रैपिड टाईब्रेकर भी ड्रॉ रहा। फिर दूसरे टाईब्रेकर में फैसला आया। मैच का परिणाम अगर दूसरे टाईब्रेकर में भी नहीं निकलता, तो पांच-पांच मिनट के दो और गेम होते और इसमें हर चाल के बाद तीन सेकेंड की बढ़ोतरी होती। इसके बाद एक गेम का मुकाबला होता जिसमें दोनों खिलाड़ियों को तीन मिनट मिलते और दो सेकंड का इजाफा होगा। यह तब तक चलता, जब तक कोई खिलाड़ी विजेता न बना जाए। हालांकि, इसकी नौबत नहीं आई। नागपुर की 19 वर्षीय दिव्या अब खिताब जीतकर ग्रैंडमास्टर बन चुकी हैं।

19 वर्षीय दिव्या ने न केवल फिडे महिला शतरंज विश्व कप जीता है, बल्कि इस जीत के साथ 'ग्रैंडमास्टर' का खिताब भी हासिल किया है। इस जीत के बाद भावुक हो गईं। दिव्या के लिए ये यादगार पल हैं। दिव्या कैंडिडेट्स शतरंज के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं।

# मैच ड्रॉ होने के बाद भी टीम इंडिया ने बना दिया विश्व रिकार्ड

## ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड हुआ चकनाचूर

मैनचेस्टर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। शुभमन गिल की अगुवाई में भले ही टीम इंडिया ने 5 मैचों की खेली जा रही टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 1 ही जीत दर्ज कर पाई हो। लेकिन टीम इंडिया ने इंग्लैंड दौरे पर अपने शानदार प्रदर्शन का मुजायरा जरूर पेश किया है, खासकर बल्लेबाजी में। इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट मैच 23 से 27 जुलाई के बीच मैनचेस्टर में खेला गया था। इस मैच का नतीजा ड्रॉ रहा, बावजूद इसके भारतीय टीम ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

**भारत ने बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड**

दरअसल, टीम इंडिया अब एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा 350+ स्कोर बनाने वाली टीम बन गई है। भारतीय टीम ने अब तक इस सीरीज में 7 बार 350+ स्कोर बना दिया है। इससे पहले किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा 350+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था, जिसने सबसे ज्यादा 6 बार 350+ स्कोर बनाने का करिश्मा किया था। लेकिन अब इस मामले में भारतीय टीम आगे निकल गई है। भारत ने अब एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बार 350+ स्कोर बनाने का कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

**एक टेस्ट सीरीज में किसी टीम द्वारा सर्वाधिक 350+ स्कोर**

| टीम | विरोधी टीम | वर्ष | स्थान | 350+ स्कोर की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| भारत | इंग्लैंड | 2025 | विदेश | 7 |
| ऑस्ट्रेलिया | इंग्लैंड | 1920/21 | घरेलू | 6 |
| ऑस्ट्रेलिया | इंग्लैंड | 1948 | विदेश | 6 |
| ऑस्ट्रेलिया | इंग्लैंड | 1989 | विदेश | 6 |

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 1920-21 में खेली गई टेस्ट सीरीज में 6 बार 350+ स्कोर बनाने का कीर्तिमान अपने नाम किया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 1948 में इंग्लैंड के ही खिलाफ 6 बार ऐसा कारनामा किया था। वहीं साल 1989 में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के ही खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में कुल 6 बार 350+ स्कोर बनाया था। लेकिन अब भारत ने एक टेस्ट सीरीज में 7 बार 350+ स्कोर बनाकर ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

**चौथा मैच हुआ ड्रॉ**

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा टेस्ट मैच मैनचेस्टर में खेला गया था। भारत ने पहली पारी में 358 रन बनाए थे, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 669 रन बनाए, वहीं भारत ने दूसरी पारी में 425 रन बनाकर मैच ड्रॉ कर दिया। 5 मैचों की खेली जा रही टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। आखिरी मैच 21 जुलाई से खेला जाएगा।

# कोच गंभीर के वो 'मैजिकल' शब्द

## जो बन गए वॉशिंगटन सुंदर के लिए वरदान! खुद किया खुलासा

मैनचेस्टर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर वॉशिंगटन सुंदर ने रविंद्र जडेजा संग मिलकर जो पारी खेली उसे सदियों तक याद रखा जाएगा। दबाव से भरे मुकाबले और हावी होती इंग्लिश टीम के सामने वॉशिंगटन ने अतिसुंदर पारी खेली। सुंदर के बल्ले से निकला यह टेस्ट करियर का पहला शतक था, जो एकदम सही समय पर आया। हालांकि, उनकी इस पारी के पीछे हेड कोच गौतम गंभीर के वो मैजिकल शब्द थे, जो सुंदर के लिए वरदान बन गए। इस बात का खुलासा खुद वॉशिंगटन ने मैच के बाद किया है।

**गंभीर के मैजिकल शब्द बन गए वरदान**

चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में टीम इंडिया ने 188 के स्कोर पर केएल राहुल का विकेट गंवाया। स्कोर बोर्ड पर अभी 40 रन और ही लगे थे कि कप्तान शुभमन गिल भी पवेलियन लौट गए। ऋषभ पंत चोटिल थे ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने रविंद्र जडेजा से भी ऊपर वॉशिंगटन सुंदर को भेजने का फैसला किया। यह फैसला मानो भारतीय टीम के लिए वरदान बन गया। सुंदर जडेजा संग मिलकर क्रीज पर खूंटा गाड़कर खड़े हो गए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 203 रनों की अटूट पार्टनरशिप जमाई और टीम की हार को टाल दिया। सुंदर ने कुल 206 गेंदों का सामना किया और वह 101 रन बनाकर नाबाद रहे। सुंदर के बल्ले से इस दौरान 9 चौके और एक सिक्स निकला।

मैच को ड्रॉ कराने के बाद सुंदर ने बताया कि टेस्ट के पांचवें दिन सुबह के समय गौतम गंभीर ने उनसे कुछ शब्द कहे थे और उन्होंने बस उसी पर गौर किया। सुंदर ने जियोहॉटस्टार के साथ बातचीत करते हुए गंभीर से मिले गुरुमंत्र का खुलासा किया। उन्होंने कहा, "यह टेस्ट शतक काफी स्पेशल है। मैं बस पूरे दिन लड़ते रहना चाहता था और सिर्फ यही मैसेज मुझे कोच गंभीर द्वारा दिया गया था।"

**टीम इंडिया ने टाली हार**

पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड के पास 311 रनों की बढ़त थी। हर कोई इस टेस्ट में भारतीय टीम की हार लगभग तय मान रहा था। हालांकि, इंडियन बैटर्स ने लड़ने की ठानी। शुभमन गिल और केएल राहुल की जोड़ी इंग्लिश गेंदबाजों के आगे अड़ गई और उन्होंने चौथे दिन मोर्चा संभाले रखा। राहुल ने 90 रन बनाए, तो शुभमन गिल ने सीरीज में एक और शतक जमाया। यह दोनों आउट हुए, तो भारतीय फैन्स की एक बार को सांसें अटक गईं। हालांकि, सुंदर और जडेजा ने 203 रनों की अटूट साझेदारी जमाते हुए इंग्लैंड के अरमानों पर पानी फेर दिया।

# सुप्रीम कोर्ट से बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को राहत

## फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में केस रद्द

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जन्म प्रमाण में जालसाजी मामले में भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि लक्ष्य सेन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है और यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। बेंगलुरु पुलिस ने नागराजा एमजी नाम के शख्स की शिकायत के बाद लक्ष्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। लक्ष्य सेन पर जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आयु-प्रतिबंधित टूर्नामेंटों में प्रवेश पाने के लिए अपनी उम्र में हेरफेर करने का आरोप लगा था। इसके बाद एक स्थानीय अदालत ने पुलिस को लक्ष्य के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। लक्ष्य बेंगलुरु में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन एकेडमी में प्रशिक्षण लेते हैं। एफआईआर में नामित लोगों में लक्ष्य, उनके कोच विमल कुमार, उनके पिता धीरेंद्र सेन, उनके भाई चिराग और मां निर्मला सेन के नाम शामिल थे। लक्ष्य और बाकी लोगों पर धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 471 (जाली रिकॉर्ड को वास्तविक के रूप में उपयोग करना) समेत विभिन्न आईपीसी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

शिकायतकर्ता का कहना था कि कर्नाटक बैडमिंट एसोसिएशन और कोच विमल कुमार के सहयोग से लक्ष्य ने आयु वर्ग से नीचे के प्रतियोगियों के खिलाफ खेलना शुरू किया। साथ ही उम्र को लाभ के रूप में इस्तेमाल करते हुए लक्ष्य ने कई टूर्नामेंट जीते और सरकार से कई लाभ प्राप्त किए। इससे अन्य प्रतिभाशाली बच्चों का नुकसान हुआ। शिकायतकर्ता का कहना है कि लक्ष्य का जन्म 1998 में हुआ, जबकि रिकॉर्ड बताते हैं कि लक्ष्य का जन्म 2001 में हुआ था। हालांकि, कोच विमल कुमार ने प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों का खंडन किया था। उन्होंने कहा- लक्ष्य हमारे एकेडमी में आए और मैंने उन्हें 2010 से किसी भी अन्य बच्चे की तरह प्रशिक्षित किया। मैंने सुना था कि एक परिवार एकेडमी और मेरी छवि खराब करने की कोशिश में लगा था, लेकिन इससे हमें कभी कोई परेशानी नहीं हुई।

याचिकाकर्ताओं ने 2022 में कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया था। मामले पर सुनवाई करते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने लक्ष्य, उनके परिवार और कोच विमल कुमार की ओर से दाखिल याचिकाओं को खारिज करते हुए फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले की जांच आदेश दिए थे। हाईकोर्ट से याचिकाएं खारिज होने के बाद लक्ष्य और उनके परिवार ने तत्काल सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद मामले पर सुनवाई करते हुए इसी साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य और बाकी लोगों को बड़ी राहत दी थी।

# दलीप ट्रॉफी के लिए साउथ जोन टीम का ऐलान

## तिलक वर्मा कप्तानी करेंगे

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को अगले महीने होने वाली घरेलू सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी के लिए दक्षिण क्षेत्र का कप्तान बनाया गया है। 22 वर्षीय तिलक ने भारत के लिए चार वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह शानदार लय में हैं और इंग्लैंड की काउंटी टीम हैम्पशायर के लिए हाल ही में चार पारियों में 100, 56, 47 और 112 रन बना चुके हैं।

**साई किशोर और पडिक्कल जैसे स्टार भी टीम में शामिल**

रणजी ट्रॉफी फाइनल तक शानदार प्रदर्शन करने वाले केरल के चार खिलाड़ियों ने 16 सदस्यीय टीम में जगह बनाई है। इसमें मोहम्मद अजहरुद्दीन टीम के उपकप्तान होंगे जबकि एम.डी. निधीश, बेसिल एन.पी. और सलमान निसार भी टीम में जगह पाने में सफल रहे। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन (जो चोटिल ऋषभ पंत के विकल्प के तौर पर इंग्लैंड गए हैं),बाएं हाथ के अनुभवी स्पिनर आर. साई किशोर और मध्यक्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल भी टीम में हैं।

**विजयकुमार करेंगे गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व**

भारत ए और कर्नाटक के तेज गेंदबाज विजयकुमार विशक दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगे। पिछले रणजी सत्र में कर्नाटक के लिए 516 रनों के साथ सर्वाधिक रन बनाने वाले आर. स्मरण को स्टैंडबाय (वैकल्पिक खिलाड़ी) के तौर पर शामिल किया गया है। संभवतः ऐसा उस चोट के कारण किया गया है जो उन्हें मई में लगी थी । वह इस चोट के कारण आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद में शामिल नहीं हो पाए थे।

दलीप ट्रॉफी की क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी

इस साल दलीप ट्रॉफी की छह टीमों के बीच क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी हो रही है। पिछले कुछ साल से इसका आयोजन भारत ए, बी, सी और डी टीमों के साथ होता था। जब यह टूर्नामेंट ए, बी, सी और डी प्रारूप में खेला जाता था, तो सीनियर राष्ट्रीय चयनकर्ता टीमों का चयन करते थे, लेकिन अब टीमों का चयन संबंधित क्षेत्रीय चयनकर्ताओं द्वारा किया जाएगा। यह चार दिवसीय टूर्नामेंट 28 अगस्त से बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' मैदानों में खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल मैचों में उत्तर क्षेत्र का सामना पूर्व क्षेत्र, जबकि मध्य क्षेत्र का सामना पूर्वोत्तर क्षेत्र से होगा। दक्षिण क्षेत्र और पश्चिम क्षेत्र को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिला है।

दक्षिण क्षेत्र की टीमः टी. तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन (उप-कप्तान), तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीशन, टी. विजय (आंध्र), आर. साई किशोर, तन्मय त्यागराजन, वैशाख विजयकुमार, एमडी. निधीश, रिकी भुई, बेसिल एनपी, गुरजपनीत सिंह, स्नेहल कौथंकर।

स्टैंड-बायः मोहित रेडकर, आर. स्मरण, अंकित शर्मा, एडेन एप्पल टॉम, आंद्रे सिद्धार्थ, शेख रशीद।

# तेजस्विन शंकर ने विस्लो जापिएवस्की मेमोरियल में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया

पोलैंड, 28 जुलाई (एजेंसियां)। तेजस्विन शंकर पोलैंड में विस्लो जापिएवस्की मेमोरियल में चौथे स्थान पर रहते हुए डेकाथलॉन में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 10 खेलों वाली इस कठिन स्पर्धा में 7800 अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। उन्होंने प्रतियोगिता में 7826 अंक हासिल किए। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की 'कंबाइंड इवेंट्स टूर गोल्ड' स्तर की मीट थी।

उन्होंने आखिरी मुकाबले (1500 मीटर) में 4:31.80 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। शंकर के नाम 7666 अंकों के साथ डेकाथलॉन का राष्ट्रीय रिकॉर्ड था, जो उन्होंने चीन के हांगझोऊ में 2023 एशियाई खेलों में बनाया था। प्रतियोगिता के पहले दिन के अंत तक 26 वर्षीय भारतीय ने 4292 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

उन्होंने खेल के 10 स्पर्धाओं में 100 मीटर दौड़ में 11.02 सेकंड का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया था। लंबी कूद में उन्होंने 7.57 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ अपनी गति बनाए रखी। यह 2023 में बनाए गए उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 7.62 मीटर से केवल पांच सेंटीमीटर कम था। उन्होंने गोला फेंक में 12.62 मीटर मामूली प्रदर्शन किया और फिर ऊंची कूद में 2.18 मीटर की ऊंचाई पार की।

# इंग्लैंड ने जीता महिला यूरो कप का खिताब

## विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में हराया

बासेल, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) का खिताब जीता। इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदलाव की चुकता कर दिया। स्पेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा। उसने विश्व कप के अलावा 2024 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेन्ते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इससे अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा।

टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्पेन की स्टार ऐताना बोनमाटी ने कहा, 'हम टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम थे, लेकिन कभी-कभी यह पर्याप्त नहीं होता। हमारी नजर अब 2027 में ब्राजील में होने वाले विश्व कप पर है।' शूटआउट में बोनमाटी की स्पॉट किक इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन द्वारा बचाए गए दो गोल में से एक थी। मैरियोना काल्डेन्ते की पेनल्टी भी बचा ली गई थी।

# 14 मैचों में जीत, 7 महीने से विजय रथ पर सवार

## डब्ल्यूडब्ल्यूई की खूबसूरत चैंपियन टिफनी स्ट्रैटन

खेल डेस्क, 28 जुलाई (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई मेन रोस्टर पर टिफनी स्ट्रैटन ने पिछले साल डेब्यू किया था। काफी कम समय में वो कंपनी की सबसे बड़ी सुपरस्टार्स में से एक बन गईं और अभी उनके पास डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियनशिप है और फैंस उन्हें बेहद पसंद करते हैं। टिफनी न सिर्फ अपनी खूबसूरती के लिए चर्चा में रहती हैं, बल्कि रिंग में भी उनका जलवा देखने को मिलता है। 7 महीनों से उन्हें एक भी हार नहीं मिली है। यह जानकर फैंस जरूर हैरान होंगे।

विजय रथ पर सवार डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियन टिफनी स्ट्रैटन

टिफनी स्ट्रैटन के लिए 2025 किसी सपने से कम नहीं रहा है। उन्होंने इस साल अपने शानदार प्रदर्शन से खूब नाम कमाया है। आपको बता दें कि टिफनी ने 2025 में अब तक 15 मैच लड़े हैं और एक में भी उन्हें हार नहीं मिली है। इस साल बतौर WWE विमेंस चैंपियन ने 14 मैचों में जीत दर्ज की है, वहीं उनका एक मुकाबला नो कॉन्टेस्ट में खत्म हो गया। स्ट्रैटन 2025 में विजय रथ पर ही सवार रही हैं और उन्हें रोक पाना बेहद मुश्किल महसूस हो रहा है।

टिफनी स्ट्रैटन ने पिछले साल विमेंस मनी इन द बैंक कॉन्ट्रैक्ट जीता था और बहुत समय तक इसे अपने पास रखा। उन्होंने 2025 के पहले स्मैक डाउन के एपिसोड में नाया जैक्स पर इसे कैश-इन किया। उन्होंने जैक्स को पराजित कर दिया और नई डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियन बन गईं। टिफनी इसके बाद से चैंपियन बनी हुई हैं और रेसलमेनिया जैसे बड़े शो में उन्होंने शार्लेट फ्लेयर को पराजित भी किया था।

# महिला एकल में लेयला फर्नांडीज बनीं चैंपियन

## पुरुषों में डी मिनौर ने जीता डीसी ओपन का खिताब

वॉशिंगटन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लेयला फर्नांडीज और एलेक्स डी मिनौर ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग का खिताब जीता। कनाडा की 22 वर्षीय खिलाड़ी फर्नांडीज ने अगले महीने होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया। अमेरिकी ओपन 2021 की उपविजेता फर्नांडीज ने अपनी चौथी एकल ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपनी सभी ट्रॉफी हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंटों में जीती हैं। यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी डब्ल्यूटीए 500 प्रतियोगिता में खिताब जीता। पुरुष वर्ग में सातवें वरीय एलेक्स डी मिनौर ने फाइनल में तीन चैंपियनशिप अंक बचाकर 12वें नंबर के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना पर 5-7, 6-1, 7-6 (3) की जीत के साथ अपना 10वां एटीपी और हार्ड कोर्ट पर आठवां खिताब जीता। ऑस्ट्रेलिया का यह 26 वर्षीय खिलाड़ी 2018 में डीसी ओपन में उपविजेता रहा था।

# पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बनाएं : तुम्मला

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को पूर्ववर्ती खम्मम जिले में विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के विकास और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। तुम्मला नागेश्वर राव ने सोमवार को सचिवालय में पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक वल्लूरी क्रांति, महाप्रबंधक उपेंद्र रेड्डी और अन्य अधिकारियों के साथ जिले में पर्यटन विकास की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक बुलाई।

इस बैठक के दौरान, दोनों मंत्रियों ने अधिकारियों से खम्मम जिले में इको-टूरिज्म और मंदिर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बनाने का आग्रह किया। अधिकारियों को कई परियोजनाओं के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने का काम सौंपा गया था, जिनमें पलारू जलाशय, नेलाकोंडापल्ली में एक बौद्ध स्तूप, परनासला, भद्राचलम मंदिर, किन्नरसानी परियोजना, कोत्तागुडेम में एक ग्रीन होटल, कनिगिरी हिल्स, वायरा जलाशय, वेलुगुमटला शहरी पार्क, खम्मम किले में एक रोपवे और खम्मम में एक अतिरिक्त ग्रीन होटल शामिल हैं। ज़िला एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है, साथ ही विभिन्न आकर्षण, ऐतिहासिक स्थल और मंदिर भी हैं जो पर्यटन विकास को बढ़ावा दे सकते हैं, और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि ये स्थल जनता के लिए सुलभ हों। प्रसिद्ध भद्राचलम राम मंदिर का और विकास किया जाना चाहिए, और भक्तों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, खम्मम ज़िले में पर्यटन स्थलों की स्थापना हेतु पर्यटन विभाग और पर्यटन निगम के बीच सहयोग आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक धनराशि की शीघ्र स्वीकृति के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, जो राज्य सरकार या निजी भागीदारी से प्राप्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग और जिला कलेक्टर के अधिकारियों को संबंधित स्थलों का दौरा कर उपयुक्त कार्य योजनाएं विकसित करनी होंगी। मंत्रियों ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि अगले महीने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खम्मम ज़िले के दौरे के लिए उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि खम्मम शहर के निकट लगभग 500 एकड़ के वन क्षेत्र में इको-टूरिज्म विकास परियोजनाओं को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।

# बड़े ड्रग तस्कर गिरोह का भंडाफोड़

## 5 करोड़ रुपये का गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष अब तक की एक बड़ी ड्रग तस्करी में, ईगल (एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एन्फोर्समेंट) ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में संचालित एक सुव्यवस्थित तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 5 करोड़ रुपये मूल्य का 935 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में पवार कुमार बडू (जो इस ऑपरेशन का मुख्य सरगना और वित्तपोषक था), एस कांतिलाल भिसे (जो किराये पर लिया गया ड्राइवर था) तथा विनायक बाबा साहेब पवार (जो लॉजिस्टिक सहायक और एस्कॉर्ट वाहन संचालक था) शामिल थे।

26 जुलाई को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर, ईगल यूनिट ने विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बतासिंगाराम फल मंडी जंक्शन के पास एक टाटा आयशर ट्रक को रोका, जिस पर मादक पदार्थ होने का संदेह था। ट्रक को एक टोयोटा इनोवा भी साथ ले जा रही थी। ट्रक को रोका गया और जांच करने पर, अधिकारियों को खाली प्लास्टिक की फलों की ट्रे के नीचे छिपे 35 बैग मिले, जिनमें गांजा छिपा हुआ था। इस वर्ष की सबसे बड़ी जब्ती में से एक, को सीएलयूईएस फोरेंसिक टीम के सहयोग से फोटो और वीडियो साक्ष्य सहित सावधानीपूर्वक दस्तावेजित किया गया।

पुलिस के अनुसार, जांच से पता चला कि इस रैकेट का मास्टरमाइंड महाराष्ट्र का एक बार फिर एनडीपीएस अपराधी पवार कुमार बडू था, जो सचिन गंगाराम चौहान (वर्तमान में फरार) और ओडिशा स्थित आपूर्तिकर्ता विक्की सेठ के साथ मिलकर काम कर रहा था।

पवार और उसके साथी 23 जुलाई को एक किराए की कार में महाराष्ट्र से राजमुंदरी गए थे। राजमंड्री में सप्लायर ने ड्रग्स को टाटा आयशर ट्रक में लादकर फलों की ट्रे के नीचे छुपा दिया था। पुलिस की जांच से बचने के लिए काफिला इनोवा के साथ ट्रक के साथ आगे बढ़ा। पुलिस ने बताया कि यह सिंडिकेट ऋण-वित्तपोषण मॉडल पर काम करता था, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को वित्तपोषित करता था, रसद का प्रबंध करता था, तथा गुप्त खाते बनाए रखता था।

# जीवंत हो उठा जदी मलकापुर झरना

### पर्यटकों को संगारेड्डी की ओर आकर्षित कर रहा है

संगारेड्डी, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पड़ोसी राज्य कर्नाटक में भारी बारिश के कारण जदी मलकापुर जलप्रपात जीवंत हो उठा है, जिससे तेलंगाना और कर्नाटक दोनों जगहों से पर्यटकों का तांता लगा हुआ है। मोगुदमपल्ली मंडल के जदी मलकापुर गांव के पास स्थित यह जलप्रपात संगारेड्डी जिले का इकलौता जलप्रपात है और मानसून के दौरान आकर्षण का केंद्र बन गया है।

तेलंगाना-कर्नाटक सीमा पर स्थित घने गोट्टम गुट्टा जंगल के बीच स्थित यह मनोरम स्थल बरसात के मौसम में भारी भीड़ खींचता है। अपने मनोरम दृश्य के अलावा, यह क्षेत्र पक्षी प्रेमियों के लिए भी एक आकर्षण का केंद्र है, जहां अंतरराज्यीय सीमा के दोनों ओर कई दुर्लभ प्रजातियां देखी जा सकती हैं। यह झरना जहीराबाद शहर से लगभग 20 किमी दूर स्थित है, जिससे आसपास के क्षेत्रों से आने वाले पर्यटक इसे आसानी से देख सकते हैं।

# भाजपा चुनावों में पिछड़ी जातियों को अधिकतम सीटें देगी

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने आज घोषणा की कि पार्टी राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ी जातियों को अधिकतम सीटें देगी। नए राज्य पार्टी प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद उनसे मिलने आए पिछड़ी जातियों के एक समूह को संबोधित करते हुए, राव ने कहा कि पार्टी आगामी चुनावों में पिछड़ी जातियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी, चाहे कांग्रेस पार्टी आरक्षण दे या न दे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा पिछड़ी

जातियों का समर्थन करती रही है और उनके उत्थान के लिए काम करती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में 27 मंत्री थे और केवल मोदी सरकार ने ही पिछड़ी जातियों के लिए आयोग का गठन किया है। राज्य कांग्रेस सरकार द्वारा कराई गई जाति जनगणना को सार्वजनिक करने की मांग करते हुए, राज्य भाजपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देकर धोखा देने की साजिश रच रही है, जबकि जाति जनगणना के हवाले से रिपोर्टों से पता चला है कि पिछड़ी जातियों की आबादी 52 प्रतिशत है। राव ने कहा कि जीएचएमसी में पार्षदों की 52 सीटें हैं। लेकिन पिछड़ा वर्ग-ई आरक्षण के तहत मुसलमानों को 35 सीटें मिलीं, जिससे यादवों और गौड़ जैसे वास्तविक पिछड़ा वर्ग के अधिकारों का हनन हुआ। उन्होंने ओबीसी समुदाय से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और विधानसभा चुनावों में भाजपा के समर्थन में मजबूती से खड़े होने और पार्टी को सत्ता में लाने में मदद करने की अपील की।

# पुलिस ने नकली एप्पल एक्सेसरीज़ रैकेट का किया भंडाफोड़

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नकली इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक बड़ी कार्रवाई में, टास्क फोर्स (केंद्रीय) टीम ने नकली एप्पल-ब्रांडेड मोबाइल एक्सेसरीज की अवैध बिक्री में शामिल एक रैकेट का भंडाफोड़ किया और तीन लोगों को गिरफ्तार किया, इसके अलावा मीर आलम मंदिर में 3 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त की। संदिग्धों की पहचान मोहम्मद शाहिद अली (48), इरफान अली (49) और संतोष राजपुरोहित (39) के रूप में हुई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीनों लोग मुंबई के एजेंटों से नकली एप्पल उत्पाद खरीदते थे और उन्हें असली उत्पादों जैसा दिखने के लिए जाली एप्पल लोगो, एमआरपी स्टिकर और सुरक्षा सील के साथ पैकेजिंग करके हैदराबाद में बेचते थे। 26 जुलाई को छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 2,761 नकली एप्पल उत्पाद जब्त किए, जिनमें एयरपॉड्स, घड़ियां, यूएसबी केबल, एडेप्टर आदि शामिल थे। मोहम्मद शाहिद अली मुंबई से नकली सामान खरीदकर अपने घर पर रखता था। इरफान अली वितरक का काम करता था, जबकि संतोष राजपुरोहित कोटी के गुजराती गली स्थित अपने रिटेल आउटलेट पीएम मोबाइल्स के ज़रिए सामान बेचता था।

टास्क फोर्स के डीसीपी वाईवीएस सुधींद्र ने कहा, संदिग्धों ने नकली वस्तुओं को असली एप्पल सामान के रूप में बेचकर ग्राहकों को धोखा दिया, जिससे खरीदारों को वित्तीय नुकसान हुआ और ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। आगे की जांच और कानूनी कार्यवाही के लिए संदिग्धों को जब्त सामग्री के साथ मीरचौक पुलिस को सौंप दिया गया है।

# महिला ने नलगोंडा बस स्टैंड पर बच्चे को छोड़ा

### इंस्टाग्राम दोस्त के साथ भागी

नलगोंडा, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने अपने दो साल के बेटे को नलगोंडा बस स्टैंड पर छोड़ दिया और कथित तौर पर एक अन्य व्यक्ति के साथ भाग गई, जिससे यात्रियों और आरटीसी कर्मचारियों में चिंता पैदा हो गई। बच्चा बुरी तरह रो रहा था, जिससे बस स्टेशन कर्मियों का ध्यान उसकी ओर गया और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। अधिकारियों के अनुसार, हैदराबाद निवासी महिला का कथित तौर पर नलगोंडा के एक स्थानीय युवक के साथ इंस्टाग्राम के ज़रिए प्रेम संबंध बन गया था। वह अपने छोटे बेटे को साथ लेकर उससे मिलने गई थी, लेकिन बाद में बच्चे को बस अड्डे पर छोड़कर उस आदमी के साथ मोटरसाइकिल पर निकल गई। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज की मदद से कुछ ही घंटों में महिला और उसके साथी को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर महिला ने अपनी पहचान बताई, जिसके बाद पुलिस ने उसके पति से संपर्क किया। बच्चे को उसके पिता के पास सुरक्षित पहुंचा दिया गया। आगे की जांच जारी है।

## युवक की दिल का दौरा पड़ने से मौत

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शारीरिक गतिविधि करते समय अचानक दिल की धड़कन रुकने से युवाओं के बेहोश होने का एक और मामला सामने आया है। 25 वर्षीय गुंडला राकेश नामक युवक हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम के एक इनडोर कोर्ट में बैडमिंटन खेलते समय बेहोश हो गया और संदिग्ध दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई। जब उनके साथी खिलाड़ी और दोस्त राकेश को स्थानीय अस्पताल ले गए तो डॉक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, मृतक हैदराबाद में एक निजी कंपनी में काम करता था और वह खम्मम जिले के तल्लाडा के पूर्व उप सरपंच गुंडला वेंकटेश्वरलु का पुत्र था।

# लाइव सर्जरी कार्यशालाओं के लिए नया प्रोटोकॉल

## अस्पतालों को अब कई पूर्व अनुमोदनों की होगी आवश्यकता

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अस्पतालों से लेकर चिकित्सा कार्यशालाओं और सेमिनारों तक सर्जरी का सीधा प्रसारण करने की व्यापक प्रथा के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने वैकल्पिक उपायों की वकालत की है, जैसे रिकॉर्ड किए गए वीडियो, वेट लैब, जो सर्जनों को शवों और पशु अंगों पर अभ्यास करने की अनुमति देते हैं, तथा सिमुलेशन-आधारित सर्जरी और प्रक्रियाएं। एनएमसी ने लाइव प्रसारण सर्जरी में भाग लेने के लिए मरीजों को वित्तीय प्रोत्साहन देने पर रोक लगा दी है। अब सर्जरी के लाइव प्रसारण के लिए मरीज की स्पष्ट सहमति लेना भी अनिवार्य है। यदि लाइव सर्जरी/प्रक्रिया से जटिलताएं उत्पन्न होती हैं, तो मरीज के लिए उसका निःशुल्क प्रबंधन किया जाना चाहिए।

आमतौर पर, अस्पतालों से सेमिनार/कार्यशाला हॉलों तक प्रसारित की जाने वाली अधिकांश सर्जरी, निपुण अंतर्राष्ट्रीय सर्जनों या राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संकाय द्वारा की जाती हैं। अब से, ऐसे आयोजनों के आयोजकों के लिए नियामक प्राधिकरणों और संबंधित संस्थानों से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, प्रक्रिया करने वाले सर्जन को सर्जरी के दौरान सेमिनार में उपस्थित डॉक्टरों से दूर से भी बातचीत नहीं करनी चाहिए। एनएमसी ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा है कि लाइव प्रसारण का उद्देश्य केवल शैक्षिक होना चाहिए, तथा इसका उपयोग व्यावसायिक लाभ या सर्जनों, अस्पतालों या उत्पादों के प्रचार के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

लाइव प्रसारण के लिए उच्च-जोखिम वाली प्रक्रियाओं से बचना चाहिए, संपादित रिकॉर्डिंग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आयोग के नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड (ईएमआरबी) ने रिकॉर्ड किए गए वीडियो, वेट लैब, शव-आधारित अभ्यास और सिमुलेशन-आधारित सर्जरी जैसे सुरक्षित विकल्पों की भी सिफारिश की है, क्योंकि इनसे मरीजों को कोई खतरा नहीं होता और साथ ही प्रभावी शिक्षा भी मिलती है।

## बाघ ने एक और बछड़े को मार डाला, ग्रामीणों में दहशत

मंचेरियल, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम को धर्मरावपेट गांव के अंतर्गत रोटेपेल्ली के जंगलों में चर रहे मवेशियों के झुंड को बाघ ने मार डाला, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। वन अधिकारियों ने बताया कि हो सकता है कि किसी बाघ ने झुंड पर हमला करके गोंडुगुडा के कुरीसेंगा अच्युत राव के एक बछड़े को मार डाला। उन्होंने बताया कि जल्द ही प्रक्रिया पूरी करके राव को मुआवज़ा दिया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से मवेशियों को जंगल में दूर न ले जाने का आग्रह किया।

अधिकारियों का कहना है कि एक नर अधेड़ बाघ (जो संभवतः महाराष्ट्र से आया था और कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के तिरयानी और कासिपेट मंडल की सीमाओं पर घूम रहा था) ने बछड़े को मार डाला होगा। उसकी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए थे। 8 जुलाई को, कासिपेट मंडल के वेंकटपुर गांव के जंगलों में इसी बाघ ने एक बछड़े को मार डाला था। स्थानीय लोगों ने वन अधिकारियों से बाघ को घने जंगलों में भेजने और मानव व पशु हानि को रोकने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया।

# तेलंगाना में खरीफ की बुवाई में आई तेजी

## मानसून की एक महीने की असफलता के बाद किसानों के चेहरे खिले

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में खरीफ की बुवाई में उल्लेखनीय सुधार देखा गया, जिसकी वजह जुलाई के मध्य में हुई बारिश थी जिससे किसानों को शुरूआती देरी की भरपाई करने में मदद मिली। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शनिवार तक कुल बुवाई क्षेत्र 82.92 लाख एकड़ तक पहुंच गया, जो पिछले साल के इसी आंकड़े 73.65 लाख एकड़ से अधिक है, और पिछले सप्ताह के 68.8 लाख एकड़ से तेज़ उछाल दर्शाता है।

कपास 43.38 लाख एकड़ में फैली प्रमुख फसल रही, हालांकि यह 50 लाख एकड़ के लक्ष्य से अभी भी पीछे है। धान की रोपाई में तेज़ी आई और 25.53 लाख एकड़ में इसकी बुवाई हुई, इसके बाद मक्का (4.52 लाख एकड़), सोयाबीन (4.26 लाख एकड़) और लाल चना (4.19 लाख एकड़) का स्थान रहा। ज्वार के साथ-साथ मूंग और उड़द जैसी छोटी दालों की बुवाई भी सीमित रही।

जुलाई के मध्य में हुई भारी बारिश ने (खासकर दक्षिणी जिलों में) बुवाई गतिविधियों को बढ़ावा दिया। हालांकि, उत्तरी तेलंगाना को बाढ़, फसलें बह जाने और जलभराव के कारण भारी नुकसान हुआ। मुलुगु, जयशंकर भूपलपल्ली और भद्राद्री कोत्तागुडेम जैसे जिलों में, किसानों को फसल क्षति के कारण नुकसान हुआ। फिर भी, स्थिति में सुधार होने पर लगभग 80 प्रतिशत प्रभावित भूमि के ठीक होने की उम्मीद है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के स्थिर होने के संकेत मिलने के साथ, अधिकारी अगस्त के मध्य तक बुवाई के लगभग सामान्य स्तर पर पहुंचने को लेकर सतर्क और आशावादी हैं। 16 जुलाई तक लगभग 10 लाख एकड़ में धान की रोपाई हो चुकी थी, और पिछले हफ़्ते निज़ामाबाद, कामारेड्डी, नलगोंडा और सूर्यपेट जैसे सभी प्रमुख धान उत्पादक ज़िलों में हुई व्यापक बारिश के बाद धान की रोपाई में तेज़ी आई है।

खरीफ की बुवाई में उल्लेखनीय सुधार दिखाने वाले अधिकांश क्षेत्र वर्षा आधारित बताए गए हैं। हालांकि प्रमुख और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में भंडारण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, फिर भी 20 जुलाई तक पेयजल की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए ही पानी छोड़ा गया।

# हुसैन सागर में भारी बारिश के बाद जलस्तर में गिरावट

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बारिश रुकने के बाद हुसैन सागर और जुड़वां जलाशयों, उस्मान सागर और हिमायत सागर में पानी का प्रवाह धीरे-धीरे कम होने लगा है। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण हुसैन सागर और दोनों जलाशयों में पानी का प्रवाह अचानक बढ़ गया है। जल निकायों की निगरानी कर रहे जीएचएमसी झील प्रभाग और एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी ने बताया कि तीन दिनों की भारी बारिश के दौरान जल स्तर में वृद्धि अब रुक गई है।

रविवार सुबह 6 बजे दर्ज किए गए जलस्तर के अनुसार, उस्मानसागर में 150 क्यूसेक और हिमायत सागर में 350 क्यूसेक पानी का प्रवाह हुआ और दोनों जलाशयों में जलस्तर में मामूली गिरावट आई। उस्मानसागर में वर्तमान जलस्तर 1,782 फीट था, जबकि जलाशय का एफटीएल 1,790 फीट है। हिमायत सागर में, जलाशय का एफटीएल 1,763 फीट था, जबकि जलाशय का एफटीएल 1,761 फीट दर्ज किया गया। हैदराबाद जल बोर्ड वर्तमान में उस्मानसागर से 23 मिलियन गैलन और हिमायत सागर से 11 मिलियन गैलन पानी खींच रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.